

Mkd ithdj.k l[;kj/RNP/01/2023-25

RNI NO. UPHIN/2009/27689

राष्ट्रीय निष्पक्ष, निर्भीक हिन्दी दैनिक

जन विचार प्रवाह

वर्ष : 18 अंक :277 (हिन्दी दैनिक) जौनपुर मंगलवार 27 अक्टूबर, 2026 पृष्ठ– 08 मूल्य– 2.00 रूपया

अमित शाह पर विवादित टिप्पणी, कोर्ट ने राहुल गांधी पर दिया बड़ा फैसला

उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर की विशेष एमपी–एमएलए अदालत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को 2018 के आपराधिक मानहानि मामले में बरी कर दिया है। यह मामला भाजपा नेता विजय मिश्रा द्वारा अमित शाह पर की गई टिप्पणी को लेकर दर्ज कराया गया था। अदालत ने सबूतों की कमी का हवाला देते हुए राहुल गांधी को राहत दी।



नई दिल्ली 26 अक्टूबर (एजेंसी)उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में एक विशेष MP/MLA अदालत ने सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को 2018 के आपराधिक मानहानि मामले से बरी कर दिया। यह मामला केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ की गई टिप्पणी से जुड़ा था, और अदालत ने सबूतों की कमी का हवाला देते हुए यह फैसला सुनाया। फैसला सुनाए जाने के दौरान राहुल गांधी अदालत में मौजूद थे। उनके समर्थकों ने इस फैसले का स्वागत किया और खुशी व आभार व्यक्त किया। यह मामला भाजपा नेता विजय मिश्रा ने दर्ज कराया है, जो सुल्तानपुर के कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के अंतर्गत हनुमानगंज के निवासी हैं और सुल्तानपुर जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं। मिश्रा ने 4 अगस्त 2018 को यह शिकायत दर्ज कराई थी। यह शिकायत 2018 के कर्नाटक विधानसभा चुनावों से पहले बेंगलुरु में एक चुनावी रैली के दौरान गांधी द्वारा शाह के बारे में की गई टिप्पणियों को लेकर थी। कांग्रेस ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा सत्य की ही जीत होती है।दोनों पक्षों ने क्या दलीलें दीं?

अंतिम सुनवाई के दौरान, गांधी के वकील ने माना कि कांग्रेस नेता ने ये टिप्पणियां की थीं, लेकिन उन्होंने तर्क दिया कि ये टिप्पणियां नेक नीयत से की गई थीं और इनका मकसद किसी का अपमान करना नहीं था। बचाव पक्ष ने यह भी कहा कि इन टिप्पणियों को तोड़–मरोड़ कर और संदर्भ से हटकर पेश किया गया था। वहीं, शिकायतकर्ता के वकील ने अदालत से गांधी को दोषी ठहराने की मांग की। उन्होंने तर्क दिया कि गांधी का यह स्वीकार कर लेना कि उन्होंने ये टिप्पणियां की थीं, उन्हें दोषी ठहराने के लिए पर्याप्त आधार है। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद, अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

राहुल-अलिखेश पर बरसे सीएम योगी

कहा- छोटे मियां-बड़े मियां को घुसपैठियों से प्यार, गरीबों से नफरत

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानपुर के बिठूर में 411 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने बिना नाम लिए राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए उन्हें छोटे मियां और बड़े मियां बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि दोनों दल घुसपैठियों का समर्थन करते हैं और गरीबों की अनदेखी करते हैं।



लखनऊ 26 अक्टूबर (एजेंसी)उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानपुर में एक कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दोनों पार्टियों पर घुसपैठियों का समर्थन करने और अपने शासनकाल में विकास कार्य न कर पाने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी या समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव का सीधे नाम लिए बिना, उन्होंने उन्हें छोटे मियां और बड़े मियां कहकर संबोधित किया।वाल्मीकि जयंती के अवसर पर कानपुर के बिठूर मेंलोगों को संबोधित करते हुए, आदित्यनाथ ने कहा कि इन दोनों नेताओं को घुसपैठियोंसे तो लगाव है लेकिन ये दलितों, वंचित समुदायों किसानोंऔर युवाओंका अनादर करते हैं। इस कार्यक्रम से पहले उन्होंने वाल्मीकि आश्रम में पूजा–अर्चना की और नाना राव पेशवा पार्क में411 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए, आदित्यनाथ ने कहा कि दोनों पार्टियों को उत्तर प्रदेश में लंबे समय तक शासन करने का मौका मिला, लेकिन वे किसानों गरीबों और युवाओं की समस्याओं को हल करने में विफल रहीं।उन्होंने कहा कि इस समय देश में दो श्रेणियां हैं – एक श्छोटे मियांश और दूसरे श्बड़े मियांश। दोनों को घुसपैठियों से बहुत प्यार है।ष उन्होंने आरोप लगाया कि ये लोग बांग्लादेशी घुसपैठियों को तो गले लगाते हैं लेकिन दलितों वंचितों गरीबों किसानों और युवाओं का अपमान करते हैं। मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी की पिछली सरकारों पर राज्य में अराजकता को बढ़ावा देने का आरोप भी लगाया। उन्होंने दावा किया कि पार्टी से जुड़े अपराधियों ने व्यापारियों और गरीबों की जमीनों पर कब्जा कर लिया था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि महिलाओं की सुरक्षा खतरे में थी और युवाओं को या तो नौकरियां नहीं मिलीं या फिर उन्हें भर्ती प्रक्रिया में भ्रष्टाचार का सामना करना पड़ा।आदित्यनाथ ने अयोध्या की स्थिति को लेकर पिछली सरकारों की आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि बीजेपी सरकार द्वारा विकास के कदम उठाने से पहले, इस शहर में बिजली, साफ–सफाई और बुनियादी ढांचे की भारी कमी थी। लंका पर विजय प्राप्त करने के बाद भगवान राम की अयोध्या वापसी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सदियों तक यह शहर खराब सड़क संपर्क (कनेक्टिविटी) पर ही निर्भर रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने अयोध्या के विकास को कभी प्राथमिकता नहीं दी, और बाद में बीजेपी सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाओं में भी बाधा डाली।उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में काशी में हुए बदलाव का भी उदाहरण दिया, जिसमें श्काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोरश के विकास का जिक्र किया गया। आदित्यनाथ के अनुसार, इस परियोजना से वहां श्रद्धालुओं के ठहरने की क्षमता में काफी सुधार हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार पूरे उत्तर प्रदेश में धार्मिक स्थलों के विकास के लिए काम कर रही है, जिनमें अयोध्या, मथुरा, वृंदावन, प्रयागराज, विंध्यावासिनी, शुकतीर्थ, नैमिषारण्य और बिठूर शामिल हैं

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तुरंत बिना शर्त माफी मागें, बीजेपी ने पीएम मोदी के अपमान पर घेरा

भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई टिप्पणी को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से बिना शर्त माफी की मांग की है। पार्टी प्रवक्ता सीआर केसवन ने कहा कि यह राहुल गांधी की नफरत की राजनीति को दर्शाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने सार्वजनिक विमर्श को गिराकर देश के जनादेश का अपमान किया है।



नई दिल्ली26 अक्टूबर (एजेंसी)भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई टिप्पणी को लेकर उन पर तीखा हमला बोला। ठश्रच के राष्ट्रीय प्रवक्ता सीआर केसवन ने कांग्रेस नेतृत्व पर सार्वजनिक चर्चा के स्तर को गिराने का आरोप लगाया और बिना शर्त माफी की मांग की। खड़गे की विवादित टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए, केसवन ने कहा कि यह राहुल गांधी की असभ्य, संस्कारहीन और जहरीली नफरत वाली राजनीति को दर्शाती है। उन्होंने कांग्रेस पर प्रधानमंत्री के खिलाफ बार–बार व्यक्तिगत हमले करने का आरोप लगाया। केशवन ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की प्रधानमंत्री मोदी पर व्यक्तिगत हमला करने वाली शर्मनाक टिप्पणियां, राहुल गांधी की असभ्य और अभद्र, नफरत से भरी राजनीति को ही दर्शाती हैं। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि कांग्रेस ने सार्वजनिक विमर्श (चनइसपब कपे. बवनतेम) के स्तर को अभूतपूर्व रूप से गिरा दिया है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी पर किए गए व्यक्तिगत हमले कोई इकलौती घटना नहीं हैं। उन्होंने कहा कि नैतिक और राजनीतिक रूप से दिवालिया हो चुकी कांग्रेस पार्टी ने हमारे देश में सार्वजनिक विमर्श के स्तर को सबसे निचले पायदान पर पहुंचा दिया है। और ऐसा पहली बार नहीं है जब कांग्रेस नेतृत्व ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ व्यक्तिगत रूप से अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया हो।प्रधानमंत्री के परिवार के बारे मेंकी गई टिप्पणियों से जुड़े पिछले विवादों का जिक्र करते हुए, केसवन ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं ने बार–बार पीएम मोदी को व्यक्तिगत रूप से निशाना बनाया है, जिसमें उनकी दिवंगत मां पर की गई टिप्पणियां भी शामिल हैं। उन्होंने खड़गे की टिप्पणियों को चुनावी जनादेश का अपमान बताया और कहा कि ये बातें सार्वजनिक पद पर बैठे राजनीतिक नेताओं से अपेक्षित मानकों का उल्लंघन करती हैं। केसवन ने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे की अक्षम्य और अनुचित टिप्पणियां 140 करोड़ भारतीयों द्वारा दिए गए जनादेश का भी गंभीर अपमान है। खड़गे ने सार्वजनिक आचरण के समी मानकोंका उल्लंघन किया है।बीजेपी प्रवक्ता ने कांग्रेस नेतृत्व से माफी मांगने को कहा और जोर देकर कहा कि पार्टी अध्यक्ष की टिप्पणियों को किसी भी तरह सही नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने आगे कहा कि पूरे कांग्रेस नेतृत्व और कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे को तुरंत बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए। केशवन ने आगे कहा कि कांग्रेस के पूरे नेतृत्व और कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे को तुरंत बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए।

महाराष्ट्र में 33प्रतिशत वोटरों के नाम हटने की याचिका पर सुनवाई,

सुप्रीम कोर्ट ने ईसीआइ से पूछा सवाल

सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र में मतदाता सूची के लिए दस्तावेज जमा करने की समय सीमा तुरंत बढ़ाने से इनकार कर दिया है। हालांकि, 33 प्रतिशत मतदाताओं के नाम हटाए जाने के आरोप पर अदालत ने चुनाव आयोग को नोटिस भेजा। कोर्ट ने कहा कि 5 नवंबर को सुनवाई के दौरान जरूरत पड़ने पर तारीख बढ़ाई जा सकती है।



नई दिल्ली 26 अक्टूबर (एजेंसी)सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र में चुनाव आयोग की विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची में शामिल होने के इच्छुक लोगों के लिए दस्तावेज (दावे और आपत्तियां सहित) जमा करने की समय–सीमा बढ़ाने से इनकार कर दिया। हालांकि, CJI सूर्य कांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने म्ब को नोटिस जारी कर एक याचिका पर जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता अरुण आनंदगिरी ने अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि म्ब की ैप्त प्रक्रिया के तहत राज्य की मतदाता सूची से 33ः मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार ने पीठ को बताया कि मुंबई और पुणे में लगभग 3,500 पुनर्विकास (रीडेवलपमेंट) परियोजनाएं चल रही हैं। इसके तहत पुरानी आवासीय कॉलोनियों को तोड़ा जा रहा है, जिससे हजारों लोगों को दूसरी जगह जाना पड़ रहा है। ऐसे में पता और अन्य विवरण न मिल पाने के कारण उनके नाम मतदाता सूची से कटने का खतरा पैदा हो गया है।वरिष्ठ वकील ने यह निर्देश देने की भी मांग की कि म्ब को उन लोगों के लिए एक नया फॉर्म लाना चाहिए, जिनके नाम पहले के चुनावों में मतदाता सूची में शामिल थे। दातार ने कहा, ष्मौजूदा मतदाताओं से फॉर्म 6 भरने के लिए कहना गलत ह्यै फॉर्म 6 नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए है, न कि उन मतदाताओं के लिए जो पहले से ही सूची में शामिल है।ष वकील ने मांग की कि मतदाता सूची में नाम शामिल करने के लिए दावे और आपत्तियां दाखिल करने की समय–सीमा (जो आज है) को आगे बढ़ाया जाए, ताकि लोगों को ऐसा करने के लिए और समय मिल सके। उन्होंने यह भी मांग की कि जब तक कोर्ट इस मामले की सुनवाई नहीं कर लेता, तब तक मतदाता सूची को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया पर रोक लगाई जाए। हालांकि, कोर्ट ने आज समय–सीमा बढ़ाने से इनकार कर दिया, लेकिन वकील को भरोसा दिलाया कि वह जल्द ही इस मामले की सुनवाई करेगा।अगर कोर्ट को लगा कि समय–सीमा बढ़ाने की जरूरत है तो वह उचित निर्देश जारी करेगा। श्आप ने कहा चिंता न करें आप एक व्हिसलब्लोअर (खुलासा करने वाले) हैं। आप हमारे पास आए हैं। चिंता न करें। हम तारीख आगे बढ़ा सकते हैं। अगर हमें पता चलता है कि कुछ लोगों ने अभी तक अपने दस्तावेज जमा नहीं किए हैं तो हम तारीख बढ़ा देंगे। हमने पहले भी (ए) मामलों में तारीखें बढ़ाई हैं।ष कोर्ट इस मामले की सुनवाई 5 नवंबर को करेगा। भारत निर्वाचन आयोग ने पहले महाराष्ट्र में मतदाता सूचियों के श्विशेष गहन पुनरीक्षणश (ए) के कार्यक्रम को आगे बढ़ाया था, जिसके तहत अब पूरी मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 16 नवंबर, 2026 को होना है। दावे और आपत्तियां दाखिल करने की समय–सीमा 30 सितंबर से बढ़ाकर 12 अक्टूबर कर दी गई थी। अंतिम मतदाता सूची 4 नवंबर को प्रकाशित होनी थी, लेकिन अब यह 12 नवंबर को प्रकाशित होगी। मतदाताओं द्वारा दाखिल किए गए दावों और आपत्तियों के निपटारे की प्रक्रिया 10 नवंबर तक जारी रहेगी।

गिरता ही जा रहा है कांग्रेस की राजनीति का स्तर

खड़गे के बयान पर भड़के राजनाथ सिंह, कहा- मर्यादा न लांघें

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई टिप्पणी पर तीखा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि यह भारतीय राजनीति की मर्यादा पर हमला है और कांग्रेस वैचारिक रूप से कमजोर हो चुकी है। वहीं भाजपा ने खड़गे से बिना शर्त माफी की मांग की है।



नई दिल्ली26 अक्टूबर (एजेंसी)कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की टिप्पणी पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पलटवार किया है। राजनाथ सिंह ने कहा कि मेरा मानना ध्है कि यह केवल किसी व्यक्ति या परिवार का अपमान नहीं है, बल्कि भारतीय राजनीति की मर्यादा पर हमला है। लोकतंत्र में आप अपना विरोध जता सकते हैं, नीतियों पर सवाल उठा सकते हैं और सरकार की आलोचना कर सकते हैंकूलेकिन कृपया, व्यक्तिगत मर्यादा की सीमाएं न लांघें। मेरी यही सलाह है। आज कांग्रेस न केवल राजनीतिक रूप से कमजोर हुई है, बल्कि मेरी नजर में, वैचारिक रूप से भी उसका पतन हुआ है।रक्षा मंत्री ने आगे कहा कि कांग्रेस को याद रखना चाहिए कि लोकतंत्र में जनता हर चीज पर नजर रखती है और सही समय आने पर इसका करारा जवाब देती है। मैं कांग्रेस को यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री मोदी ऐसी टिप्पणियों से न तो विचलित होंगे और न ही जनता की सेवा करने के उनके संकल्प में कोई कमी आएगी। वहीं, भारतीय जनता पार्टी (ठश्रच) ने सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई टिप्पणी को लेकर उन पर तीखा हमला बोला। ठश्रच के राष्ट्रीय प्रवक्ता सीआर केसवन ने कांग्रेस नेतृत्व पर सार्वजनिक चर्चा के स्तर को गिराने का आरोप लगाया और बिना शर्त माफी की मांग की। खड़गे की विवादित टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए, केसवन ने कहा कि यह राहुल गांधी की असभ्य, संस्कारहीन और जहरीली नफरत वाली राजनीति को दर्शाती है। उन्होंने कांग्रेस पर प्रधानमंत्री के खिलाफ बार–बार व्यक्तिगत हमले करने का भी आरोप लगाया।

केशवन ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की प्रधानमंत्री मोदी पर व्यक्तिगत हमला करने वाली शर्मनाक टिप्पणियां, राहुल गांधी की असभ्य और अभद्र, नफरत से भरी राजनीति को ही दर्शाती हैं। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि कांग्रेस ने सार्वजनिक विमर्श (चनइसपब कपे. बवनतेम) के स्तर को अभूतपूर्व रूप से गिरा दिया है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी पर किए गए व्यक्तिगत हमले कोई इकलौती घटना नहीं हैं। उन्होंने कहा कि नैतिक और राजनीतिक रूप से दिवालिया हो चुकी कांग्रेस पार्टी ने हमारे देश में सार्वजनिक विमर्श के स्तर को सबसे निचले पायदान पर पहुंचा दिया है। और ऐसा पहली बार नहीं है जब कांग्रेस नेतृत्व ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ व्यक्तिगत रूप से अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया हो।

प्रधानमंत्री के परिवार के बारे में की गई टिप्पणियों से जुड़े पिछले विवादों का जिक्र करते हुए, केसवन ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं ने बार–बार पीएम मोदी को व्यक्तिगत रूप से निशाना बनाया है, जिसमें उनकी दिवंगत मां पर की गई टिप्पणियां भी शामिल हैं।

जेडीयू से बाहर होते ही अनंत सिंह का तीखा हमला:

नीतीश कुमार के बिना पार्टी का कोई वजूद नहीं

बिहार में पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में जदयू ने मोकामा विधायक अनंत सिंह और उनकी पत्नी नीलम देवी को छह साल के लिए निष्कासित कर दिया। इस पर अनंत सिंह ने कहा कि उन्हें कोई पछतावा नहीं है और नीतीश कुमार के बिना जदयू का कोई भविष्य नहीं बचा। उन्होंने जल्द ही अपनी नई पार्टी बनाने का भी एलान किया।



नई दिल्ली26 अक्टूबर (एजेंसी)बिहार के विधायक अनंत सिंह को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में श्रव(ने) से छह साल के लिए निकाल दिया गया है। इस पर उन्होंने कहा कि उन्हें कोई पछतावा नहीं है और दावा किया कि पार्टी का कोई राजनीतिक भविष्य नहीं है। पत्रकारों से बात करते हुए सिंह ने कहा कि मुझे कोई पछतावा नहीं है। जनता भगवान के समान है, और उन्होंने जो भी कदम उठाया है, वह सही फैसला था। मुझे इससे कोई दिक्कत नहीं है। यह पार्टी नीतीश कुमार की थी और सारे फैसले वही लेते थे। अब पार्टी में बचा ही क्या है? इसमें किसका योगदान रहा है? पार्टी ने मुझे तो निकाल दिया, लेकिन उन लोगों ने क्या किया है? अब हम आगे क्या करेंगे?उन्होंने आगे कहा कि नीतीश कुमार अब वहां नहीं हैं। पार्टी उनकी थी, और अब जब वे चले गए हैं, तो पार्टी भी खत्म हो गई है। श्रव(ने) को कम से कम 10 सीटों पर मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। मुझे नहीं पता कि यह कदम उठाने का आदेश किसने दियाय शायद वे लोग जिम्मेदार हैं जिन्होंने पार्टी पर कब्जा कर लिया है। सिंह ने आगे कहा कि मैं अपनी खुद की पार्टी बनाऊंगा। मैं जहां हूं वहीं रहूंगाय मैंने कभी टिकट नहीं मांगा था। मुझे लगता है कि श्रव(ने) का कोई भविष्य नहीं है। चुनाव के दौरान यह साफ हो जाएगा।नीतीश कुमार पर अपना रुख दोहराते हुए, सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार के साथ मेरा कोई मतभेद या विवाद नहीं है। मैं उनसे फिर मिलूंगा। उन्होंने आगे कहा कि मैं किसी भी पार्टी में जाऊं, नीतीश जी की आलोचना कभी नहीं करूंगा।

महान मुख्यमंत्री ने 600 करोड़ रुपये...

कुमारस्वामी ने सीएम डीके शिवकुमार पर गंभीर आरोप लगाए



नई दिल्ली 26 अक्टूबर (एजेंसी)कर्नाटक का राजनीतिक माहौल तब गरमा गया, जब केंद्रीय मंत्री और जनता दल (सेक्युलर) के नेता एचडी कुमारस्वामी ने मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पर पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के परिवार को राजनीतिक रूप से खत्म करने के लिए 600 करोड़ रुपये की कथित श्सुपारीश (कॉन्ट्रैक्ट किलिंग) देने का आरोप लगाया। इन आरोपों ने पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से जुड़े एक कथित स्टिंग ऑपरेशन को लेकर चल रहे विवाद में एक नया मोड़ ला दिया है। कुमारस्वामी ने रविवार को आरोप लगाया कि देवेगौड़ा परिवार को निशाना बनाने वाली कई साजिशों के पीछे शिवकुमार का हाथ है। उन्होंने 600 करोड़ रुपये की कथित डील को इसी तरह की एक साजिश बताया, जिससे श्वे नेता और कर्नाटक कांग्रेस नेतृत्व के बीच जुबानी जंग और तेज हो गई है।कुमारस्वामी ने पत्रकारों से कहा मौजूदा मुख्यमंत्री ने ही हमारे परिवार को खत्म करने का आदेश दिया था। इस ब्ड ने हमारे परिवार को खत्म करने के लिए कई साजिशें रची हैं। इनमें से एक 600 करोड़ रुपये की सुपारी (साजिश) डील है। इन गंभीर आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। सार्वजनिक रूप से उपलब्ध किसी भी जांच रिपोर्ट में इस कथित डील के होने या इसमें शिवकुमार के शामिल होने की पुष्टि नहीं हुई है।

आखिर यह विवाद क्या है?

कुमारस्वामी के ये नए आरोप सिद्धारमैया से जुड़े एक कथित श्स्टिंग ऑपरेशनश को लेकर हुए विवाद से उपजे हैं। इस मामले में स्टिंग की रिकॉर्डिंग, उनके प्रसार और उनके संभावित राजनीतिक नतीजों को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं।

हिन्दी दैनिक

जन विचार प्रवाह

प्रदेश

जौनपुर,मंगलवार 27 अक्टूबर, 2026

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर निकाली प्रभात फेरी, भंडारे में उमड़े श्रद्धालु



उरई (जालौन)। महर्षि वाल्मीकि जयंती पर सोमवार को शहर में देवेंद्र वाल्मीकि उर्फ राजू पेंटर, प्रदेश सचिव उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग एवं महोबा प्रभारी के नेतृत्व में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान प्रभात फेरी निकालकर महर्षि वाल्मीकि के विचारों और आदर्शों का संदेश दिया गया। प्रभात फेरी में लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया।इसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में महर्षि वाल्मीकि के जीवन और समाज के प्रति उनके योगदान को याद किया गया। देवेंद्र वाल्मीकि ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि के विचार आज भी समाज को समानता, भाईचारे और सद्भाव की प्रेरणा देते हैं। सभी को उनके आदर्शों पर चलते हुए सामाजिक एकता को मजबूत करना चाहिए। इस मौके पर मंदिर के पुजारी, बबलू वाल्मीकि, संयोजक राजेश वाल्मीकि, दिनेश, विक्रम, रमेश, रवि, शशांक, सौरभ, संतोष, बादल, नकुल, सुभाष और कैलाश सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

विकास परियोजनाओं में देरी बर्दाश्त नहीं, 15 दिसंबर तक पूरे हों कार्य - डीएम

90 प्रतिशत से अधिक पूर्ण परियोजनाओं को प्राथमिकता, धीमी प्रगति वाले कार्यों की होगी नियमित समीक्षा



उरई (जालौन)एक करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली निर्माणाधीन विकास परियोजनाओं की जिलाधिकारी समीर ने कलैक्ट्रेट सभागार में समीक्षा करते हुए सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में तेजी लाकर निर्धारित समयसीमा में पूरा कराएं। उन्होंने कहा कि 90 प्रतिशत से अधिक पूर्ण परियोजनाओं को 15 दिसंबर 2026 तक हर हाल में पूरा कराकर संबंधित विभागों को हस्तांतरित किया जाए, ताकि भवनों एवं परिसंपत्तियों का उपयोग शुरू हो सके और आमजन को लाभ मिले।समीक्षा में डायट जालौन के निर्माण कार्यों की प्रगति 14 प्रतिशत, राजकीय हाईस्कूल खारका के उच्चीकरण कार्य की शून्य तथा मुख्यमंत्री अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालय की प्रगति 5.5 प्रतिशत पाए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कम प्रगति वाली परियोजनाओं के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार कर बाधाओं का तत्काल निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। जिलाधिकारी ने जल निगम नगरीय एवं ग्रामीण की परियोजनाओं में आ रही समस्याओं को दूर करने, मरोड़ा स्थित मुख्यमंत्री कम्पोजिट विद्यालय की गुणवत्ता जांच कराने तथा राज्य कर भवन, सद्भाव मंडप और मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय को शीघ्र हस्तांतरित करने के निर्देश दिए। पूर्ण परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास की कार्यवाही भी समय से पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी केवल प्रगति रिपोर्ट पर निर्भर न रहें, बल्कि निर्माण स्थलों का निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति और गुणवत्ता सुनिश्चित करें। भूमि, बजट अथवा तकनीकी स्वीकृति से जुड़ी बाधाओं का आपसी समन्वय से तत्काल समाधान किया जाए। विकास कार्यों में अनावश्यक देरी बर्दास्त नहीं होगी और प्रत्येक परियोजना की प्रगति की नियमित समीक्षा की जाएगी।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी एचएन प्रसाद, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग अमित सक्सेना सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बांदा में जनगणना-2027 के द्वितीय चरण का प्रशिक्षण शुरू

-घर-घर गणना के लिए 5000 कार्मिकों को मिल रहा विशेष प्रशिक्षण



बांदा।जनपद बांदा में भारत की जनगणना–2027 के द्वितीय चरण के तहत प्रगणकों और पर्यवेक्षकों का तीन दिवसीय चार्ज–स्तरीय प्रशिक्षण आज से विधिवत शुरू हो गया है। शासन के दिशा–निर्देशों के अनुरूप जिले के सभी 13 जनगणना चार्जों पर प्रशिक्षण का औपचारिक शुभारंभ किया गया, जिसमें कार्मिकों को क्षेत्र में त्रुटिरहित कार्य करने के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। स्व–गणना की सुविधा16 नवंबर से 30 नवंबर 2026 (कुल 15 दिन) तक आम नागरिक स्व–गणना पोर्टल के माध्यम से स्वयं अपने और अपने परिवार की गणना कर सकेंगे। 1 दिसंबर 2026 से 4 जनवरी 2027 तक (कुल 35 दिन) जनगणना कार्मिक निर्धारित मोबाइल ऐप के माध्यम से घर–घर जाकर डेटा संकलन करेंगे। 40 बिंदुओं पर होगी जानकारीरू फील्ड कार्य के दौरान प्रत्येक प्रगणक परिवार के सभी सदस्यों की कुल 40 बिंदुओं की जानकारी विस्तार से दर्ज करेगा। इस बार की जनगणना में जाति जनगणना का कार्य भी विशेष रूप से शामिल किया गया है।जनपद में5 तहसीलें 2 नगर पालिका परिषद और 6 नगर पंचायतें शामिल हैं जिनके अंतर्गत कुल 13 जनगणना चार्ज गठित किए गए हैं। जिलेभर में4000 से अधिक छोटे–छोटे गणना ब्लॉक बनाए गए हैं। इस द्वितीय चरण के कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए जनपद में लगभग 5,000 कार्मिक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, जिन्हें प्रशिक्षित करने के लिए 68 फील्ड ट्रेनर्स की ड्यूटी लगाई गई है।जिला प्रभारी जनगणना श्री शैलेश कुमार ने सभी प्रतिभागी प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को संबोधित करते हुए प्रशिक्षण की महत्ता पर प्रकाश डाला और उन्हेंअपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा व सटीकता के साथ निभाने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रशिक्षण के दौरान कार्मिकों ने फील्ड वर्क से जुड़ी व्यावहारिक समस्याओं और तकनीकी पहलुओं पर चर्चा कर अपने संदेहों का समाधान प्राप्त किया।

बुंदेलखंड में भाजपा को बड़ा सियासी झटका - पूर्व IRS शंभूदयाल अहिरवार ने छोड़ा कमल, क्या अब अखिलेश की साइकिल पर होंगे सवार?



उरई (जालौन) भाजपा के वरिष्ठ नेता, मृदुभाषी, प्रखर वक्ता और दलित राजनीति के बौद्धिक चेहरे माने जाने वाले पूर्व पै कमिश्नर शंभूदयाल अहिरवार ने भाजपा से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी को भेज दिया है और साथ ही बुंदेलखंड विकास बोर्ड सदस्य और भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य पद से भी नाता तोड़ लिया है। शंभूदयाल पै कमिश्नर जैसे पद से रिटायर होने के बाद भाजपा में आए। पार्टी ने उन्हें प्रदेश के 25 जिलों में अनुसूचित जाति छात्रावासों के सर्वे की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी थी। उनके अनुसार, इस सर्वे के आधार पर छात्रावासों की दशा सुधारने के लिए 21 करोड़ रुपये का बजट दिया ।जिसे वे अपनी सार्थक उपलब्धियों में गिनाते हैं। वे भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, अनुसूचित जाति मोर्चा के क्षेत्रीय कोषाध्यक्ष और बुंदेलखंड विकास बोर्ड के सदस्य रह चुके हैं।अहिरवार, दोहरे और जाटव समाज के बीच पहचान रखने वाले शंभूदयाल को सर्वसमाज में अपने व्यवहार, संवाद और बौद्धिक क्षमता के आधार पर प्रभाव बनाने वाला चेहरा माना जाता है। ऐसे अनुभवी और बौद्धिक चेहरे का कमल का साथ छोड़ना भाजपा के लिए महज संगठनात्मक नुकसान नहीं, बल्कि सामाजिक प्रतिनिधित्व और वैचारिक संवाद के सवालों को भी सामने लाता है।भाजपा जिलाध्यक्ष उर्विजा दीक्षित ने फोन पर बार्ता के दौरान बताया कि उन्हें शंभू दयाल जी भाई साहब के इस्तीफे की जानकारी नहीं है। इससे साफ है कि इस्तीफा जिला संगठन को बायपास कर सीधे लखनऊ भेजा गया। 2012 में महान दल के टिकट पर उरई विधानसभा सीट से चुनाव लड़े जीत नहीं मिली।उनकी पत्नी भी 2002 के विधानसभा कोंच क्षेत्र से समाजवादी पार्टी से चुनाव लड़ चुकी हैं लेकिन जीत नहीं मिली।पूरा परिवार सियासी जमीन रखता है।भाजपा में आकर संगठन में बड़ी जिम्मेदारी निभाई। शंभूदयाल ने इसे व्यक्तिगत निर्णय बताया है, वजह स्पष्ट नहीं किया।सूत्रों और सियासी हलकों में चर्चा है कि भाजपा में बौद्धिक चेहरों की अनदेखी, निर्णय प्रक्रिया में सम्मानजनक भागीदारी न मिलना, वैचारिक घुटन। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।स्पष्ट आवाज की खबर का सबसे बड़ा सवालषक्या अब अखिलेश की साइकिल पर होंगे सवार?अटकलें तेज हैं कि शंभूदयाल समाजवादी पार्टी (सपा) में शामिल होकर उरई–जालौन की आरक्षित सीट पर टिकट की दावेदारी पेश करेंगे। यदि ऐसा हुआ तो मुकाबला केवल उम्मीदवारों का नहीं, बल्कि सामाजिक समीकरणों, राजनीतिक विश्वसनीयता और संगठनात्मक ताकत का भी होगा।फिलहाल सपा में जाने की पुष्टि नहीं है, न टिकट का कोई आधिकारिक संकेत, लेकिन अटकलों ने राजनीतिक तापमान जरूर बढ़ा दिया है।भाजपा के मिशन 2027 को बड़ा झटका लग सकता है।शंभूदयाल का जनपद में कर्मचारी, व्यापारी, युवा और विशेषकर अहिरवार, दोहरे, जाटव और दलित समाज में बड़ा जनाधार है।शिक्षित और अधिकारी वर्ग के सबसे बड़े चेहरे जाने से भाजपा का बौद्धिक वोट बैंक खिसक सकता है। यह सवाल फिर खड़ा हो गया है कि क्या भाजपा में बौद्धिक, अनुभवी चेहरों की कद्र नहीं हो रही।कमल छूट चुका है, अब अगला कदम किस ओर होगा, इसी पर सबकी निगाहें हैं।पूर्व पै कमिश्नर शंभूदयाल का भाजपा से नाता तोड़ना जालौन ही नहीं, पूरे बुंदेलखंड की राजनीति में एक नए सियासी अध्याय की पटकथा लिख सकता है। क्या यह केवल भाजपा से दूरी बनाने तक सीमित रहता है या बुंदेलखंड में एक नए सियासी समीकरण की शुरुआत है, यह उनकी प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद ही साफ होगा।

महर्षि कन्या इंटर कालेज बबेरू में धूमधाम से मनाई गई महर्षि वाल्मीकि जयंती



बबेरू / बांदा।कस्बे के महर्षि कन्या इंटर कॉलेज में महर्षि वाल्मीकि जयंती के पावन अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यालय परिवार और छात्राओं ने महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके जीवन, संघर्षों और महान विचारों का स्मरण किया।कार्यक्रम की मुख्य वक्ता और विद्यालय की प्रधानाचार्या सीमा श्रीवास्तव ने छात्राओं को संबोधित करते हुए महर्षि वाल्मीकि के जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि महर्षि वाल्मीकि का प्रारंभिक जीवन अनेक कठिनाइयों और संघर्षों से परिपूर्ण था, लेकिन उन्होंने अपने उच्च ज्ञान, कठोर तपस्या और अटूट दृढ़ संकल्प के बल पर समाज में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। उन्होंने छात्राओं को महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों को अपने दैनिक जीवन में उतारने और उनके दिखाए मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न वक्ताओं ने छात्राओं को उनके महान योगदान, शिक्षाओं और रामायण रचयिता के रूप में उनके ऐतिहासिक महत्व से परिचित कराया। कार्यक्रम का सफल संचालन विवेक गुप्ता द्वारा किया गया।इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक प्रताप सिंह सचान सहित रामजीत साहू, पूनम रस्तोगी, माया गुप्ता, प्रमिला शर्मा, वन्दना सिंह, उमेश कुमार आदि शिक्षक–शिक्षिकाएं और बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं। सभी ने महर्षि वाल्मीकि के विचारों को जन–जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया।

मतदाताओं वाले पोलिंग बूथों के पुनर्गठन को लेकर बैठक संपन्न



बांदा।उत्तर प्रदेश विधानसभा सामान्य निर्वाचन की पूर्व तैयारियों के तहत बांदा कलेक्ट्रेट सभागार में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी व जिला निर्वाचन अधिकारी अमित आसेरी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत 1200 से अधिक मतदाताओं वाले मतदेय स्थलों के सम्भाजन की समीक्षा करना था।सम्भाजन को लेकर जिलाधिकारी के प्रमुख निर्देशभारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश के निर्देशों का हवाला देते हुए जिलाधिकारी ने स्पष्ट दिशा–निर्देश जारी किए है कि एक ही पोलिंग स्टेशन लोकेशन पर मतदाताओं की संख्या को संतुलित किया जाए। यह सुनिश्चित हो कि कोई भी परिवार अलग–अलग बूथों पर न बंटे और सभी सदस्य एक ही अनुभाग में मतदान कर सकें।विधानसभा क्षेत्रवार सभी मतदेय स्थलों को एक नया रनिंग सीरियल नंबर दिया जाएगा। इस बार नई सूची मेंकोई भी ऑब्जिलरी मतदेय स्थल नहीं रखा जाएगा।मानक से कम मतदाता वाले बूथों का समायोजनरू जिन स्थलों पर मतदाता संख्या मानक से काफी कम है ,उनका तार्किक विश्लेषण कर नजदीकी बूथों में समायोजन किया जाएगा।भवन परिवर्तन व दूरी की सीमारू जर्जर, अत्यधिक पुराने या निजी भवनों ,दुकान, विवाह घर, या राजनीतिक व्यक्तियों के स्वामित्व वाले स्थान) मेंस्थित बूथों को निकटतम सरकारी भवनों में स्थानांतरित किया जाएगा। साथ ही यह ध्यान रखा जाएगा कि मतदाता को 2 किलोमीटर से अधिक दूरी तय न करनी पड़े।स्थिरतारू 2027 के चुनाव को ध्यान में रखते हुए सम्भाजन के बाद अंतिम समय में बूथों के स्थान में परिवर्तन न हो, इसे हर हाल में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

निर्वाचन आँकड़े एवं प्रस्तावित बदलावबैठक में प्रस्तुत विवरण के अनुसार, जनपद बांदा में 4 विधानसभा क्षेत्र हैं जिनमें कुल 12,33,794 मतदाता पंजीकृत हैं।कुल पुरुष मतदाता में 6,83,754कुल महिला मतदाता में 5,50,005अन्य मतदाता में 35कुल मतदान केंद्र में 829 कुल मतदेय स्थल 1537विधानसभा विधानसभा क्षेत्रमतदान केंद्रमतदेय स्थल1200 से अधिक मतदाता वाले बूथसमायोजित। आपत्तियां जिलाधिकारी ने बताया कि राजनीतिक दलों से प्राप्त सभी सुझावोंऔर आपत्तियों का निस्तारण करने के पश्चात 27 अक्टूबर 2026 को अंतिम प्रस्ताव मुख्य निर्वाचन अधिकारी, लखनऊ के माध्यम से भारत निर्वाचन आयोग को अनुमोदन हेतु प्रेषित कर दिया जाएगा। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से अपील की कि यदि आलेख्य सूची–2026 पर कोई आपत्ति या सुझाव हो तो वे आज दिनांक 26 अक्टूबर 2026 को ही जिला निर्वाचन कार्यालय में लिखित रूप से जमा कर दें।बैठक में अपर जिलाधिकारी न्यायिक माया शंकर यादव, उप जिला निर्वाचन अधिकारी, सभी उप जिलाधिकारी एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के अधिकृत प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

निःशुल्क नेत्र शिविर में 235 मरीजों की आंखों की जांच

अमेठी। जिले के संग्रामपुर विकासखंड के गोरखापुर न्याय पंचायत अंतर्गत इटौरी पंचायत भवन में सती महारानी जनकल्याण समिति और अमेठी आई हॉस्पिटल की ओर से विशाल निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 235 मरीजों की आंखों की जांच की गई। जरूरतमंदों को चश्मे वितरित किए गए, जबकि मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों को ऑपरेशन के लिए भेजा गया। शिविर में ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों की आंखों की जांच के साथ स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ब्लड प्रेशर और शुगर की भी जांच की। कार्यक्रम में समिति की अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक महारानी गरिमा सिंह की पुत्रवधू शांभवी सिंह ने मरीजों का हालचाल जाना और उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने अमेठी के लोगों के साथ अपने आत्मीय रिश्ते साझा करते हुए जनसेवा के इस अभियान को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर जनसमस्या समाधान गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। इसमें ग्रामीणों की आवास, पेंशन, बिजली, राशन कार्ड और आयुष्मान कार्ड से जुड़ी समस्याओं को सुना गया तथा उनके समाधान के प्रयास किए गए। कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेश शुक्ला, ग्राम प्रधान बृजेश यादव, प्रधान प्रतिनिधि अजीत सिंह, चंकी पांडेय, मंडल उपाध्यक्ष राम पांडेय, भाजपा सेक्टर संयोजक विवेकानंद पांडेय, प्रमोद शुक्ल, कल्लू यादव, कमलेश शुक्ल, बृजलाल पाल, रामराज पाल, पारस यादव और धर्मराज पांडेय सहित क्षेत्र के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। उपस्थित लोगों ने इस जनकल्याणकारी पहल की सराहना की। समिति की ओर से बताया गया कि भविष्य में क्षेत्र की अन्य न्याय पंचायतों में भी ऐसे शिविर आयोजित किए जाएंगे, ताकि ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल सके।

जल शक्तिराज्य मंत्री के धरने पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने खड़े किए सवाल

-करीबियों पर कार्रवाई हुई तो याद आई कानून-व्यवस्था ' जल शक्तिमंत्री के धरने पर कांग्रेस का तीखा हमला



बांदा।जल शक्ति राज्य मंत्री रामकेश निषाद द्वारा कोतवाली के सामने दिए गए धरने को लेकर बांदा का राजनीतिक पारा चढ़ गया है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित ने मंत्री के इस कदम पर तीखा हमला बोलते हुए इसे राजनीतिक नौटंकी करार दिया है। उन्होंने सवाल उठाया कि जनता की बुनियादी समस्याओं पर हमेशा खामोश रहने वाले मंत्री को अपने करीबियों पर कार्रवाई होने पर ही कानून–व्यवस्था की याद क्यों आती है?

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मंत्री रामकेश निषाद की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि जिले में स्वास्थ्य सेवाएं, बदहाल सड़कें और पेयजल संकट जैसी गंभीर समस्याएं लंबे समय से बनी हुई हैं, लेकिन मंत्री ने कभी इन मुद्दों पर ऐसा आक्रामक रुख नहीं अपनाया।

मंडलीय चिकित्सालय और स्वास्थ्य सेवाएंरू बांदा में बनकर तैयार मंडलीय चिकित्सालय को चालू कराने या मेडिकल कॉलेज की बदहाल व्यवस्थाओं को सुधारने के लिए मंत्री ने कभी धरना–प्रदर्शन नहीं किया। जिले की कई सड़कें जर्जर हालत में हैं और लोग पानी की किल्लत से जूझ रहे हैं, परंतु जनहित के इन मुद्दों पर मंत्री की तरफ से कोई सक्रियता नहीं दिखाई दी। अवैध बालू खनन और परिवहन के मामलों पर भी मंत्री की ओर से कभी कड़ा रुख या विरोध प्रदर्शन देखने को नहीं मिला।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि मंत्री के करीबी लोगों से जुड़े मामले के कारण ही यह सारा विवाद खड़ा हुआ। उन्होंने दावा किया कि मंत्री से जुड़े कुछ ट्रैक्टरों को चौकी प्रभारी द्वारा पकड़े जाने और सीज किए जाने से विवाद उपजा।राजेश दीक्षित के अनुसार, अवैध बालू परिवहन के संरक्षण और ट्रैक्टर रोके जाने से नाराज होकर मंत्री ने रिक्शा चालक से जुड़े विवाद को आधार बनाया और चौकी प्रभारी को हटाने तथा कार्रवाई की मांग को लेकर कोतवाली के सामने धरने पर बैठ गए। प्रदेश की कानून–व्यवस्था पर तंज कसते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा कि जब एक राज्य मंत्री और पुलिस के बीच इस तरह का टकराव सामने आ रहा है, तो इससे साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि आम आदमी की सुनवाई किस स्तर पर हो रही होगी। उन्होंने अंत में कहा कि मंत्री को अपने निजी या करीबियों से जुड़े मामलों के बजाय आम जनता की मूलभूत समस्याओं के समाधान के लिए सड़कों पर उतरना चाहिए।कांग्रेस जिलाध्यक्ष के इस तीखे बयान के बाद बांदा के राजनीतिक गलियारों में आरोप–प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है।

यूरिया किल्लत के खिलाफ सड़कों पर उतरेगी भाकियू

30 अक्टूबर को कलेक्ट्रेट पर बड़ा प्रदर्शन



बांदा।रबी फसलों सरसों, आलू और लहसुन की बुवाई के एन वक्त पर खाद और उर्वरकों की भारी किल्लत से जूझ रहे अन्नदाताओं के हक में भारतीय किसान यूनियन ने आर–पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन ठाकुर के पूर्व निर्देशों के क्रम में, आगामी 30 अक्टूबर 2026 को प्रदेश भर में जिला मुख्यालयों पर विशाल विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदर्शन के संबंध में भारतीय किसान यूनियन (किसान) के प्रदेश महासचिव अनूप सिंह ने संगठन के सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को दिशा–निर्देश जारी कर दिए हैं।सहकारी समितियों पर भ्रष्टाचार और नाकारापेन का आरोप ,संगठन की ओर से जारी बयान में प्रदेश महासचिव अनूप सिंह ने आरोप लगाया कि वर्तमान में किसानों को खेतों में बुवाई हेतु पर्याप्त मात्रा में डीएपी और यूरिया नहीं मिल पा रही है।

साधन सहकारी समितियां भ्रष्टाचार में पूरी तरह आकंठ डूबी हुई हैं और किसानों की समस्याओं को सुलझाने में पूरी तरह नाकारा साबित हो रही हैं।समय पर खाद न मिलने के कारण सरसों, लहसुन, आलू और आगामी रबी फसलों की बुवाई बुरी तरह प्रभावित हो रही है, जिससे किसानों पर आर्थिक संकट मंडरा रहा है। खाद संकट के तात्कालिक समाधान की मांग को लेकर संगठन ने सभी पदाधिकारियों से अधिक से अधिक संख्या में किसानों को एकजुट करने का आह्वान किया है। कलेक्ट्रेट पर विशाल प्रदर्शन के उपरांत जिलाधिकारी के माध्यम से शासन को ज्ञापन सौंपा जाएगा।प्रदेश महासचिव ने ष्जय जवान, जय किसानष् का नारा बुलंद करते हुए सभी जिला और ब्लॉक स्तरीय पदाधिकारियों से अपील की है कि वे गांव–गांव जाकर अन्नदाताओं से संपर्क करें और 30 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे जिला मुख्यालय पहुंचकर अपनी आवाज बुलंद करें।

अमरान बैटरी शोरूम में लगी भीषण आग

-दमकल और पुलिस की मुस्तैदी से बड़ा हादसा टला

बांदा।थाना कोतवाली देहात क्षेत्रान्तर्गत महोखर बाइपास पर सोमवार को अमरॉन बैटरी के एक अधिकृत डीलर की दुकान में अचानक भीषण आग लग गई। घटना का मुख्य कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। हालांकि, पुलिस और फायर ब्रिगेड की त्वरित कार्रवाई से समय रहते आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा होने से टल गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार, महोखर बाइपास स्थित अमरॉन बैटरी की दुकान में शॉर्ट सर्किट के कारण अचानक चिंगारी उठी और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। दुकान से धुआं और लपटें उठती देख आसपास के इलाके में अफरा–तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस और अग्निशमन विभाग को दी गई।फायर सर्विस, थाना कोतवाली नगर तथा थाना कोतवाली देहात पुलिस की संयुक्त टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस और दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद समय रहते आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया।

राहत की बात यह रही कि इस अग्निकांड में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। आग को समय रहते आसपास की दुकानों में फैलने से रोक लिया गया। फिलहाल मौके पर पूर्ण रूप से शांति व्यवस्था कायम है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है।

काशी में आ रहे अखिलेश यादव, दौरे की तैयारियों को सपा प्रतिनिधिमंडल दे रहा अंतिम रूप

वाराणसी,। आराजी लाइन विकास खंड के सजोई गांव में आगामी 31 अक्टूबर को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के संभावित कार्यक्रम को लेकर सोमवार दोपहर करीब 12 बजे सपा के प्रतिनिधिमंडल ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेते हुए हेलीपैड,पार्किंग स्थल और जनसभा स्थल सहित अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। प्रतिनिधिमंडल में चंदौली के सांसद वीरेंद्र सिंह,सपा जिलाध्यक्ष सुजीत यादव उर्फ लक्कड़ पहलवान, पूर्व मंत्री सुरेंद्र पटेल तथा पूर्व मंत्री मनोज राय धूपचंडी प्रमुख रूप से शामिल रहे। सदस्यों ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। पूर्व मुख्यमंत्री के संभावित आगमन को देखते हुए कार्यक्रम स्थल पर तैयारियों को लेकर चर्चा भी की गई। इस मौके पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य योगेश सिंह, विधानसभा अध्यक्ष गोपाल, ग्राम प्रधान राजेश पटेल, निरंजन राजभर सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महर्षि वाल्मीकि का प्रकटोत्सव धूमधाम से मनाया गया

महर्षि वाल्मीकि ने संस्कृत भाषा में रामायण जैसे महाग्रंथ की रचना की- माया वाल्मीकि



हमीरपुर स कस्बा कुरारा स्थित महर्षि बाल्मीकि उपवन में महर्षि बाल्मीकि प्रकट उत्सव एवं जयंती कार्यक्रम बड़ी धूम धाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । नगर पंचायत कुरारा की पूर्व चेयरमैन एवं सदस्य प्रदेश कार्यकारिणी समाजवादी पार्टी माया बाल्मीकि एवं अन्य बाल्मीकि समाज के लोगों ने महर्षि बाल्मीकि की प्रतिमा में माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। जयंती के अवसर पर महर्षि बाल्मीकि पर आध ाारित भजन कीर्तन का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।इस अवसर पर माया बाल्मीकि पूर्व चेयरमैन ने कहा कि महर्षि बाल्मीकि के आदर्शो पर चल कर उन्हें अपना आदर्श मानते हुए प्रेरणा लेनी चाहिए कि जिस प्रकार महर्षि बाल्मीकि ने अच्छे लोगों की संगत से बुरे कार्यों को छोड़ कर ज्ञान प्राप्त करते हुए इतने बड़े विद्वान हो गए कि उन्होंने संस्कृ त भाषा में रामायण जैसे महाग्रंथ की रचना कर डाली ठीक इसी प्रकार समाज के लोग गलत कार्यों को त्यागकर अच्छे कार्य करते हुए अपने बच्चों को शिक्षित बनाए तभी समाज का उत्थान हो सकेगा ।घनश्याम बाल्मीकि ने कहा कि जिस प्रकार कठोर तपस्या से महर्षि बाल्मीकि ने ज्ञान प्राप्त कर प्रथम कवि की उपाधि ा प्राप्त करते हुए प्रथम महाकाव्य रामायण की रचना की है ठीक उसी प्रकार समाज के लोगों को अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाकर एक अच्छे मुकाम को हासिल कर समाज का नाम रोशन करना चाहिए ।जयंती के अवसर पर,,सोनू बाल्मीकि शेखुपुर,रंजीत कठेरिया,रामसजीवन बाल्मीकि,सुनील बाल्मीकि,रामदेवी बाल्मीकि मनोज बाल्मीकि,अजय बाल्मीकि,शेखर , लालाराम , सचिन बाल्मीकि,रामविलास बाल्मीकि,राजीव कुमार,रामौतार,हरिओम तिवारी काफी संख्या में बाल्मीकि तथा अन्य समाज के लोग उपस्थित रहे।

वाल्मीकि जयंती एवं अखिल भारतीय साहित्य परिषद न्यास के 61वें स्थापना दिवस पर हुआ कवि गोष्ठी का आयोजन



सुमेरपुर, हमीरपुर स शरद पूर्णिमा एवं आदि कवि बाल्मीकि जयंती और अखिल भारतीय साहित्य परिषद न्यास के 61वें स्थापना दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय साहित्य परिषद जिला इकाई हमीरपुर के तत्वावधान में उदयराज गार्डन सुमेरपुर में प्राक लोकमंथन विषय पर रामायण में लोकाचार पर वैचारिक एवं कवि गोष्ठी सम्पन्न हुई। कवि हरीराम गुप्त निरपेक्ष के संयोजन में, संस्था के अध यक्ष लखनलाल जोशी ललित ने गोष्ठी की अध्यक्षता की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्था के प्रदेश मंत्री डॉ महेश पाण्डेय बजरंग एवं विशिष्ट अतिथि ध ीरेन्द्र शिवहरे धीरू अध्यक्ष नगर पंचायत रहे। कार्यक्रम में कवि रेवती कुमार पाठक द्वारा रचित कृति ष्शौर्य–सुलेखाष काव्य संग्रह का विमोचन संपन्न हुआ। संचालन कैलाश सोनी ने किया। हरीराम गुप्त निरपेक्ष की वाणी वंदना हे मां! बुद्धि विमल कर दे...!। राजेन्द्र प्रेमी ने पढ़ा तुम्हारे आने का अहसास, काश तुम होते मेरे पास। नितिन गुप्ता ने पढ़ा बुंदेली भाषा इत्ती प्यारी भूल गए। बाल किशुन जोशी चंचल ने पढ़ा मिला है जो अपनों से तजुर्बा हो ही जाता है। हरीप्रकाश कुशवाहा कौशल ने पढ़ा हद से ज्यादा रुलाना नहीं चाहिए, दिल किसी का दुखाना नहीं चाहिए। शोएब मौदवी ने पढ़ा नहीं हूं कोई भी हस्ती बड़ा ही आम हूं मैं, तुझे पाने कि खातिर आज तक नाकाम हूं मैं। गजेंद्र नारायण दीक्षित मोक्ष ने पढ़ा महा ऋषि वाल्मीकि जी, करता प्रथम प्रणाम, आदि कवी बन आपने, किया विश्व में नाम। वीरेन्द्र कुमार पाल शजर ने पढ़ा सियासत में सयानापन दिखाई अब नहीं देता, जमाने में वो सादापन दिखाई अब नहीं देता। जगदीश चन्द्र जोशी ने पढ़ा रामायण भारत क्या, विश्व में मशहूर है, यह भारतीय संस्कृति का, सबसे अमूल्य नूर है। कमलेश सिंह गौर ने पढ़ा करके अर्पण मैं साँसों का उपवन तुम्हें, आके बैठा हूं तेरे हृदय द्वार में। गणेश सिंह विद्यार्थी ने पढ़ा मौन साध ाना की गोदी में जिसने दिव्य प्रकाश जगाया, एक क्रौंच के क्रंदन ने, जिनका करुणा हृदय रुलाया। मुख से फूट पड़ी जो व्याकुल, छंदोबद्ध अमिट वो वाणी, आदि कवि कहलाए जग में, रच दी अनुपम राम कहानी।। कैलाश सोनी ने पढ़ा नमन करूं बार बार, ऋषि वाल्मीकि को, आदि कवि बिन, राम कथा रच गए। गीता ओमर ने पढ़ा कर अपनी हार स्वीकार दशानन, शिव की शरण में जाता है। अहंकार त्याग वहीं पर, भक्ति वरण कर जाता है। कमल किशोर कमल ने पढ़ा रामायण की नीतियां लाती हरित बहार। संस्कार उपहार दे, बदले लोकाचार। आचार्य देवनारायण सोनी ने पढ़ा किसी बीमार बेजान को रक्त दीजिए। जो करे तुम्हारा इंतजार उसे वक्त दीजिए। उमेश कुमार सोनी ने पढ़ा अरे जमाना जोर लगा ले जितना जोर लगाना है। चित्रकूट से पधारे नारायण तिवारी ने पढ़ा जिनको गुनगुना सकूं सदा वह गीत देना मां। पंक्ति पंक्ति में कि भाव तुम पुनीत देना मां। महोबा से पधारे सन्तोष कुमार पटेरिया ने पढ़ा यादों के शहर में ही भटक गया हूं। शीशा हूँ बदनुमाओं से चटक गया हूं। संस्था के अध्यक्ष लखनलाल जोशी ललित ने पढ़ा झूठ छल छद्म के न कोई करम कीजिए। प्रेम सद्भाव का पथ ग्रहण कीजिए।। वरिष्ठ कवि नारायण प्रसाद रसिक ने पढ़ा देश की रक्षा में नारी की सुरक्षा में काम आ जाए बस वही एक जिन्दगी। प्रेमपाल द्विवेदी दम पढ़ा मेरे देश के राजदुलारे कल के सूरज चंदा तारे। जागो जागो आँखें खोलो, सारा हिंदुस्तान पुकारे। खेती कुमार पाठक शेखर मौदहा ने पढ़ा उछल रहे हैं शेखर हिंदी, ऋषि वाल्मीकि जयंती में। साहित्य परिषद गठन आज ही, झूमी हिंदी मस्ती में। खतम करो अब गीत मिलन के, विरह वेदना के, इस समाज के बहुत प्रश्न उत्तर को रोते हैं। डॉ ज्ञानेंद्र द्विवेदी ने पढ़ा यकीन की दीवारों पर नाम श्री राम लिखेंगे। तू माने या न माने उसी का गुणगान लिखेंगे। हरिकिशन सेन ने पढ़ा वाल्मीक सीता जी को राम से मिलाने आए, मिला दिया चले गए स्वयं सुखधाम जो। कवि राजीव कुमार निगम सहित अनेक कवियों ने प्रभावी काव्य पाठ किया।

डीएम ने पत्योरा खदान खंड 31/8 का किया औचक निरीक्षण

अवैध खनन एवं ओवरलोडिंग पर सख्त कार्रवाई के निर्देश



हमीरपुर स जनपद में अवैध खनन, ओवरलोडिंग तथा खनिजों के अवैध परिवहन पर प्रभावी रोक लगाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अशोक कुमार ने तहसील हमीरपुर के पत्योरा गांव स्थित खदान खंड संख्या 31ध8 का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राकेश कुमार, खान अधि ाकारी विकास सिंह परमार तथा खान निरीक्षक उमाकांत उपस्थित रहे। इस दौरान खदान क्षेत्र में खनन एवं परिवहन संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान खदान क्षेत्र में वाहनों की आवाजाही पर प्रभावी निगरानी रखने तथा वैकल्पिक रास्तों से संभावित अवैध परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए सीसीटीवी कैमरे स्थापित कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही, वाहनों के वजन की जांच के लिए स्थापित धर्मकांटे का बांट–माप विभाग से अनिवार्य सत्यापन एवं प्रमाणन कराने को कहा गया।जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि खदानों से बिना वैध रॉयल्टी एवं आवश्यक ई–फॉर्म,एम–फॉर्म के खनिजों का परिवहन, ओवरलोडिंग तथा अवैध खनन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर पट्टाधारक सहित संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

23 वाहनों के चालान, घ12.63 लाख की शास्ति आरोपित

जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में 22 से 26 अक्टूबर, 2026 के मध य भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय तथा जनपद के खनन विभाग की संयुक्त टीमों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में सघन जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान अवैध खनिज परिवहन एवं ओवरलोडिंग में संलिप्त पाए गए 23 वाहनों का ऑनलाइन चालान करते हुए कुल घ12.63 लाख की शास्ति आरोपित की गई। इनमें से 14 वाहनों के माध्यम से घ7.80 लाख की धनराशि शास्ति के रूप में राजकीय कोष में जमा कराई जा चुकी है।

पांच विशेष टीमों के माध्यम से दिन–रात निगरानी

जनपद में अवैध खनन एवं परिवहन की रोकथाम के लिए जनपद स्तर पर चार विशेष टीमें गठित की गई हैं, जबकि एक अतिरिक्त टीम भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय स्तर से गठित की गई है। अपर जिलाधि ाकारी (वित्त एवं राजस्व) की अध यक्षता में खनन विभाग की टीमों द्वारा दिन एवं रात्रि में लगातार जांच एवं चेकिंग की जा रही है, जिससे अवैध ा गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि जनपद में खनन संबंधी नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रहेगा। अवैध खनन, ओवरलोडिंग तथा बिना वैध प्रपत्रों के खनिज परिवहन में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

वोट चोरी कर मुख्य चुनाव आयुक्तऔर भाजपा ने देश के लोकतंत्र को किया कमजोर सीताराम लांबा पूर्व मन्त्री



जौनपुर। देश फासिस्टवादी और अवसरवादी ताकतो के चंगुल में फंस चुका है, सत्ता धारी दल और चुनाव आयोग की मिली भगत ने भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर कर दिया है। उक्त बातें वोट बचाओ देश बचाओ जन आंदोलन कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय प्रभारी एवं राजस्थान सरकार के पूर्व मंत्री सीताराम लांबा ने सोमवार को नगर के एक हॉल में प्रेस प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय पर्यवेक्षक सीताराम लांबा ने भाजपा सरकार को वोट चोरी कर बनी हुई सरकार घोषित करते हुए कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने पद का दुरपयोग करते हुए देश के करोड़ों मतदाताओं का नाम वोटर लिस्ट से काटकर भारत के संविधान और मतदाताओं के अधि ाकारों का हनन किया है। सीताराम लांबा ने आगे कहा कि नेता प्रतिपक्ष जननायक राहुल गांधी ने कई बार प्रेस कांफ्रेंस कर वोट चोरी के प्रमाण सौंपे किंतु चुनाव आयोग ने आंखों पर पट्टी बांध रखी है। सीताराम लांबा ने वोट चोरी के खिलाफ देश में लगातार हो रहे जन आंदोलनो पर चर्चा करते हुए कहा कि देश की जनता जाग चुकी है, सरकार और चुनाव आयोग की चोरी को लोगों ने भांप लिया है, उन्होंने आगे कहा कि भाजपा और संघ भारत के संविधान तथा लोकतंत्र को खत्म कर देना चाहती है। इसलिए कांग्रेस पार्टी राहुल गांधी के नेतृत्व मे कांग्रेस ने वोट बचाओ देश बचाओ जन आंदोलन अभियान को व्यापक स्तर पर चलायेगी, ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और उन्हें जेल भेजने की मांग करते हुए कहा कि लोकतंत्र, संविधान और मतदाताओं को मिले अधिकारों की रक्षा हेतु कांग्रेस लगातार संघर्ष कर रही है। इस मौके पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पर्यवेक्षक माबूद खान,जिला कांग्रेस कमेटी जौनपुर के अध्यक्ष डा.प्रमोद कुमार सिंह एवं शहर अध्यक्ष आरिफ खान ने भी संबोधि ात किया। इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव सत्यवीर सिंह, प्रदेश सचिव पंकज सोनकर, पूर्व जिलाध्यक्ष फैसल हसन तबरेज सहित पार्टी के पदाधि ाकारी व सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। संचालन जिला उपाध्यक्ष एवं संगठन प्रभारी राकेश मिश्रा ने किया।

आगरा शिक्षक एमएलसी री-पोल में बवाल, सैंया बूथ पर भाजपा-सपा समर्थक भिड़े, पुलिस ने संभाला मोर्चा



आगरा,26 अक्टूबर 2026 (यूएनएस)। आगरा खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के तीन बूथों पर सोमवार को हो रहे पुनर्मतदान के दौरान सियासी घमासान देखने को मिला। सैंया मतदान केंद्र पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और समाजवादी पार्टी (सपा) के समर्थक आमने–सामने आ गए। दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिसके बाद मौके पर मौजूद पुलिस ने हस्तक्षेप कर स्थिति को नियंत्रित किया। घटना के बाद मतदान केंद्र पर सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई। इस बीच सपा ने भाजपा पर बूथ कैप्चरिंग और शिक्षकों को धमकाने का आरोप लगाया, जबकि भाजपा ने इन आरोपों को खारिज करते हुए पलटवार किया। फतेहाबाद, सैंया और खेरागढ़ के एक–एक बूथ पर सुबह आठ बजे से पुनर्मतदान शुरू हुआ। इन तीनों बूथों पर कुल 2,346 मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। मतदान शाम चार बजे तक निध ारित है। निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए पुलिस बल के साथ जोनल और सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष बंसल समेत वरिष्ठ अधिकारी मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं पर नजर रख रहे हैं। सैंया बूथ पर भाजपा और सपा समर्थकों के बीच उस समय तनाव बढ़ गया, जब भाजपा समर्थकों ने जय श्रीराम के नारे लगाने शुरू कर दिए। दोनों पक्षों के आमने–सामने आने के बाद पुलिस ने हस्तक्षेप किया और समर्थकों को अलग–अलग किया। मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया। पुलिस मतदान केंद्र के आसपास निगरानी रख रही है और मतदाताओं को जांच के बाद ही प्रवेश दिया जा रहा है। सपा सांसद रामजीलाल सुमन ने पुनर्मतदान के दौरान भाजपा पर बूथ कैप्चरिंग और दबंगई का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा समर्थकों की ओर से मतदान प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। दूसरी ओर, उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ध ार्मवीर प्रजापति ने सपा के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि बूथ कैप्चरिंग सपा करती है, भाजपा नहीं। उन्होंने अपनी पार्टी की जीत का दावा भी किया। सपा प्रत्याशी डॉ. आकाश अग्रवाल ने कहा कि आगरा के तीन बूथों पर पुनर्मतदान का आदेश उनकी शिकायतों की पुष्टि करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि औरैया जिले के तीन बूथों पर भी बड़े पैमाने पर बूथ कैप्चरिंग हुई थी, लेकिन वहां दोबारा मतदान नहीं कराया गया। उन्होंने चुनाव आयोग से सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कार्रवाई करने की मांग करते हुए कहा कि आयोग को खुद साक्ष्यों की जांच करनी चाहिए, न कि उनसे बार–बार साक्ष्य मांगने चाहिए। आकाश अग्रवाल ने यह भी आरोप लगाया कि पुनर्मतदान के दौरान शिक्षकों पर दबाव बनाया जा रहा है और मतदान की गति धीमी रखी जा रही है। उनके मुताबिक, शिक्षकों को कथित तौर पर यह कहकर मतदान से दूर रहने के लिए कहा जा रहा है कि यदि वे उन्हें वोट देना चाहते हैं तो मतदान करने न जाएं। उन्होंने स्थानीय विधायकों पर भी दबाव बनाने का आरोप लगाया। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। डीसीपी पश्चिमी जोन आदित्य कुमार ने बताया कि चुनाव आयोग के दिशा–निर्देशों के अनुरूप सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं। मतदान केंद्रों पर पुलिस बल के अलावा क्विक रिस्पांस टीम (क्यूआरटी) और पीएसी की तैनाती की गई है। केंद्रों के आसपास बैरियर लगाए गए हैं और पुलिसकर्मी पैदल गश्त कर रहे हैं। केवल अधिकृत लोगों को ही मतदान केंद्र तक जाने की अनुमति दी जा रही है। गौरतलब है कि 23 अक्टूबर को आगरा खंड शिक्षक और खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए 12 जिलों में मतदान हुआ था। आगरा के फतेहाबाद क्षेत्र पंचायत कार्यालय स्थित बूथ संख्या 26 के कक्ष संख्या एक, खेरागढ़ तहसील परिसर स्थित बूथ संख्या 20 के कक्ष संख्या एक और सैंया क्षेत्र पंचायत कार्यालय स्थित बूथ संख्या 21 के कक्ष संख्या एक पर मतपत्रों से छेड़छाड़ की शिकायत सामने आई थी। सपा प्रत्याशी आकाश अग्रवाल ने इस संबंध में रिटर्निंग ऑफिसर एवं मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप से शिकायत की थी और साक्ष्य के तौर पर वीडियो क्लिप भी उपलब्ध कराई थी। इसके बाद रिटर्निंग ऑफिसर ने जिला निर्वाचन अधिकारी से मामले की जांच कर रिपोर्ट मांगी। अधिकारियों की जांच और रिपोर्ट के आधार पर इन तीनों बूथों पर पुनर्मतदान कराने का निर्णय लिया गया।

70वें मण्डलीय युवा क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक समारोह में सुलतानपुर जनपद का दबदबा



शाहगंज, जौनपुर। श्री विश्वनाथ इंटर कॉलेज कलान में आयोजित 70वें मंडलीय युवा क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक समारोह में खिलाड़ियों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। एथलेटिक्स, खेलकूद और सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में विभिन्न जनपदों के प्रतिभागियों ने उत्साह, अनुशासन और खेल भावना का परिचय दिया। परिणामों में सुलतानपुर ने एथलेटिक्स एवं खेलकूद में अपना दबदबा कायम रखा, जबकि सांस्कृतिक ऑल ओवर चौंपियनशिप कलान, सुलतानपुर के नाम रही। एथलेटिक्स की ऑल ओवर चौंपियनशिप में सुलतानपुर ने 246 अंक अर्जित कर प्रथम स्थान हासिल किया। अंबेडकरनगर 156 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। खेलकूद की ऑल ओवर चौंपियनशिप भी सुलतानपुर ने अपने नाम किया।समारोह में संयुक्त शिक्षा निदेशक (अयोध्या मंडल) योगेन्द्र सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक सुलतानपुर सूर्य प्रकाश सिंह, सह–जिला विद्यालय निरीक्षक जटा शंकर यादव, मंडलीय क्रीड़ा सचिव धर्मेन्द्र सिंह, जनपदीय क्रीड़ा सचिव दिलीप सिंह सहित शिक्षा एवं खेल जगत के अधिकारियों ने भाग लिया। संचालन प्रबंधक शशि प्रकाश सिंह एवं प्रधानाचार्य डॉ. आशुतोष सिंह ने किया। प्रबंध निदेशक वेद प्रकाश सिंह एवं अतुल सिंह का सहयोग भी उल्लेखनीय रहा। इस अवसर पर तमाम लोग उपस्थित रहे।

बाल्मीकि जयंती पर निकली शोभायात्रा, जगह-जगह हुई पुष्पवर्षा

आगरा,। नगर में सोमवार को भगवान वाल्मीकि जयंती धूमधाम से मनाई गई। सुबह घटिया आजम खां से शोभायात्रा निकाली गई, जो एमजी रोड होते हुए सुभाष पार्क के सामने स्थित वाल्मीकि वाटिका पहुंचकर संपन्न हुई। शोभायात्रा में 100 से ज्यादा लोग शामिल हुए। भगवान वाल्मीकि के जीवन पर आधारित दर्जनों झांकियां सजाई गईं। सबसे आगे भगवान वाल्मीकि की पालकी चल रही थी, जिसके सामने समाज के लोग झाड़ू लगाते हुए चल रहे थे। रास्ते में जगह–जगह शोभायात्रा का स्वागत किया गया। लोगों ने पालकी पर फूल बरसाए। सुरक्षा के लिए पुलिस बल तैनात रहा। शाम को नगर निगम परिसर से जयंती की बड़ी शोभायात्रा निकाली जानी है। वाल्मीकि महापंचायत के अध्यक्ष गौरव वाल्मीकि के नेतृत्व में निकली शोभायात्रा में शामिल लोगों ने कहा कि भगवान वाल्मीकि ने रामायण के माध्यम से समाज को ज्ञान दिया। उनके बताए मार्ग पर चलकर शिक्षा और संस्कारों को आगे बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आगरा में हर साल प्रभात फेरी और शोभायात्रा निकालकर जयंती मनाई जाती है। गौरव वाल्मीकि ने बताया कि जयंती पर शहर में दिनभर कार्यक्रम होंगे। शाम 4 बजे नगर निगम परिसर से बड़ी शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल होंगे। इसके बाद भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

पेड़ से बाईक के ,एक की मौत दो घायल

केराकत जौनपुर। चंदवक थाना क्षेत्र के मौढ़ेला–थानागद्दी मार्ग पर भैंसा नहर पुलिया के पास रविवार रात एक बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार 50 वर्षीय रामकिशुन की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग घायल हो गए। घायलों का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीरीबारी में उपचार चल रहा है। उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

महिला से चेन स्नैचिंग करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

आगरा,26 अक्टूबर 2026 (यूएनएस)। जगदीशपुरा में महिला से चेन स्नैचिंग की वारदात का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने अंतरजनपदीय गैंग के दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए बदमाशों पर 44 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से पिघली हुई सोने की धातु, नकदी और वारदात में इस्तेमाल बाइक बरामद की है। पुलिस के अनुसार 18 अक्टूबर को जगदीशपुरा थाने में एक महिला ने तहरीर दी थी। महिला ने बताया था कि 17 अक्टूबर को वह अपनी बेटी के साथ बाजार जा रही थी। श्याम वृंदावन अपार्टमेंट के पास बाइक सवार दो युवकों ने उनके गले से चेन पेंडल सहित और मंगलसूत्र छीन लिया और फरार हो गए। तहरीर के आधार पर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के खुलासे के लिए थाना जगदीशपुरा, सर्विलांस और एसओजी नगर जोन की टीमों का गठन किया गया। पुलिस ने इलाके के दर्जनों सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। साक्ष्यों के आधार पर पुलिस को आरोपियों के बारे में सुराग मिला। 25 अक्टूबर को मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी पथौली बिचपुरी नहर पर पेट्रोल पंप के पास मौजूद हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दो आरोपियों अमित गुप्ता उर्फ प्रदीप कुमार गुप्ता और विजय चौहान उर्फ अमन को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी में पुलिस को उनके पास से 15.3 ग्राम पिघली हुई पीली धातु का टुकड़ा, 40 हजार रुपये नकद, घटना में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल, एक छोटा गैस सिलेंडर, एक गैस गन, एक सिलेट और दो मोबाइल फोन बरामद हुए। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे बड़े शहरों में मौका देखकर लूट और स्नैचिंग की वारदात करते हैं। 17 अक्टूबर को उन्होंने आगरा में मार्बल की दुकानों के पास तिराहे पर महिला को छोटी बच्ची के साथ अकेले खड़ा देखा और चेन खींच ली। पकड़े जाने से बचने के लिए उन्होंने चेन को गला कर उसके दो टुकड़े कर दिए थे। एक टुकड़ा उन्होंने सर्राफा बाजार में आते–जाते व्यक्ति को 52 हजार रुपये में बेच दिया। बचे हुए पैसों में से कुछ खर्च कर दिए। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपी समय–समय पर अपना पता बदलते रहते हैं। गिरफ्तार आरोपी अमित गुप्ता नौबस्ता कानपुर नगर का रहने वाला है, जबकि विजय चौहान अमरपुर थाना रूरा कानपुर देहात का रहने वाला है। पुलिस दोनों का आपराधिक इतिहास खंगाल रही है। बरामद माल को कब्जे में लेकर आरोपियों को सोमवार को जेल भेज दिया गया है।

बालिका महोत्सव के दौरान हक में गूंजी आवाज, कहा मेरा शरीर, मेरा अधिकार

वाराणसी, आशा ट्रस्ट के तत्वाधान में सोमवार को हरसोस गांव मे बालिका महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हरसोस,नागेपुर, बीरभानपुर, हरपुर, खेवली, भतसार, कपड़फोड़वा आदि गांव से आयी सैकड़ों किशोरी लड़कियों ने कन्या भ्रूण हत्या, यौन उत्पीड़न, दहेज, बाल विवाह आदि के खिलाफ रैली निकाली। रैली में शामिल लड़कियां,बाल विवाह बंद करो, तिलक दहेज छोडो जाती पाती तोड़ो, भीख नही अधिकर चाहिए जीने का सम्मान चाहिए, औरत भी जिन्दा इंसान नही भोग की वह सामान, कन्या भ्रूण हत्या बंद करो आदि नारे लगाये। हरसोस गाँव में संचालित आशा सिलाई कढ़ाई केंद्र पर बालिका महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन लोक समिति संयोजक नंदलाल मास्टर ने दीप जलाकर किया! कार्यक्रम में किशोरी सिलाई केंद्र,किशोरी समूह की लड़कियों ने बाल विवाह दहेज पर रोक लगाने की मांग किया। कई लड़कियों ने भ्रूण हत्या, दहेज, गैरबराबरी, लड़कियों के यौन उत्पीड़न आदि पर नाटक, भाषण व सांस्कृतिक कार्यक्रम किया। कार्यक्रम में आयोजित विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि बाल विवाह दहेज समाज में अभिशाप है, जिसके कारण बहुत से लड़कियों की पढाई छुड़ाकर कम उम्र में उनकी शादी करा दी जाती है जिससे लड़कियों के सेहत पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है।सामाजिक कार्यकता आशा राय ने कहा कि आज घर में ही लड़किया सुरक्षित नहीं हैं और परिवार और उनके रिस्तेदार ही बहुत बार उनका यौन शोषण करते है इसलिए लड़कियों को यौन हिंसा के बारे में जागरूक करने की जरुरत है। घर में लड़कियों और लड़कों में भेदभाव खत्म करना है तो लड़कियों को शिक्षित होना पड़ेगा इसके लिए लड़कियों को ही आगे आना होगा। कार्यक्रम में स्वागत चन्द्रकला प्रेमा और संचालन मनीषा ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनीता पटेल, धन्यवाद ज्ञापन मनीषा और रिया ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सुनील, जगदीश मास्टर, रंजीत, पूनम, आशीष, विद्या, राजेश, ममता, नीता, सीमा, अनीता, प्रतिमा, रामबचन, सोनी, राजकुमारी, गोल्डी, शबनम, सुमन, काजू, नेहा, साक्षी, सीता, सीमा, पायल, सुलेखा, अमृता, पिंकी, राधिका, संजना, सानिया, मधु, रिया, आंचल, मध ुबाला, प्रियंका, रानी, बंदना, गुंजा, सुलेखा, करिश्मा, निशा आदि लोग शामिल रहे।

31 अक्टूबर को आगरा में लगेगा दीपावली आनंद मेला

आगरा। आगरा में संस्कार भारती, आगरा महानगर की ओर से दीपावली के अवसर पर 31 अक्टूबर, शनिवार को जयपुर हाउस स्थित श्रीराम पार्क में 'दीपावली आनंद मेला' आयोजित किया जाएगा। मेले में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक के लिए मनोरंजक कार्यक्रम होंगे। यह जानकारी प्रताप नगर स्थित संस्कार केंद्र में आयोजित आमंत्रण पत्र विमोचन कार्यक्रम में दी गई। प्रांतीय महामंत्री नंद नंदन गर्ग ने कहा कि त्योहारों और उत्सवों के आयोजन से अगली पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और संस्कारों की जानकारी मिलती है। अध्यक्ष प्रेमचंद अग्रवाल ने बताया कि संस्कार भारती का यह 26वां दीपावली आनंद मेला है। महामंत्री ओम स्वरूप गर्ग ने बताया कि 'स्वर्णिम भारत' थीम पर महिलाओं और बच्चों की ओर से प्रस्तुतियां दी जाएंगी। चित्र में रंग भरो प्रतियोगिता सहित कई कार्यक्रम होंगे।

आत्मघाती कड़वाहट:हताशा में मर्यादा की लक्ष्मण रेखा भूली कांग्रेस



अशोक भाटिया ।

घटनाक्रम की पृष्ठभूमि को देखें तो यह पहली बार नहीं है जब देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल के सर्वोच्च पद पर बैठे नेता की जुबान फिसली हो। चुनावी रैलियों या राजनीतिक मंचों पर तात्कालिक तालियां बटोरने या कार्यकर्ताओं में जोश भरने के उत्साह में अक्सर नेता अपनी सीमाएं लांघ जाते हैं।

भारतीय लोकतंत्र का इतिहास वैचारिक असहमतियों, तीखे तर्कों और धारदार बहसों से समृद्ध रहा है। संसद से लेकर सड़क तक, देश ने दक्षिणपंथ से लेकर वामपंथ और क्षेत्रीय अस्मिताओं के बीच बड़े–बड़े वैचारिक द्वंद्व देखे हैं। लेकिन, अतीत में इन सभी बहसों की एक अंतर्निहित मर्यादा होती थी। राजनीतिक विरोधी एक–दूसरे की नीतियों पर प्रहार करते थे, चरित्र और मर्यादाओं पर नहीं। दुर्भाग्य से, समकालीन राजनीति ने संवाद की उस समृद्ध परंपरा को हाशिए पर धकेल दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके दिवंगत पिता को लेकर की गई एक बेहद विवादित टिप्पणी (मोदी का बाप भी जाएगा) और उसके बाद आज पूरे देश में मचा सियासी बवाल इसी कड़वी हकीकत की तस्दीक करता है। पटना के एक कार्यक्रम में सामने आए इस बयान ने न केवल एक बड़ा राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है, बल्कि यह सवाल भी नए सिरे से उठा दिया है कि क्या देश का राजनीतिक नेतृत्व जन–सरोकारों से ध्यान भटकाने के लिए भाषा की मर्यादा की बलि चढ़ाने पर आमादा है?

घटनाक्रम की पृष्ठभूमि को देखें तो यह पहली बार नहीं है जब देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल के सर्वोच्च पद पर बैठे नेता की जुबान फिसली हो। चुनावी रैलियों या राजनीतिक मंचों पर तात्कालिक तालियां बटोरने या कार्यकर्ताओं में जोश भरने के उत्साह में अक्सर नेता अपनी सीमाएं लांघ जाते हैं। पटना की सभा में जब भीड़ से किसी ने नारा लगाया या कुछ कहा, तो उसके जवाब में कांग्रेस अध्यक्ष का आपा खोना और प्रधानमंत्री के उस दिवंगत पिता तक पहुंच जाना, जो कभी राजनीति का हिस्सा ही नहीं रहे, किसी भी सभ्य समाज और स्वस्थ लोकतंत्र में स्वीकार्य नहीं माना जा सकता। आज इसी का नतीजा है कि भारतीय जनता पार्टी देश भर के सभी राज्य मुख्यालयों में इसके खिलाफ राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन कर रही है, पटना की अदालतों में शिकायतें दर्ज हो रही हैं और संसद से लेकर सड़कों तक का माहौल एक बार फिर वैचारिक विमर्श के बजाय व्यक्तिगत प्रतिशोध की आग में झुलस रहा है।इस पूरे विवाद में दोनों पक्षों की अपनी–अपनी दलीलें और रणनीतियां हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और नितिन गडकरी जैसे भाजपा के शीर्ष नेताओं ने इसे लोकतंत्र की न्यूनतम मर्यादाओं को तार–तार करने वाला कृत्य करार दिया है। सत्ता पक्ष का तर्क है कि जब विपक्ष नीतियों के मोर्चे पर सरकार को घेरने में नाकाम रहता है, तो वह व्यक्तिगत कुंठा और हताशा में इस तरह के आक्षेपों पर उतर आता है। दूसरी तरफ, मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस और उसके समर्थकों की ओर से सफाई पेश की जा रही है कि इस बयान को संदर्भ से काटकर देखा जा रहा है। उनका कहना है कि मल्लिकार्जुन खड़गे का इरादा किसी के स्वर्गीय पिता का व्यक्तिगत अपमान करना नहीं था, बल्कि वे एक वैचारिक संदर्भ (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ या सरकार की नीतियों) में अपनी तीखी राजनीतिक प्रतिक्रिया दे रहे थे। लेकिन क्या राजनीति में श्संदर्भश की आड़ लेकर व्यक्तिगत गरिमा पर चोट करने की छूट दी जा सकती है? यह एक ऐसा बुनियादी सवाल है, जिससे कोई भी दल बच नहीं सकता।इस मुद्दे का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू इसका भौगोलिक और राष्ट्रीय विस्तार है। मल्लिकार्जुन खड़गे स्वयं दक्षिण भारत (कर्नाटक) के एक बेहद वरिष्ठ और जमीनी नेता हैं, जिन्होंने दशकों तक संसदीय राजनीति को करीब से देखा है। वहीं, यह घटना उत्तर भारत के राजनीतिक रूप से सबसे जागरूक राज्य बिहार (पटना) में घटित हुई। ऐसे में यह केवल एक क्षेत्रीय विवाद नहीं रह जाता, बल्कि यह उत्तर से लेकर दक्षिण तक पूरे देश के जागरूक मतदाताओं को प्रभावित करता है। दक्षिण भारत की राजनीति आमतौर पर नीति–गत मुद्दों, कल्याणकारी योजनाओं और क्षेत्रीय गौरव पर केंद्रित मानी जाती रही है, जबकि उत्तर भारत की राजनीति में भाषा और प्रतीकों का बहुत बड़ा महत्व होता है। जब दक्षिण से आने वाला एक शीर्ष नेता उत्तर भारत की धरती पर खड़े होकर देश के प्रधानमंत्री के परिवार पर ऐसी टिप्पणी करता है, तो इसका राजनीतिक और सामाजिक असर बहुत व्यापक हो जाता है। यह पूरे देश के पाठकों को यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हमारी राजनीति का भाषाई स्तर वाकई रसातल की ओर जा रहा है?भाषा की यह गिरावट किसी एक दल या एक नेता तक सीमित नहीं है। अगर हम निष्पक्ष होकर देखें तो पिछले कुछ वर्षों में भारतीय राजनीति के शब्दकोश में श्राक्षसश, श्दीमकश, श्गद्दारश, श्खून का दलालश और न जाने कितने ही अमर्यादित शब्द शामिल हो चुके हैं। एक दल जब मर्यादा लांघता है, तो दूसरा दल उससे दो कदम आगे बढ़कर जवाब देता है। यह एक ऐसा दुष्चक्र बन चुका है, जिसमें जीत किसी की नहीं हो रही, बल्कि पराजय सिर्फ और सिर्फ भारतीय लोकतंत्र की हो रही है। जब देश के शीर्ष नेता सार्वजनिक मंचों से एक–दूसरे के प्रति इस कदर कड़वाहट और व्यक्तिगत द्वेष का प्रदर्शन करेंगे, तो जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक टकराव और घृणा को कैसे रोका जा सकता है? सोशल मीडिया के इस दौर में, जहाँ एक–एक शब्द सेकंडों में करोड़ों लोगों तक पहुँचता है, नेताओं की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है।

एक जीवंत और परिपक्व लोकतंत्र की पहचान इस बात से होती है कि वहाँ की जनता के बुनियादी मुद्दों पर कितनी गंभीर चर्चा होती है। आज जब देश के सामने युवाओं की बेरोजगारी, बदलती अर्थव्यवस्था, महंगाई, आंतरिक सुरक्षा और वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीनी सेना की गश्ती जैसी गंभीर राष्ट्रीय चुनौतियाँ हैं, तब मुख्यधारा की राजनीति का कई दिनों तक केवल एक बयान पर अटक जाना देश के समय और संसाधनों की बर्बादी है। देश का युवा, चाहे वह उत्तर प्रदेश और बिहार की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा हो या बेंगलुरु और हैदराबाद के आईटी सेक्टर में अपनी नौकरियां बचाए रखने के लिए संघर्ष कर रहा हो, वह अपने नेताओं से यह उम्मीद करता है कि वे संसद और मंचों से रोजगार सृजन, आर्थिक नीतियों और भविष्य के भारत का खाका पेश करें। इसके विपरीत, उन्हें देखने को मिलती है तो सिर्फ व्यक्तिगत कीचड़ उछालने की राजनीति।

राजनीति में शुचिता और मर्यादा का संकट केवल चुनाव जीतने या हारने तक सीमित नहीं है। यह आने वाली पीढ़ी के राजनीतिक संस्कारों को भी तय करता है। यदि आज के युवा यह देखेंगे कि देश के सबसे शीर्ष पदों पर बैठे या विपक्ष का नेतृत्व करने वाले लोग एक–दूसरे के प्रति इतनी अमर्यादित भाषा का प्रयोग कर रहे हैं, तो वे राजनीति को एक गंभीर और सेवाभावी क्षेत्र के रूप में देखना बंद कर देंगे। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि प्रधानमंत्री का पद किसी व्यक्ति विशेष का नहीं, बल्कि देश की लोकतांत्रिक संस्था का प्रतीक होता है। उस पद की एक गरिमा होती है, जिसका सम्मान सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को करना चाहिए। ठीक इसी तरह, विपक्ष के नेता का पद भी लोकतंत्र का एक अनिवार्य स्तंभ है, उसकी साख को भी बनाए रखना उतना ही जरूरी है।

पटना की यह घटना और उसके बाद देश भर में मचा हंगामा भारतीय राजनीति के लिए एक श्वेक–अप कॉलश होना चाहिए। यह केवल शब्दों की एक तात्कालिक जंग नहीं है, बल्कि यह हमारे लोकतंत्र के गिरते स्तर का एक गंभीर लक्षण है। अब समय आ गया है कि देश के सभी राजनीतिक दल, चाहे वे सत्ता में हों या विपक्ष में, मिलकर संवाद की एक न्यूनतम आचार संहिता तय करें। राजनीति में कड़े से कड़े मतभेदों को भी शालीनता और तर्कों के साथ रखा जा सकता है। देश की जनता अब इस तरह की व्यक्तिगत बयानबाजी और उसके बाद होने वाले राजनीतिक तमाशों से थक चुकी है। उत्तर से लेकर दक्षिण तक, भारत का सजग मतदाता अब नेताओं को उनके काम, उनकी नीतियों और उनके व्यवहार की कसौटी पर कसने के लिए तैयार बैठा है। नेताओं को यह नहीं भूलना चाहिए कि जुबान भले ही फिसल जाए, लेकिन जनता की याददाश्त बहुत मजबूत होती है।

सम्पादकीय

सेवा संकल्प अभियान

किसी सरकार की योजनाओं का वास्तविक मूल्य केवल बजट के आंकड़ों, स्वीकृतियों और निर्माण कार्यों से नहीं आंका जा सकता। उसकी सबसे सार्थक कसौटी यह है कि उसने सामान्य नागरिक के जीवन में कितना परिवर्तन किया, उसकी चिंता कितनी कम की और उसके सपनों को पूरा करने के लिए कितना मजबूत आधार दिया। जब वर्षों तक कच्चे मकान में रहने वाला कोई परिवार पहली बार अपने पक्के घर की छत के नीचे चौन से सोता है, जब बारिश का मौसम उसके लिए चिंता के बजाय सुकून लेकर आता है और जब एक गरीब परिवार अपने बच्चों के भविष्य को अधिक सुरक्षित महसूस करता है, तब जनकल्याण की योजना अपने वास्तविक उद्देश्य को प्राप्त करती है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सार्वजनिक जीवन की यात्रा में गरीब, वंचित और अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के जीवन में बदलाव का विषय लगातार प्रमुख रहा है। स्वयं प्रधानमंत्री ने इस यात्रा का उल्लेख करते हुए लोगों के जीवन को बेहतर बनाने और राष्ट्र की प्रगति में योगदान को अपने प्रयासों का केंद्र बताया है। उनके शासन के 25 वर्षों की इस यात्रा को जनसेवा, जनकल्याण और जन–आकांक्षाओं को शासन के केंद्र में रखने के संदर्भ में देखा जा सकता है। आज जब सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से पूरा देश सेवा के इसी भाव को आगे बढ़ा रहा है, तब प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) जैसे कार्यक्रम इस सोच को धरातल पर समझने का अवसर देते हैं। गरीब के लिए अपना पक्का घर केवल चार दीवारें और छत नहीं होता। वह सुरक्षा है, सम्मान है, स्थायित्व है और अगली पीढ़ी के बेहतर भविष्य की बुनियाद है।छत्तीसगढ़ के शहरों में प्रधानमंत्री आवास योजना से लाभान्वित परिवारों के अनुभव इस बदलाव को बहुत सहजता से अभिव्यक्त करते हैं। किसी परिवार के लिए पक्का घर मिलने का अर्थ बरसात में टपकती छत और सीलन से मुक्ति है। किसी के लिए सांप–बिच्छुओं और दूसरे जीव–जंतुओं के भय से निजात है। किसी श्रमिक परिवार के लिए यह सीमित आमदनी के कारण वर्षों से अधूरा पड़ा सपना पूरा होने जैसा है। किसी माता के लिए अपने बच्चों को सुरक्षित घर में बढ़ते हुए देखने का संतोष है। इन परिवारों की भावनाओं में एक बात समान रूप से दिखाई देती हैकृअपना घर जीवन में सुरक्षा के साथ आत्मविश्वास भी लेकर आया है।

यही वह परिवर्तन है जो किसी कल्याणकारी योजना को सरकारी कार्यक्रम से आगे बढ़ाकर सामाजिक बदलाव का माध्यम बनाता है।

गरीबी केवल आय की कमी का प्रश्न नहीं है। असुरक्षित आवास, बुनियादी सुविधाओं का अभाव और भविष्य को लेकर अनिश्चितता भी गरीब परिवार के संघर्ष को बढ़ाती है। इसीलिए गरीब कल्याण की अवधारणा को आवास, पेयजल, स्वच्छता, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और अन्य बुनियादी आवश्यकताओं से जोड़कर देखना महत्वपूर्ण है। केंद्र सरकार और राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य इन आवश्यकताओं तक जरूरतमंद परिवारों की पहुंच बढ़ाना रहा है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) इस व्यापक सोच का प्रत्यक्ष उदाहरण है। एक गरीब परिवार जब कच्चे मकान से निकलकर अपने पक्के आवास में प्रवेश करता है तो केवल उसका पता नहीं बदलता, जीवन के प्रति उसका दृष्टिकोण भी बदलता है। मजबूत दीवारें उसे सुरक्षा देती हैं, पक्की छत चिंता कम करती है और अपना घर भविष्य के प्रति भरोसा जगाता है। घर परिवार की सामाजिक गरिमा से भी जुड़ता है। इसीलिए आवास उपलब्ध कराने का प्रयास केवल निर्माण का विषय नहीं, बल्कि सम्मान और अवसर से भी जुड़ा विषय है।केंद्र सरकार और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र नागरिकों तक प्रभावी ढंग से पहुंचे, यह राज्य शासन की लगातार कोशिश रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार योजनाओं के क्रियान्वयन को जनसरोकारों से जोड़कर आगे बढ़ा रही है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के लिए भी शहरों का विकास केवल बड़ी सड़कें, भवन और अधोसंरचना तैयार करना नहीं है। शहर तभी वास्तव में विकसित होता है, जब वहां रहने वाले गरीब और जरूरतमंद परिवार भी विकास की प्रक्रिया में सहभागी हों औरउन्हें सम्मानजनक जीवन के लिए आवश्यक सुविधाएं प्राप्त हों।सेवा संकल्प अभियान का भाव भी इसी दायित्व को और मजबूत करता हैकृसेवा केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि शासन और नागरिक के बीच विश्वास का सेतु बने। योजनाएं कागज से निकलकर जरूरतमंद के जीवन तक पहुंचें, पात्र व्यक्ति को अपने अधिकार और अवसर के लिए अनावश्यक कठिनाई न उठानी पड़े तथा शासन की संवेदनशीलता अंतिम व्यक्ति तक अनुभव होकृयही सेवा की सार्थकता है।विकसित भारत का लक्ष्य तभी सार्थक होगा जब विकास का अनुभव देश के प्रत्येक नागरिक के जीवन में दिखाई दे। किसी गरीब के घर की पक्की छत, किसी परिवार को मिला स्वच्छ पेयजल, किसी जरूरतमंद तक पहुंची स्वास्थ्य सुविधा और किसी युवा को मिला आगे बढ़ने का अवसरकृविकास की वास्तविक तस्वीर इन्हीं परिवर्तनों से बनती है।छत्तीसगढ़ के हमारे शहरों में जब कोई परिवार वर्षों की प्रतीक्षा के बाद अपने पक्के घर में गृह प्रवेश करता है तो उसके चेहरे की प्रसन्नता बहुत कुछ कहती

यूरोपीय देशों में हिंसक आंदोलन



इन दिनों फ्रांस में चल रहा आंदोलन हालांकि मूल रूप से महंगाई और खराब सार्वजनिक सेवाओं के खिलाफ उपजा जन–आक्रोश से शुरू हुआ , जिसे उग्र वामपंथी तत्वों, सोशल मीडिया के जरिए दुष्प्रचार फैलाने वाली विदेशी ताकतों और आगामी चुनावों को देखते हुए राजनीतिक दलों ने अपने–अपने एजेंडे के लिए भुनाना शुरू कर दिया है। फ्रांस में हुए हालिया हिंसक दंगों के लिए दूसरे देशों से आए लोगों (अप्रवासियों) को जिम्मेदार ठहराने का दावा मुख्य रूप से अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और फ्रांस की दक्षिणपंथी नेता मैरीन ले पेन जैसे नेताओं ने किया है। यह सामने आया है कि इन देशों में आसान आव्रजन नियमों का फायदा उठा घुस आए आप्रवासी अराजकता का नंगा नाच कर रहे हैं। इन आप्रवासियों के कारण डैमोग्राफी चेंज के हालात बन गए हैं। फ्रांस और अन्य यूरोपीय देशों इटली, स्पेन, बेल्जियम और अल्बानिया में भड़की व्यापक हिंसा और विरोध प्रदर्शनों के पीछे यद्यपि किसी एक निश्चित वैश्विक साजिश के पुख्ता सबूत नहीं मिले हैं, लेकिन इसमें सामाजिक–आर्थिक कारण, स्थानीय जनाक्रोश का कई राजनीतिक व बाहरी तत्वों द्वारा इस स्थिति का फायदा उठाना शामिल है।

खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, यद्यपि यह दंगे किसी विदेशी ताकत ने शुरू नहीं करवाए हैं, लेकिन रूस समर्थित ऑनलाइन नेटवर्क और एआई टूल्स सोशल मीडिया जैसे टिकटॉक और अन्य प्लेटफॉर्म पर हिंसा और आगजनी के वीडियो को तेजी से वायरल कर रहे हैं। इसे एक तरह का हाइब्रिड वॉरफेयर कहा जा रहा है, जिसका मकसद यूरोपीय देशों में सामाजिक अस्थिरता और सरकारों के खिलाफ असंतोष को और ज्यादा भड़काना है। दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इटली व फ्रांस के दक्षिणपंथी नेताओं मरीन लेपेन और जॉर्जिया मेलोनी ने सीधे तौर पर इस हिंसा के लिए यूरोप की उदारवादी अप्रवासी नीतियों और खुली सीमाओं को जिम्मेदार ठहराया है। उनका दावा है कि बाहरी देशों से आए शरणार्थी और प्रवासी इन दंगों और लूटपाट में बढ़–चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं, हालांकि स्थानीय प्रशासन का कहना है कि यह संकट मुख्य रूप से आंतरिक आर्थिक नीतियों की विफलता का नतीजा है।

आपको बता दें कि 1789 की फ्रांसीसी क्रांति तथा 1830 और 1848 की क्रांतियों के बाद यूरोप के घटनाक्रम को करीब से देखने वाले ऑस्ट्रिया के चांसलर ड्यूक मेटरनिक का 19वीं शताब्दी का चर्चित बयान है कि जब फ्रांस को जुकाम होता है, तो पूरा यूरोप छींकने लगता है। जब फ्रांस में कोई क्रांति या गतिविधि शुरू होती है तो पूरे यूरोप में शुरू हो जाती है। ऐसा ही इस बार हुआ। फ्रांस में छात्रों का आंदोलन शुरू होते ही यूरोप के अन्य 6 देशों में छात्रों के आंदोलन शुरू हो गए हालांकि इनके कारण अलग–अलग हैं तथा हिंसक विरोध–प्रदर्शन स्पेन, इटली, सर्बिया और अल्बानिया में नहीं हुए। फ्रांस में छात्रों के विरोध–प्रदर्शनों से काफी नुकसान हुआ–लोगों को चोटें आईं, इमारतें जलाई गईं, दुकानों में लूटपाट हुई और कई छात्रों को गिरफ्तार कर लिया गया। छात्रों का यह विरोध मुख्य रूप से देश में शिक्षकों की कमी और स्कूलों की जर्जर इमारतों को लेकर था, लेकिन फ्रांस की मैक्रों सरकार ने इन शिकायतों पर लगभग कोई ध्यान नहीं दिया।

उल्लेखनीय है कि आज से 6–7 महीने पहले जब छात्रों ने अपना आंदोलन शुरू किया था तब भी मुद्दे वही थे। अगले वर्ष फ्रांस में चुनाव आने वाले हैं और मैक्रों को लग रहा था कि वे वे इस बार भी चुनाव जीत जाएंगे इसलिए उन्होंने इस मुद्दे पर चुप रहना ही बेहतर समझा। परंतु दोबारा सरकार का ध्यान खींचने के लिए प्रदर्शन शुरू होने पर हालात ऐसे बने कि छात्रों के आंदोलन में विभिन्न गैंगों ने घुसपैठ कर ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस मुद्दे पर चिंता व्यक्त किए जाने के बाद तब कहीं जाकर फ्रांस सरकार ने छात्रों की समस्याओं को सुनना शुरू किया।लेकिन, यह सब होने के बाद मैक्रों ने एक भाषण दिया और उसके तुरंत बाद सऊदी अरब चले गए। छात्रों को लगा कि मैक्रों तो हमारी मांगों को लेकर गंभीर ही नहीं हैं तथा बिना कोई समाधान निकाले ही विदेश यात्रा पर चले गए हैं।इसलिए एक बार फिर 24 अक्तूबर को छात्रों ने पैरिस सहित कई शहरों में प्रदर्शन किए, मगर वे काफी हद तक शांतिपूर्ण थे। हालांकि पुलिस ने आंसू गैस का इस्तेमाल किया और 1300 बच्चों को गिरफ्तार भी किया। उल्लेखनीय है कि पिछले इलैक्शन के समय भी मैक्रों लोगों को उतने पसंद नहीं थे। हालांकि फ्रांस की राइट विंग विपक्षी नेता ला पेन भी फ्रांस के लोगों को कोई खास पसंद नहीं हैं परंतु यदि मैक्रों ने छात्रों की बात न सुनी तो लोग ला पेन की ओर चले जाएंगे।

यूरोप के अन्य देशों में भी छात्र प्रदर्शन हुए हैं और इटली में तो छात्रों ने लूटपाट करने आए गैंगों को पीट कर भगा दिया और पुलिस को बचाया। हालांकि अन्य स्थानों पर ऐसे उग्र प्रदर्शन नहीं हुए परंतु कहीं अर्थव्यवस्था खस्ता है, कहीं रोजगार नहीं है और कहीं बच्चों की पढ़ाई की व्यवस्था न होने के कारण सारे यूरोप के लोग अपने देशों की सरकारों से नाराज हैं और वहां छात्र आंदोलन कर रहे हैं। इस तरह के घटनाक्रम के बीच प्रश्न उत्पन्न होता है कि क्या लोगों को लोकतांत्रिक देशों में अपनी सरकारों को अपनी शिकायतें नहीं बतानी चाहिएं ? क्या शांतिपूर्वक आंदोलन करने वाले छात्रों या दूसरे लोगों का यह अधिकार नहीं कि उनकी सरकारें उनकी बातें सुनकर उन्हें बेहतर सुविधाएं प्रदान करें। आखिर इन सभी देशों में लोकतंत्र और निर्वाचित सरकारें हैं।जैसे ही यूरोप में प्रोटैस्ट शुरू हुए, इंगलैंड, जहां दिखावे मात्र की राजशाही है, की संसद में भी इन बातों पर चर्चा शुरू हो गई तथा इंगलैंड के शिक्षा मंत्री ने कहना शुरू कर दिया कि इंगलैंड में बच्चों को अंग्रेजी, गणित तथा साइंस भी ठीक से नहीं पढ़ाई जा रही। इसके साथ ही उन्होंने कहना शुरू कर दिया कि लैट नो चाइल्ड शुड भी लैफ्ट बिहाइंड अर्थात कोई भी बच्चा पीछे नहीं छूटना चाहिए, इसके लिए हमें अपनी शिक्षा प्रणाली को उन्नत करना है और यह काम तुरंत करना है। अभी कुछ ही समय पूर्व इंगलैंड की नई सरकार आई है, जो है तो लेबर पार्टी की ही, परंतु धन की कमी की समस्या का उन्हें भी यूरोप के देशों की भांति ही सामना करना पड़ रहा है और इंगलैंड की विपक्षी नेता श्केमी बेडनोकश ने कहा है कि हमारा सर्वाधिक धन देश की सुरक्षा को मजबूत करने तथा बच्चों की समस्याओं को दूर करने, रोजगार के साधनों को बढ़ाने पर लगाने की जरूरत है और ऐसा न करने पर हमारे साथ भी वैसा ही होगा जैसा यूरोप के देशों के साथ हो रहा है।

आपको बता दें कि फ्रांस सरकार और सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, शांतिपूर्ण प्रदर्शनों को हिंसक दंगों में बदलने के पीछे सुदूर–वामपंथी संगठनों और अराजकतावादियों का हाथ है। फ्रांस के प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने आरोप लगाया है कि श्अल्ट्रा–लेफ्टश समूह और आपराधिक गिरोह श्ब्लैक ब्लॉकश रणनीति का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसमें उपद्रवी काले कपड़े पहनकर और चेहरे ढककर आते हैं, पुलिस पर हमला करते हैं और सरकारी इमारतों व बड़ी दुकानों में लूटपाट करते हैं।

अमेरिकी न्यूज आउटलेट फॉक्स न्यूज और कुछ खुफिया रिपोर्ट्स का दावा है कि फ्रांस में हिंसक प्रदर्शनों को हवा देने के लिए लगभग 54 अंतरराष्ट्रीय संगठनों का एक नेटवर्क काम कर रहा है। (हिफी)

भारतीय जनता पार्टी सरकार द्वारा पश्चिम बंगाल के विकास का रोडमैप,संभावनाएँ बड़ी, चुनौतियाँ भी



शिव कान्त मिश्रा

पश्चिम बंगाल में विकास की दिशा को लेकर उद्योग, रोजगार, परिवहन, शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण बुनियादी ढाँचे जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। राज्य के विकास का वास्तविक आकलन इस बात से होगा कि सरकारी घोषणाएँ किस गति से धरातल पर उतरती हैं और उनका लाभ आम जनता तक कितना पहुँचता है।राज्य के विकास की प्रमुख प्राथमिकताओं में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देना, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना, सड़क एवं परिवहन व्यवस्था को मजबूत करना तथा ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच विकास के अंतर को कम करना शामिल है।पश्चिम बंगाल में नए उद्योगों की स्थापना, औद्योगिक क्षेत्रों के विकास और निजी निवेश को आकर्षित करने पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। राज्य में उपलब्ध मानव संसाधन, भौगोलिक स्थिति और व्यापारिक संपर्क का बेहतर उपयोग करके विनिर्माण, सूचना प्रौद्योगिकी, लघु उद्योग तथा अन्य रोजगारपरक क्षेत्रों को आगे बढ़ाया जा सकता है। हालांकि, निवेश संबंधी घोषणाओं का वास्तविक लाभ तभी दिखाई देगा, जब परियोजनाएँ समय पर पूरी होंगी और स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा।राज्य के आर्थिक विकास में बेहतर परिवहन व्यवस्था की महत्वपूर्ण भूमिका है। राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों, पुलों, रेल संपर्क और हवाई सेवाओं का विस्तार व्यापार, पर्यटन तथा औद्योगिक गतिविधियों को गति दे सकता है। उत्तर बंगाल और राज्य के अपेक्षाकृत दूरस्थ क्षेत्रों में हवाई संपर्क विकसित करने की योजनाएँ भी क्षेत्रीय विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। इन योजनाओं की सफलता भूमि उपलब्धता, आवश्यक स्वीकृतियों, वित्तीय संसाधनों और समयबद्ध क्रियान्वयन पर निर्भर करेगी।

विकास का उद्देश्य केवल बड़े उद्योग और सड़कें बनाना नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार लाना भी है। सरकारी विद्यालयों की गुणवत्ता, उच्च शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण और सरकारी अस्पतालों की सुविधाओं में सुधार आवश्यक है। युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण देकर उन्हें उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप तैयार करना राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है।

पश्चिम बंगाल की बड़ी आबादी की आजीविका कृषि और ग्रामीण गतिविधियों से जुड़ी है। सिंचाई, ग्रामीण सड़कों, पेयजल, कृषि विपणन और स्थानीय प्रसंस्करण इकाइयों के विकास से किसानों की आय बढ़ाने तथा गाँवों में रोजगार के अवसर पैदा करने में सहायता मिल सकती है। ग्रामीण विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से छोटे कस्बों और गाँवों की अर्थव्यवस्था को नई गति मिल सकती है।

उत्तर बंगाल में पर्यटन, चाय उद्योग, कृषि आधारित कारोबार और परिवहन सुविधाओं के विस्तार की व्यापक संभावनाएँ हैं। मालदा, बालुरघाट, कूचबिहार, जलपाईगुड़ी और दार्जिलिंग जैसे क्षेत्रों में स्थानीय जरूरतों के अनुरूप निवेश तथा बुनियादी सुविधाओं का विकास आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा दे सकता है। क्षेत्रीय हवाई संपर्क की योजनाओं को आगे बढ़ाने से पहले तकनीकी व्यवहार्यता, यात्री मांग, भूमि और परिचालन संबंधी पहलुओं का आकलन भी आवश्यक होगा।

!! घोषणाओं से आगे बढ़कर परिणाम देना जरूरी !!

पश्चिम बंगाल के विकास का रोडमैप तभी प्रभावी माना जाएगा, जब निवेश परियोजनाओं की प्रगति, वास्तविक रोजगार, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और ग्रामीण सुविधाओं में सुधार के स्पष्ट परिणाम सामने आएँगे। इसके लिए पारदर्शी निगरानी, समयबद्ध परियोजना निष्पादन और सार्वजनिक धन के प्रभावी उपयोग की आवश्यकता है।

पश्चिम बंगाल के सामने औद्योगिक विकास और सामाजिक कल्याण के बीच संतुलन स्थापित करने की महत्वपूर्ण चुनौती है। यदि निवेश, रोजगार, परिवहन और मानव विकास से जुड़ी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया जाता है, तो राज्य की आर्थिक संभावनाओं को मजबूत आधार मिल सकता है। अब सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि घोषित योजनाएँ कितनी तेजी से पूरी होती हैं और उनका लाभ राज्य के प्रत्येक क्षेत्र तथा आम नागरिक तक किस हद तक पहुँचता है ।

खतरे में देश की सुरक्षा और विकास

पिछले तीन सालों से मणिपुर में जारी हिंसा पर मोदी सरकार अब तक रोक नहीं लगा पाई है। मुख्यमंत्री का इस्तीफा, राष्ट्रपति शासन और फिर नए मुख्यमंत्री के आने के बावजूद कुकी और मैतेई समुदायों के बीच जो जातीय हिंसा शुरु हुई, वो किसी भी तरह रुकने का नाम नहीं ले रही है। अभी अक्टूबर महीने में ही कम से कम 14 लोगों की जान इस हिंसा में चली गई है। लेकिन पुलिस का कहना है कि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी उपाय किए जा रहे हैं। मुमकिन है पुलिस अपनी हद में संभव सारे उपायों को आजमा भी रही हो, लेकिन जब तक सरकार नहीं चाहेगी, शांति कायम नहीं होगी, यह तथ्य है। राज्य और देश में पुलिस का नहीं भाजपा का शासन है, लिहाजा पहली जिम्मेदारी उसी की बनती है। मगर नरेन्द्र मोदी और अमित शाह ने पूर्वोत्तर राज्यों को उनके हाल पर छोड़ दिया है, यह लगातार नजर आ रहा है। मणिपुर के बाद अब अरुणाचल प्रदेश के हालात बिगड़ रहे हैं। एक तरफ चीन की तरफ से अतिक्रमण रुक नहीं रहा है और दूसरी तरफ सियांग बांध परियोजना के विरोध में स्थानीय लोग उतर आए हैं। देश के मीडिया का वह हिस्सा जो खुद को मुख्यधारा कहता है, उसका भी रवैया पूर्वोत्तर को लेकर सरकार से अलग नहीं है। यहां की खबरें उसके लिए तभी मायने रखती हैं, जब उनसे कुछ सनसनी फैलाने की गुंजाइश उसे नजर आए। वर्ना क्या कारण है कि अरुणाचल प्रदेश के लोग जब लगातार चीन की घुसपैठ को लेकर आवाज उठा रहे थे, यहां तक कह रहे थे कि कुछ दिन में हम चीनी कहलाएंगे, भारतीय नहीं, तब भी मीडिया में इन खबरों को प्रमुखता से दिखाकर सरकार से सवाल नहीं पूछे गए। किसी भाजपा प्रवक्ता को बिठाकर एंकर्स ने यह नहीं कहा कि जो ऐसे वीडियो आ रहे हैं, उन पर आपका क्या कहना है। पाकिस्तान ने कब, कहां से घुसपैठ की योजना बनाई, देश में कौन लोग हैं जो पाकिस्तान का प बोलते हैं, इन सब पर तो मीडिया खूब खबरें चलाता है और खबरें न हों तो किसी न किसी तरह बनवा लेता है। अभी छात्र आंदोलन या वोट चोरी के खिलाफ हो रहे आंदोलन में भी पाकिस्तानी मदद का षड्यंत्र इस तथाकथित मुख्यधारा के मीडिया ने पकड़ लिया है। लेकिन चीन किस तरह अरुणाचल प्रदेश पर अपना कब्जा बढ़ाता जा रहा है,

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच नवप्रवेशित विद्यार्थियों का हुआ स्वागत

ठा0 हर नारायण सिंह ग्रुप आफ कालेज में फ्रेशर पार्टी 'अभ्युदय- 2026' का भव्य आयोजन



प्रयागराज। ठा हर नारायण सिंह ग्रुप ऑफ कॉलेज में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागतार्थ फ्रेशर पार्टी 'अभ्युदय –2026' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने नृत्य, फैशन शो एवं गीत –संगीत की मनमोहक प्रस्तुतियों से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ महाविद्यालय के प्रबंधक देवेंद्र सिंह चंदेल, निदेशक, डॉ0 उदय प्रताप सिंह, उप निदेशक–इंजीनियर विनय प्रताप सिंह, अध्यक्ष गोविन्द बिहारी मिश्र, प्राचार्य डॉ0 अजय कुमार गोविन्द राव, कार्यालय अधीक्षक आई. बी. सिंह ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर अतिथियों ने नव–प्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।कार्यक्रम में सोलो डांस, ग्रुप डांस, फैशन शो, तथा गीत–संगीत की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए अपनी कला एवं रचनात्मक क्षमता का परिचय दिया। वरिष्ठ विद्यार्थियों ने नवप्रवेशित साथियों का आत्मीय स्वागत किया। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को महाविद्यालय के शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक परिवेश से परिचित कराना तथा उनमे आत्मविश्वास, सहयोग और सौहार्द्र की भावना को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रैंप वॉक, गायन, नृत्य एवं कॉमेडी, जिसमे कॉलेज के विभिन्न कोर्सेज के छात्र –छात्राओं ने पूरे आत्मविश्वास के साथ हिस्सा लिया। कार्यक्रम के समापन पर निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों के प्रदर्शन के आधार पर विजेताओं का चयन किया कार्यक्रम में महाविद्यालय के डीन अखिलेन्द्र प्रताप सिंह, समी शिक्षकगण, कार्यालय स्टाफ, बड़ी संख्या में विद्यार्थीगण एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

साधी अधिवक्ता की पिटाई से नाराज वकीलों ने किया चक्काजाम

एसआरएन में हंगामा, एमजी मार्ग पर बैठे वकील



प्रयागराज। अधिवक्ता की पिटाई के विरोध में सोमवार को वकीलों ने महात्मा गांधी मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। अधिवक्ता आरोपियों की गिरफ्तारी और ठोस कार्रवाई की मांग कर रहे थे। अधिवक्ताओं का कहना था कि जब तक ठोस कार्रवाई नहीं होती, वकील शांत नहीं बैठेंगे। चक्काजाम की सूचना पर डीसीपी प्रोटोकॉल पंकज मौके पर पहुंचे। वह प्रदर्शन कर रहे अधिवक्ताओं से बातचीत की लेकिन वकीलों का कहना है कि वे केवल आश्वासन से संतुष्ट नहीं होंगे। आरोपियों की गिरफ्तारी होने तक प्रदर्शन जारी रहेगा।दरअसल, अधिवक्ता सर्वेश शुक्ला के साथ मारपीट के विरोध में वकील पहले स्वरूपरानी नेहरू (एसआरएन) अस्पताल में धरने पर बैठे थे। उत्तर प्रदेश जूनियर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष देवधर तिवारी ने आरोप लगाया था कि सर्वेश शुक्ला को कैंची से मारा गया, उनके कंधे और निजी अंगों पर चोट पहुंचाई गई और सुई घोंपी गई। उनकी पत्नी के साथ भी मारपीट की गई। वकीलों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की थी। अधिकारियों से बातचीत के बाद भी सहमति नहीं बनने पर अधिवक्ताओं ने महात्मा गांधी मार्ग पर चक्काजाम कर दिया।एसआरएन अस्पताल परिसर में पिछले 4 घंटे से तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। अधिवक्ता आरोपी डॉक्टरों की गिरफ्तारी और उनके नाम सार्वजनिक करने की मांग पर अड़े हैं। उनका कहना है कि गिरफ्तारी होने तक वे धरना स्थल से नहीं हटेंगे। डीसीपी सिटी सागर जैन और सिटी मजिस्ट्रेट विनय कुमार सिंह लगातार अधिवक्ताओं को समझाने और उन्हें शांत कराने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, अधिवक्ता अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं। सोमवार दोपहर एक और बड़ी घटना हो गई। सड़क पर रास्ता जाम कर रहे अधिवक्ताओं के भीड़ में स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल के मेडिसिन विभाग के सीनियर कंसल्टेंट डॉक्टर विभु रंजन मिश्रा की गाड़ी फंस गई। आक्रोशित वकीलों ने उन्हें कार से बाहर खींचकर बेरहमी से पिटाई कर दी। उन्हें एसआरएन अस्पताल के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। उधर इससे आक्रोशित डॉक्टरों ने ट्रामा सेंटर में काम बंद कर दिया है।भुक्तभोगी डॉ. विभु रंजन मिश्र के अनुसार वे एसआरएन अस्पताल में भर्ती मरीजों का हाल–चाल लेने के बाद अपनी कार से बार सड़क पर निकले। इसी दौरान वहां रास्ताजाम कर रहे अधिवक्ताओं ने उनकी कार को घेर लिया। इसके बाद कार से खींचकर उनकी काफी पिटाई कर दी। डॉ. विभु को एसआरएन अस्पताल के ट्रामा सेंटर में इलाज के लिए ले जाया गया।बताया जा रहा है कि पूर्व में एसआरएन अस्पताल के डॉक्टरों द्वारा एक अधिवक्ता से मारपीट के मामले को लेकर सोमवार को वकीलों ने पहले अस्पताल की पुलिस चौकी के समक्ष प्रदर्शन किया। इसके बाद अधिवक्ता ने मुख्य मार्ग पर पहुंचे और रास्ता जाम कर दिया।

युवक को गिरफ्तार करने पहुंची भंग हो चुकी एसओजी टीम

अधिवक्ताओं ने स्कार्पियो घेरी, एफआईआर की कापी न दिखाने पर एक घंटे तक हंगामा

प्रयागराज। कीडगंज थाना क्षेत्र में रविवार रात खुद को एसओजी का सदस्य बताने वाले कुछ लोग एक युवक को गाड़ी में बैठाकर ले जाने पहुंचे। युवक को ले जाने का आधार पूछने पर टीम ने धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तारी की बात कही। लेकिन एफआईआर की कॉपी नहीं दिखाने पर मौके पर पहुंचे अधिवक्ताओं ने गाड़ी घेर ली। इसके बाद हंगामा शुरू हो गया।सूचना पर कीडगंज और कैंट थाने की पुलिस पहुंची। करीब एक घंटे तक चले विवाद के बाद स्थिति शांत हुई। बताया जा रहा है कि युवक को ले जाने पहुंची टीम को वापस लौटना पड़ा।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रविवार रात करीब 9 बजे कुछ लोग कीडगंज में ए युवक को अपने साथ ले जाने पहुंचे। उन्होंने खुद को एसओजी टीम का सदस्य बताया और युवक को गाड़ी में बैठाने की कोशिश की। आसपास के लोगों ने कार्रवाई का आधार पूछा तो धोखाधड़ी की शिकायत का हवाला दिया गया। इस बीच बड़ी संख्या में अधिवक्ता भी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने टीम से एफआईआर की कॉपी दिखाने को कहा। कॉपी नहीं दिखाए जाने पर अधिवक्ताओं ने गाड़ी घेर ली और विरोध शुरू कर दिया। देखते ही देखते मौके पर भीड़ जुट गई।विवाद की सूचना पर कीडगंज और कैंट थाने की पुलिस पहुंची। करीब एक घंटे बाद मामला शांत हुआ। इस दौरान युवक को ले जाने पहुंची टीम को लौटना पड़ा।पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मामला पुरानी स्कॉर्पियो की खरीद–बिक्री से जुड़ा है। नोएडा के एक व्यक्ति ने शिकायत की थी कि प्रयागराज के एक व्यक्ति ने पुरानी स्कॉर्पियो बेचने के नाम पर उससे 5 लाख रुपए लिए थे।शिकायतकर्ता के मुताबिक, गाड़ी की आरसी (रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट) ट्रांसफर कराने की प्रक्रिया पूरी करने के लिए उसे प्रयागराज बुलाया गया था। यहां आने के बाद भी उसे तीन–चार दिन तक टरकाया जाता रहा और कागजात ट्रांसफर नहीं कराए गए। ज्ञात हो कि पुलिस कमिश्नर पीयूष मोर्डिया ने अगस्त में जनपदीय समेत जिले की सभी एसओजी टीमों को भंग कर दिया था। इसके बाद इन टीमों में तैनात पुलिसकर्मियों की दूसरी जगह पोस्टिंग कर दी गई थी।

महापंचायत में राकेश टिकैत बोले- यह सरकार बेशर्म और बेहया

ओवैसी भाजपा का आदमीय इसके चक्कर में न पड़ें

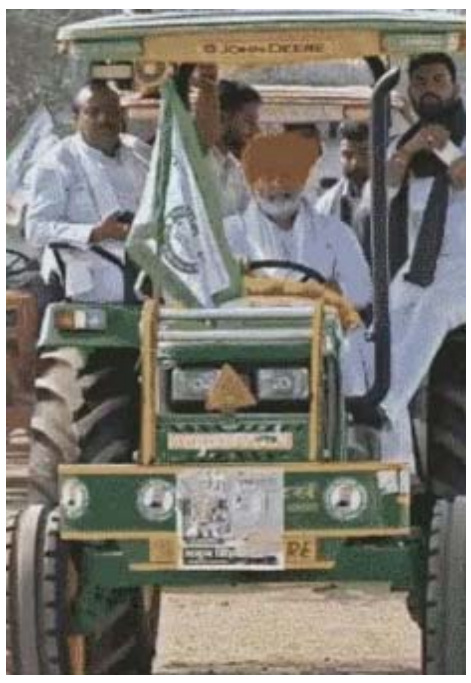

प्रयागराज। भारतीय किसान यूनियन की ओर से प्रयागराज के मुंडेरा में किसान क्रांति महापंचायत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने किसानों की समस्याओं को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने खाद, बिजली और पानी की उपलब्धता का मुद्दा उठाते हुए किसानों को हो रही परेशानियों पर चिंता जताई।चौधरी राकेश टिकैत ने आरोप लगाया कि सरकार जमीन अधिग्रहण के नाम पर किसानों की जमीन ले रही है। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है। इससे खेती के प्रति किसानों का मोहभंग हो रहा है। कहा कि सरकार किसानों को खास तौर पर युवाओं को खेती से दूर करने का प्रयास कर रही है। टिकैत ने आशंका जताई कि ऐसी परिस्थितियों में किसान खेती को घाटे का सौदा मानकर अपनी जमीन उद्योगपतियों को कम कीमत पर बेचने के लिए मजबूर हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि इससे किसान जमीन अधिग्रहण का विरोध करने के बजाय सरकार की ओर से तय की गई दरों पर सहमत होने की स्थिति में आ सकते हैं।राकेश टिकैत ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री ने किसानों की आमदनी दोगुनी करने की बात कही थी। आमदनी तो नहीं बढ़ी, लेकिन खर्चे और बढ़ गए। यह सरकार बेशर्म और बेहया है। यह बड़े उद्योगपतियों की सरकार है। किसानों ने 13 महीने तक आंदोलन चलाया। यह ऐसी सरकार है, जिसने अपनी राजधानी को घिरा रहने दिया।टिकैत ने भाजपा सरकार पर वोट चोरी, किसानों का धान खरीदने में गड़बड़ी, मंदिरों के चंदे और युवाओं की नौकरियों से जुड़े मुद्दों को लेकर भी आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि सरकार का पूरा गैंग है, जबकि विपक्ष उस तरह की लड़ाई नहीं लड़ रहा, जैसी लड़नी चाहिए। देश में किसान ही असली लड़ाई लड़ रहा है। खर्च और कर्ज बढ़ गए हैं, जबकि किसानों की आमदनी घट गई है।

प्रयागराज कराटे अकादमी का शानदार प्रदर्शन, हासिल किया दूसरा स्थान

11वीं आईजेकेए यूपी स्टेट कराटे चौंपियनशिप-2026 का आयोजन



प्रयागराज। 11वीं आईजेकेए यूपी स्टेट कराटे चौंपियनशिप–2026 का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रयागराज सहित फतेहपुर, संत कबीर नगर, आजमगढ़, गोरखपुर और चंदौली की टीमों ने प्रतिभाग किया। विभिन्न जिलों के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, तकनीक और खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में पदकों के आधार पर प्रयागराज कराटे अकादमी ने दूसरा स्थान हासिल कर जिले का गौरव बढ़ाया।प्रतियोगिता में प्रयागराज कराटे अकादमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 22 पदक अपने नाम किए। इनमें 13 स्वर्ण, सात रजत और दो कांस्य पदक शामिल रहे।स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ीरू सिद्धि मिश्रा, ज्योत्सना, जाह्नवी, अर्घ, अर्नव, श्रेयांस, अद्रित, उत्कर्ष, ईशान, अद्विता, अंबिका, अन्वेषा और अंबिका यादव ने स्वर्ण पदक हासिल कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।रजत पदक विजेता खिलाड़ीरू दिव्या, दृष्टि, आध्या, आदर्श, अभिनव, हर्षिका और आयुषी ने रजत पदक जीतकर अकादमी का मान बढ़ाया।कांस्य पदक विजेता खिलाड़ीरू नृमण्या और शौर्य ने कांस्य पदक हासिल कर प्रतियोगिता में अपनी सफलता दर्ज कराई।प्रतियोगिता का उद्घाटन इलाहाबाद कराटे एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश कुशवाहा ने किया। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें खेल भावना के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लेने और निरंतर अभ्यास के माध्यम से बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

मिशन शक्ति चौक घंटाघर पर गूंजा महिला सशक्तिकरण का संदेश



प्रयागराज। महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण के उद्देश्य से आज चौक घंटाघर, प्रयागराज में मिशन शक्ति के अंतर्गत जिला महिला व्यापार मंडल एवं रोटरी क्लब प्रयागराज प्लैटिनम के संयुक्त तत्वावधान में एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया गया।नुक्कड़ नाटक को देखने के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं एवं स्थानीय नागरिक एकत्रित हुए। कलाकारों ने अपने प्रभावशाली अभिनय के माध्यम से महिला सुरक्षा, सामाजिक जागरूकता और महिलाओं के सम्मान जैसे महत्वपूर्ण विषयों को प्रस्तुत किया। नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति संस्था स्वांग रंग के कलाकारों ने निर्देशक श्री सचिन चंद्र के निर्देशन में दी। प्रस्तुति देने वाले कलाकारों में हर्षिता तिवारी, मुस्कान दास, दिव्यांशी अग्रहरि, हर्ष पांडेय एवं पंकज पांडेय शामिल रहे।इस अवसर पर जिला महिला व्यापार मंडल की अध्यक्ष श्रीमती अवंतिका टंडन, महासचिव श्रीमती हिना खान एवं कोषाध्यक्ष श्रीमती वंदना त्रिपाठी, मालती की उपस्थिति रही। वहीं, रोटरी क्लब प्रयागराज प्लैटिनम की ओर से अध्यक्ष अजय शर्मा, सचिव प्रमय मित्तल, नितिन चोपड़ा, श्रीमती नेहा जायसवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।कार्यक्रम में पुलिस प्रशासन की ओर से कोतवाल सुधीर सिंह, घंटाघर चौकी प्रभारी अनूप वर्मा, थाना कोतवाली की मिशन शक्ति प्रभारी श्रीमती सौभया गुप्ता, कांस्टेबल राहुल गौतम, कांस्टेबल राजकुमार, कांस्टेबल विशेषता , महिला कांस्टेबल, प्रतिभा पांडेय एवं महिला कांस्टेबल,ज्योति देवी उपस्थित रहे।यह कार्यक्रम ए सी पी निकिता श्रीवास्तव के निर्देशन आयोजित किया गया।

टीजीटी-पीजीटी भर्ती को लेकर छात्रों ने घेरा शिक्षा निदेशालय, किया प्रदर्शन



प्रयागराज। टीजीटी–पीजीटी भर्ती में पुरानी नियमावली बहाल करने की मांग को लेकर सोमवार को सैकड़ों प्रतियोगी छात्र शिक्षा निदेशालय पहुंच गए। छात्रों ने गेट के सामने सड़क पर बैठकर नारेबाजी की और चक्काजाम कर दिया। प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों की मांग है कि जारी विज्ञापन में संशोधन कर प्रभावित अभ्यर्थियों को परीक्षा में शामिल होने का एक अवसर दिया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि मांग पूरी होने तक धरना खत्म नहीं करेंगे।पुलिस ने निदेशालय के मुख्य गेट पर बैरियर लगाकर छात्रों को रोक दिया। अभ्यर्थियों ने प्रशासन से वार्ता कर शासन स्तर पर लिखित आदेश जारी करने की मांग की है। शिक्षा निदेशालय पहुंचने के बाद अभ्यर्थियों ने सड़क पर बैठकर चक्काजाम कर दिया। पुलिस ने मुख्य गेट पर बैरियर लगाकर उन्हें परिसर में जाने से रोक दिया। इस दौरान सड़क से हटने को लेकर प्रदर्शनकारियों और पुलिसकर्मियों के बीच बहस भी हुई। छात्र हाथों में पोस्टर लेकर अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी करते रहे।अभ्यर्थियों का कहना है कि उन्होंने पुरानी नियमावली और परीक्षा पैटर्न के आधार पर कई वर्षों तक तैयारी की है। नई नियमावली लागू होने से वे भर्ती प्रक्रिया में अवसर गंवा रहे हैं। इसलिए जारी विज्ञापन में संशोधन कर उन्हें परीक्षा में शामिल होने का एक मौका दिया जाए।

सुरजीत सिंह जोबन स्मृति राष्ट्रीय साहित्य गौरव सम्मान से नवाजे गए डा. दयाराम मौर्य रत्न

प्रयागराज। अहिन्दी भाषी हिन्दी लेखक संघ दिल्ली, साहित्य कलश पटियाला एवं हिन्दी अकादमी दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय साहित्यकार सम्मेलन –2026 में बेल्हा के प्रमुख साहित्यकार डॉ. दयाराम मौर्य श्रत्नश को उनके अमूल्य साहित्यिक योगदान हेतु ष्सुरजीत सिंह जोबन स्मृति राष्ट्रीय साहित्य गौरव सम्मानष से समलंकृत किया गया। यह सम्मान देश के प्रख्यात साहित्यकार सुभाष वशिष्ठ, चमनजीत सिंह, हरजीत कौर, सागर सूद एवं सोनू सिंह ने प्रदान किया।

इसी मंच पर राधेश्याम दीवाना और कुंजबिहारी लाल मौर्य काका श्री भी सम्मानित हुए। तीनों सम्मानित साहित्यकारों के उद्बोधन और काव्यपाठ की खूब सराहना हुई। उक्त उपलब्धि पर एलायंस क्लब इंटरनेशनल के निदेशक रोशनलाल ऊमरवैश्य, अम्मा साहेब ट्रस्ट के ट्रस्टी आनन्द मोहन ओझा, विकास अधिकारी राजीव कुमार आर्य, तमिल – हिन्दी – अवधी विद्वान डॉ. एम. गोविन्द राजन, साहित्य भूषण हरीलाल मिलन, राकेश कनौजिया ने बधाई दी और कहा कि इससे जनपद का गौरव बढ़ा है।

भाजपा कार्यालय में मनाई गई वाल्मीकि जयंती

प्रयागराज। सोमवार को सिविल लाइन स्थित भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में भाजपा अनुसूचित मोर्चा द्वारा महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई गई। मोर्चा कार्यकर्ताओं ने महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया। इस अवसर पर भाजपा महानगर पदाधिकारियों ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि वही महापुरुष हैं जिन्होंने विश्व प्रसिद्ध पवित्र ग्रंथ श्रामायणश की रचना की। रामायण केवल एक ग्रंथ नहीं है, बल्कि यह हमें जीवन जीने का सही तरीका, कर्तव्य, मर्यादा और सत्य का मार्ग सिखाती है। उनका जीवन परिवर्तन का एक अद्भुत उदाहरण है। अपनी तपस्या और ज्ञान के बल पर उन्होंने समाज को यह संदेश दिया कि व्यक्ति अपने जन्म से नहीं, बल्कि अपने अच्छे कर्मों और विचारों से महान बनता है।

फर्जी पत्रकारों पर रोक के लिए यूनिक आईडी जरूरी

बाराबंकी/सुल्तानपुर। राष्ट्रीय संयोजक डॉ. आर सी श्रीवास्तव के दिशा–निर्देश पर जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया के अयोध्या मण्डल के पत्रकार बंधुओं की एक महत्वपूर्ण वर्चुअल बैठक आयोजित हुई। बैठक में सभी पत्रकारों ने एक–दूसरे से परिचय किया और संगठन को मजबूत करने पर चर्चा की। बैठक का मुख्य विषय पत्रकार सुरक्षा कानून और राष्ट्रीय यूनिक आईडी रहा। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनुराग सक्सेना द्वारा उठाई गई मांग पर गहन मंथन हुआ। सभी ने एकमत से कहा कि फर्जी पत्रकारों पर रोक के लिए यूनिक आईडी और सच लिखने पर होने वाले हमलों को रोकने के लिए गैर–जमानती सुरक्षा कानून बेहद जरूरी है। मंडल अध्यक्ष बी त्रिपाठी ने बताया कि माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनुराग सक्सेना जी द्वारा संगठन की ओर से एक पत्र राष्ट्रीय डिजिटल पंजीकरण पोर्टल स्थापित करने की मांग का माननीय प्रधानमंत्री जी को भेजा गया है इसी के साथ एक पत्र बांसी लोकसभा सांसद छत्रपाल गंगवार जी द्वारा व एक पत्र उत्तर प्रदेश के वन्य एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. अरुण कुमार जी द्वारा भी माननीय प्रधानमंत्री जी संगठन के आग्रह पर भेजा गया है। इस मौके पर मण्डल अध्यक्ष बी त्रिपाठी, मण्डल महासचिव नीरज तिवारी, जिलाध्यक्ष सुल्तानपुर रामानंद मिश्रा, जिलाध्यक्ष बाराबंकी अशोक कुमार सिंह, महासचिव सुल्तानपुर रणविजय सिंह, तहसील सिरौलीगौसपुर प्रभारी ललित शुक्ला, हैदरगढ़ प्रभारी ओम प्रकाश श्रीवास्तव, रामनगर तहसील प्रभारी अंजनी कुमार अवस्थी, पत्रकार सत्य नारायण गुप्ता व पत्रकार विवेक कुमार अग्रहरि मौजूद रहे।

राहुल गांधी के काफिले की पांच गाड़ियां भिड़ीं, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर हलियापुर के पास हादसा, एंबुलेंस समेत वाहन क्षतिग्रस्त, राहुल गांधी सुरक्षित , घटना की जांच के लिए तीन सदस्यीय एसआईटी गठित



बल्दीराय/सुलतानपुर। कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के सुलतानपुर दौरे के दौरान सोमवार सुबह पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर उनके काफिले के पीछे चल रहे वाहनों की आपस में टक्कर हो गई। हादसा हलियापुर थाना क्षेत्र में माइलस्टोन 89.5 के पास करीब 10.15 बजे हुआ। दुर्घटना में काफिले में शामिल चार कारों और एक एंबुलेंस के क्षतिग्रस्त होने की जानकारी सामने आई है। राहुल गांधी की गाड़ी हादसे से पहले आगे निकल चुकी थी और वह सुरक्षित सुलतानपुर की एमपी–एमएलए अदालत पहुंचे।

पुलिस के अनुसार काफिले में आगे चल रहे एक निजी वाहन के चालक द्वारा अचानक ब्रेक लगाए जाने के बाद पीछे चल रहे वाहनों के बीच टक्कर हुई। हालांकि हादसे की पूरी परिस्थितियां और टक्कर का क्रम अभी जांच का विषय है। पुलिस ने घटना के बाद क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर एक्सप्रेसवे पर यातायात व्यवस्था सामान्य कराई। हादसे में कुछ लोगों को मामूली चोटें आने की सूचना है। किसी के गंभीर रूप से घायल होने की पुष्टि नहीं हुई है। राहुल गांधी पूरी तरह सुरक्षित रहे और उनका सुलतानपुर की ओर आगे का कार्यक्रम जारी रहा।

एसआईटी करेगी हादसे की समग्र जांचघटना की गंभीरता को देखते हुए उत्तर प्रदेश पुलिस मुख्यालय ने तीन सदस्यीय विशेष जांच दल गठित किया है। टीम की अध्यक्षता लखनऊ परिक्षेत्र की पुलिस महानिरीक्षक किरण एस. करेंगी। अपर पुलिस अधीक्षक, सुलतानपुर बृज नारायण सिंह और पुलिस उपाधीक्षक यातायात सुलतानपुर राम कृष्ण चतुर्वेदी को सदस्य बनाया गया है। एसआईटी हादसे के वास्तविक कारणों और परिस्थितियों की जांच के साथ यह भी देखेगी कि काफिले की सुरक्षा, एस्कॉर्ट व्यवस्था और यातायात प्रबंधन में कहीं कोई चूक तो नहीं हुई। टीम को भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक सुझाव देने और विस्तृत रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

हादसे ने वीआईपी काफिले के संचालन के दौरान वाहनों के बीच सुरक्षित दूरी, अचानक ब्रेक अथवा रुकने की स्थिति में संचार और एस्कॉर्ट वाहनों के समन्वय को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं।

मां भगवती के भक्तगणों की सेवा पुनीत कार्य के साथ कल्याण का प्रशस्त मार्ग भी है-प्राचार्य

सुल्तानपुर। ऐतिहासिक दुर्गापूजा महोत्सव के अवसर पर प्रदेश की अग्रणी स्वयंसेवी संस्था प्रताप सेवा समिति के द्वारा प्रतिवर्ष चिकित्सा शिविर के माध्यम से मेंले में आने वाले भक्तगणों की सेवा के लिए संस्था के पदाधिकारी व सदस्यगण महत्वपूर्ण भूमिका में रहकर मॉ दुर्गा के विसर्जन तक डाकखाना चौराहा स्थित चिकित्सा शिविर में आने वाले भक्तगणों को चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराते है,रविवार को स्वशासी राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य डां.हरेंद्र कुमार के द्वारा चिकित्सा शिविर का उद्घाटन करते हुए कहाकि मॉ भगवती के भक्तगणों की सेवा अपने आप में पुनीत कार्य के साथ–साथ स्वयं के कल्याण का मार्ग भी प्रशस्त करता है।

अतीक ने राजमिस्त्री मदन लाल के नाम से बेनामी संपत्ति बनाई थी

प्रयागराज। मदन लाल के नाम से बनाई गई माफिया अतीक अहमद की बेनामी संपत्ति में शामिल कई बीघा जमीन और जब्त की गई है। कैंट थाने की पुलिस ने एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के अलग–अलग हिस्से में स्थित कुल 13 आराजी में चिह्नित जमीन पर मुनादी कराते हुए कुर्की का बोर्ड लगवाया।माफिया अतीक अहमद ने राजमिस्त्री हुबलाल के अलावा चकिया निवासी मदन लाल के नाम से भी करोड़ों रुपये की प्रापर्टी बनाई थी। गैंग्सटर एक्ट के मुकदमे की जांच के दौरान जुलाई 2026 में पुलिस को पता चला कि मदन लाल भारतीया के नाम पर सदर तहसील में वर्ष 2014 से लेकर 2016 के बीच गौसपुर कटहुला, भीटी असदुल्लापुर और शाहा उर्फ पीपलगांव में करीब 12 एकड़ से अधिक जमीन खरीदी थी।

तब तत्कालीन पुलिस कमिश्नर जोगेंद्र कुमार की कोर्ट ने बेनामी संपत्ति को कुर्क करने का आदेश दिया। उस आदेश के अनुपालन में थाना प्रभारी कैंट अमरनाथ राय ने माफिया अतीक की एक अरब 10 करोड़ की बेनामी संपत्ति को जब्त किया। बताया गया है कि मदन लाल के नाम से चिन्हित बेनामी जमीन का कुछ हिस्सा बचा हुआ था, जिसको जब्त करने की कार्रवाई रविवार को कैंट पुलिस ने राजस्व कर्मियों के साथ की।

हिन्दी दैनिक

जन विचार प्रवाह

जौनपुर,मंगलवार 27 अक्टूबर, 2026

लगातार गिरावट के बाद सोने-चांदी में लौटी चमक, सिल्वर में 0.74 प्रतिशत की उछाल, फेड बैठक पर निवेशकों की नजर



नई दिल्ली ,26 अक्टूबर , । कई दिनों की लगातार गिरावट के बाद हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में रिकवरी देखने को मिली। पिछले सप्ताह सोना और चांदी दोनों तेज दबाव में रहे थे, लेकिन कारोबारी सप्ताह के पहले दिन अंतरराष्ट्रीय और घरेलू बाजारों में खरीदारी लौटने से दोनों कीमती धातुओं के भाव में तेजी दर्ज की गई। हालांकि बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि यह फिलहाल तकनीकी रिकवरी है और निवेशकों की नजर अमेरिकी फेडरल रिजर्व की 27–28 अक्टूबर को होने वाली नीतिगत बैठक और अमेरिका के पीसीई मुद्रास्फीति आंकड़ों पर बनी हुई है।मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का दिसंबर वायदा भाव करीब 0.50 प्रतिशत यानी 761 रुपए चढ़कर 1,42,733 रुपए प्रति 10 ग्राम के आसपास कारोबार करता दिखाई दिया। वहीं चांदी का दिसंबर वायदा भाव 0.49 प्रतिशत यानी 968 रुपए की तेजी के साथ 1,96,687 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया।वहीं दिन के कारोबार में सोना एक समय अपने पिछले बंद भाव 1,42,024 रुपए से 864 रुपए यानी 0.60 प्रतिशत उछलकर 1,42,888 रुपए प्रति 10 ग्राम के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था, तो वहीं चांदी एक समय अपने पिछले बंद 1,95,719 रुपए से 1,467 रुपए यानी 0.74 प्रतिशत उछलकर 1,97,186 रुपए के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थी।पिछले सप्ताह सोना करीब 4 प्रतिशत और चांदी 7 प्रतिशत से अधिक टूट गई थी, ऐसे में निवेशकों ने निचले स्तरों पर खरीदारी दिखाई।अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर भी सोना और चांदी दोनों में सुधार देखा गया। सोमवार सुबह के कारोबार में सोना 0.48 प्रतिशत चढ़कर 4,027 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखाई दिया, हालांकि इसने 0.50 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त के साथ 4,032.90 डॉलर प्रति औंस का उच्चतम स्तर छुआ।वहीं, सुबह के कारोबार में चांदी 0.74 प्रतिशत की बढ़त के साथ 54.35 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करती नजर आई। हालांकि कारोबारी सत्र में इसने 0.90 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी के साथ 54.47 डॉलर प्रति औंस का उच्चतम स्तर छुआ।गौरतलब है कि पिछले सप्ताह स्पॉट गोल्ड पहली बार जुलाई के बाद 4,000 डॉलर प्रति औंस के नीचे फिसल गया था, जिससे बाजार में भारी दबाव बन गया था।विश्लेषकों के अनुसार, 4,000 डॉलर का स्तर सोने के लिए एक महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक समर्थन (सपोर्ट) क्षेत्र साबित हो रहा है। हालिया गिरावट के बाद इस स्तर पर खरीदारी लौटने से कीमतों को सहारा मिला है। हालांकि अभी भी बाजार में सावधानी बनी हुई है क्योंकि ऊंची ऊर्जा कीमतें महंगाई संबंधी चिंताओं को बढ़ा रही हैं।बाजार की सबसे बड़ी नजर अब अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक पर है। विशेषज्ञों के अनुमानों के मुताबिक, अक्टूबर की बैठक में ब्याज दर बढ़ने की संभावना सीमित है, लेकिन दिसंबर में दर बढ़ोतरी की आशंका अभी भी बनी हुई है। यही वजह है कि सोने और चांदी में बड़े निवेशक फिलहाल सतर्क रुख अपना रहे हैं।बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि इस सप्ताह जारी होने वाले अमेरिकी पर्सनल कंजम्पशन एक्सपेंडिचर (पीसीई) मुद्रास्फीति आंकड़े बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे। यदि महंगाई उम्मीद से अधिक रहती है तो ब्याज दरों को लंबे समय तक ऊंचा बनाए रखने की संभावना बढ़ सकती है, जो सोने और चांदी के लिए नकारात्मक संकेत माना जाएगा।बाजार विश्लेषकों के मुताबिक, चांदी ने सोने की तुलना में बेहतर रिकवरी दिखायी है। कॉमेक्स और एमसीएक्स दोनों में चांदी के भाव में अपेक्षाकृत अधिक तेजी दर्ज की गई। इसके बावजूद तकनीकी संकेत बताते हैं कि चांदी अभी भी ओवरसोल्ड जोन से पूरी तरह बाहर नहीं निकली है।एमसीएक्स पर चांदी के लिए 2 लाख रुपए से 2.02 लाख प्रति किलोग्राम का स्तर महत्वपूर्ण प्रतिरोध (रेजिस्टेंस) माना जा रहा है, जबकि नीचे की ओर 1.92 लाख रुपए से 1.94 लाख का क्षेत्र मजबूत समर्थन के रूप में देखा जा रहा है।इस बीच, कच्चे तेल की चाल भी कीमती धातुओं पर असर डाल सकती है। ब्रेंट क्रूड हाल के दिनों में 110 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गया था। ऊंचे तेल दाम महंगाई बढ़ाने का जोखिम पैदा करते हैं, जिससे केंद्रीय बैंक ब्याज दरों में कटौती को टाल सकते हैं। यही कारण है कि ऊर्जा बाजार, डॉलर इंडेक्स और बॉन्ड यील्ड पर निवेशकों की नजर बनी हुई है।

Zimbabwe के खिलाफ ODI शतक पर बोलीं Deepti Sharma, शतक से ज्यादा साझेदारी जरूरी थी



भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने जिम्बाब्वे के खिलाफ नाबाद 106 रन बनाकर नौ साल बाद अपना दूसरा वनडे शतक जड़ा। उन्होंने हरमनप्रीत कौर के साथ 153 रन की साझेदारी कर भारत को 121 रन से शानदार जीत दिलाई। दीप्ति ने बताया कि उनका मुख्य ध्यान शतक बनाने के बजाय टीम के लिए मजबूत साझेदारी निभाने पर था। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा नौ साल के लंबे इंतजार के बाद वनडे में अपना दूसरा शतक लगाने से खुश हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे मैच में इसके बजाय वह पूर्व कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ साझेदारी निभाने के बारे में सोच रही थी। दीप्ति ने अपना पहला वनडे शतक मई 2017 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बनाया था। तब उन्होंने 160 गेंदों पर 188 रन बनाए थे। उन्होंने रविवार को भारत की जिम्बाब्वे के खिलाफ 121 रन की जीत में नाबाद 106 रन बनाकर इस प्रारूप में अपना दूसरा शतक बनाया। दीप्ति ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, "मुझे पूरा भरोसा था कि मैं देर–सवेर शतक बनाने में कामयाब रहूंगी। शतक के बजाय मैं यह सोच रही थी कि हम उस स्थिति में कैसे अच्छी साझेदारी निभा सकते हैं।"

ग्रोथ अनुमान घटाने से श्रीराम फाइनेंस के शेयरों में 6 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट, 11 महीने के निचले स्तर पर पहुंचा स्टाक



नई दिल्ली ,26 अक्टूबर , । सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को एनबीएफसी कंपनी श्रीराम फाइनेंस के शेयरों में जोरदार बिकवाली देखने को मिली। कंपनी द्वारा ऋण वृद्धि (लोन ग्रोथ) के अनुमान में कटौती और क्रेडिट लागत बढ़ने की आशंका जताने के बाद निवेशकों ने शेयर से दूरी बनाई, जिसके चलते यह निफ्टी का सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला शेयर बन गया। दिन के कारोबार के दौरान कंपनी का शेयर 6.33 प्रतिशत तक टूटकर 810.20 रुपए के इंट्रा–डे निचले स्तर पर पहुंच गया। दोपहर करीब 12रू10 बजे यह स्टॉक 5.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ 821.20 रुपए पर कारोबार करता नजर आया।शेयर में गिरावट ऐसे समय आई है जब कंपनी ने दूसरी तिमाही में उम्मीद से बेहतर मुनाफा दर्ज किया है। हालांकि निवेशकों का ध्यान कंपनी के भविष्य के आउटलुक पर रहा। श्रीराम फाइनेंस ने वित्त वर्ष 2026–27 के लिए अपने एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) वृद्धि अनुमान को 18 प्रतिशत से घटाकर 15–17 प्रतिशत कर दिया है। कंपनी ने इसके पीछे कमजोर मानसून, भू–राजनीतिक अनिश्चितताओं और सूखा प्रभावित क्षेत्रों में कर्जदारों पर बढ़ते वित्तीय दबाव को प्रमुख कारण बताया है।विश्लेषकों का कहना है कि कंपनी की परिसंपत्ति गुणवत्ता (एसेट क्वालिटी) को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। वैश्विक ब्रोकरेज जैफरीज के अनुसार महाराष्ट्र, कर्नाटक और तेलंगाना जैसे राज्यों में दबाव के कारण अगले एक–दो तिमाहियों तक क्रेडिट लागत ऊंची बनी रह सकती है।वहीं घरेलू ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल ने कहा कि बढ़ते स्लिपेज और राइट–ऑफ यह संकेत देते हैं कि कई क्षेत्रों में सूखा जैसी परिस्थितियों का असर उधारकर्ताओं की भुगतान क्षमता पर पड़ा है। हालांकि संस्था का मानना है कि कुल मिलाकर कंपनी की एसेट क्वालिटी अभी भी अपेक्षाकृत स्थिर बनी हुई है।ब्रोकरेज ने अपनी रिपोर्ट में कहा, ष्कंपनी के तिमाही नतीजे मिश्रित रहे। उच्च नेट इंटरेस्ट मार्जिन (एनआईएम) और कम परिचालन खर्च के कारण प्री–प्रोविजन ऑपरेटिंग प्रॉफिट (पीपीओपी) अनुमान से बेहतर रहा, लेकिन अधिक क्रेडिट लागत के कारण अंतिम मुनाफा उम्मीदों के अनुरूप रहा। एयूएम में 17 प्रतिशत की सालाना वृद्धि भी अनुमान से बेहतर रही।इसी तरह, जेएम फाइनेंशियल ने भी शुरुआती डिफॉल्ट मामलों में बढ़ोतरी और ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय दबाव को प्रमुख चिंता बताया है। ब्रोकरेज के अनुसार, सूखा जैसी परिस्थितियों के कारण एसेट क्वालिटी संकेतकों में गिरावट देखने को मिल रही है, जो आने वाले समय में चुनौती बनी रह सकती है।हालांकि विशेषज्ञों का यह भी मानना ह कि हालिया इक्विटी निवेश और कंपनी की क्रेडिट रेटिंग का एएए स्तर तक सुधरना भविष्य में मार्जिन पर दबाव को कुछ हद तक कम करने में मदद कर सकता है।शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, श्रीराम फाइनेंस के शेयर में पिछले एक महीने के दौरान करीब 14 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है। बीएसई पर शेयर का 52 सप्ताह का उच्चतम स्तर 1,153.65 रुपए और न्यूनतम स्तर 710.40 रुपए दर्ज किया गया है। कंपनी के आउटलुक को लेकर बढ़ी चिंताओं के कारण फिलहाल निवेशकों का रुख सतर्क बना हुआ है।

Team India की Death Overs गेंदबाजी बनी न्यूजीलैंड की हार की वजह, बोले Michael Bracewell

न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर माइकल ब्रैसवेल ने सोमवार को कहा कि भारतीय गेंदबाजों ने मौजूदा टी20 श्रृंखला के दौरान डेथ ओवरों में उनके बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा है जो उनकी टीम का पहला दो मैच में हार का प्रमुख कारण रहा है। ब्रैसवेल से जब उन कुछ प्रमुख क्षेत्रों की बात करने के लिए कहा गया जिनमें वह कमजोर नजर आए तो उन्होंने कहा कि उनकी टीम को अधिक रन बनाने की जरूरत थी लेकिन भारत की डेथ ओवरों की शानदार गेंदबाजी के कारण वह ऐसा नहीं कर पाए।

न्यूजीलैंड पहले मैच में 225 और दूसरे मैच में 180 रन का बचाव नहीं कर पाया। ब्रैसवेल ने तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की पूर्व संध्या पर कहा, "मुझे लगता है कि उन्होंने हमें दबाव में रखा, खासकर गेंदबाजी करते हुए डेथ ओवरों में। इन दोनों मैच में काफी रन बने इसलिए उन्होंने एकतरफा जीत हासिल नहीं की। इस तरह के मैचों में महत्वपूर्ण अवसरों पर अच्छा प्रदर्शन करना जरूरी होता है। भारत ने ऐसा किया और उम्मीद है कि आगे हम ऐसा करने में सफल रहेंगे।" भारतीय गेंदबाजों ने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के आखिरी दो ओवरों में 26 रन दिए और दूसरे मैच के आखिरी दो ओवरों में 23 रन देकर मेजबान टीम को नियंत्रण में रखा। लेकिन ब्रैसवेल का मानना ष्है कि न्यूजीलैंड अपना संपूर्ण प्रदर्शन करने के लगभग करीब है।

देश की शीर्ष 10 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.55 लाख करोड़ रुपए घटा, एचडीएफसी बैंक को सबसे अधिक नुकसान



मुंबई ,26 अक्टूबर , । पिछले सप्ताह भारत की 10 सबसे मूल्यवान सूचीबद्ध कंपनियों में से आठ का कुल बाजार पूंजीकरण 1.55 लाख करोड़ रुपए घट गया। इसकी वजह शेयर बाजार में बड़े स्तर पर बिकवाली होना था। इस दौरान एचडीएफसी बैंक और बजाज फाइनेंस के बाजार पूंजीकरण में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गई।छुट्टियों के कारण कम कारोबारी सत्र वाले सप्ताह के दौरान प्रमुख शेयर सूचकांकों पर भारी दबाव देखने को मिला। सेंसेक्स 1,605.44 अंक यानी 2.15 प्रतिशत गिर गया, जबकि निफ्टी में 546.15 अंक यानी 2.36 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।व्यापक बाजार में कमजोरी का असर दिखाते हुए बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण चार कारोबारी सत्रों में 20.79 लाख करोड़ रुपए घट गया। यह 16 अक्टूबर के 472.62 लाख करोड़ रुपए से गिरकर 451.83 लाख करोड़ रुपए पर आ गया।शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण में कुल 1,55,671.9 करोड़ रुपए की गिरावट आई। इसके विपरीत, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ऐसी दो कंपनियां रहीं, जिनके बाजार पूंजीकरण में सप्ताह के दौरान बढ़ोतरी दर्ज की गई।एचडीएफसी बैंक के बाजार पूंजीकरण में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गई। इसका बाजार पूंजीकरण 55,506.95 करोड़ रुपए घटकर 10.67 लाख करोड़ रुपए रह गया। सप्ताह के दौरान बैंक के शेयरों में करीब 5 प्रतिशत की गिरावट आई।बजाज फाइनेंस बाजार पूंजीकरण में गिरावट के मामले में दूसरे स्थान पर रहा। कंपनी का मूल्यांकन 34,180.51 करोड़ रुपए घटकर 5.77 लाख करोड़ रुपए रह गया।रिलायंस इंडस्ट्रीज के बाजार पूंजीकरण में भी बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इसका बाजार पूंजीकरण 27,065.08 करोड़ रुपए घटकर 16.10 लाख करोड़ रुपए रह गया। वहीं, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मूल्यांकन 21,062.24 करोड़ रुपए घटकर 4.81 लाख करोड़ रुपये पर आ गया।दूरसंचार क्षेत्र की प्रमुख कंपनी भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 9,360.75 करोड़ रुपए घटकर 11.79 लाख करोड़ रुपए रह गया, जबकि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मूल्यांकन 4,338.46 करोड़ रुपए घटकर 8.83 लाख करोड़ रुपए पर आ गया।इसी तरह, इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 2,881.38 करोड़ रुपए घटकर 4.69 लाख करोड़ रुपए रह गया, जबकि आईसीआईसीआई बैंक के मूल्यांकन में 1,276.53 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 10.02 लाख करोड़ रुपए पर आ गया।वहीं, बढ़त दर्ज करने वाली कंपनियों में टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 23,517.56 करोड़ रुपए बढ़कर 9.15 लाख करोड़ रुपए हो गया। इंजीनियरिंग और बुनियादी ढांचा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एलएंडटी ने भी नकारात्मक रुझान के विपरीत प्रदर्शन किया। इसका बाजार पूंजीकरण 1,788.66 करोड़ रुपए बढ़कर 5.02 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

भारत-नीदरलैंड्स आर्थिक रिश्तों को नई मजबूती, व्यापार और निवेश बढ़ाने पर जोर :पीयूष गोयल



नई दिल्ली ,26 अक्टूबर , । केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने नीदरलैंड्स के साथ व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग को और मजबूत बनाने की भारत की प्रतिबद्धता दोहराई है। अपनी नीदरलैंड्स यात्रा के दौरान उन्होंने समुद्री परिवहन, लॉजिस्टिक्स, सप्लाई चेन और भारतीय समुदाय से जुड़े कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया तथा दोनों देशों के बीच नई आर्थिक संभावनाओं पर चर्चा की।एक आधिकारिक बयान के अनुसार, अपनी यात्रा के दौरान गोयल ने यूरोप के सबसे बड़े बंदरगाह पोर्ट ऑफ रॉटरडैम का दौरा किया, जहां उनके साथ बंदरगाह के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बोडेवाइन सीमोंस भी मौजूद थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रॉटरडैम यूरोपीय बाजारों तक भारतीय उत्पादों की पहुंच का एक महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार है और वैश्विक व्यापार तथा आपूर्ति शृंखलाओं में इसकी रणनीतिक भूमिका बेहद अहम है।गोयल ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच पोर्ट–आधारित विकास, लॉजिस्टिक्स दक्षता में सुधार, सप्लाई चेन कनेक्टिविटी को मजबूत करने और व्यापार एवं निवेश के नए अवसरों को बढ़ावा देने पर विचारों का आदान–प्रदान हुआ। उन्होंने कहा कि भारत अपने बंदरगाहों के आधुनिकीकरण और विश्वस्तरीय समुद्री अवसंरचना के विकास पर तेजी से काम कर रहा है तथा इस क्षेत्र में नीदरलैंड्स की विशेषज्ञता भारत के लिए काफी उपयोगी हो सकती है।उन्होंने कहा कि भारत और नीदरलैंड्स के बीच समुद्री क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की अपार संभावनाएं हैं, विशेष रूप से ऐसे समय में जब भारत–यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर बातचीत अंतिम चरण में पहुंच रही है।भारत–ईयू एफटीए लागू होने के बाद भारतीय निर्यातकों के लिए यूरोपीय बाजारों में बड़े अवसर पैदा होंगे। ऐसे में नीदरलैंड्स के अत्याधुनिक बंदरगाह, मजबूत लॉजिस्टिक्स नेटवर्क और यूरोप के विभिन्न बाजारों से उसकी उत्कृष्ट कनेक्टिविटी भारत–यूरोप व्यापार को नई गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।बयान में आगे कहा गया है कि अपने दौरे के दौरान गोयल ने एम्स्टर्डम स्थित वाल्डोर्फ एस्टोरिया में भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित भारतीय समुदाय के एक कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया, जिसमें लगभग 70 भारतीय मूल के कारोबारी, पेशेवर और सामुदायिक प्रतिनिधि शामिल हुए।गोयल ने भारतीय समुदाय की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि प्रवासी भारतीय, भारत और नीदरलैंड्स के बीच आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संबंधों को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच लोगों के स्तर पर बढ़ते संपर्क आर्थिक सहयोग को और मजबूत आधार प्रदान कर रहे हैं।इस कार्यक्रम के दौरान समुद्री लॉजिस्टिक्स, व्यापार, निवेश और भारत–ईयू एफटीए के संदर्भ में उभरती संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। साथ ही भारत और यूरोप के बीच गहरी आर्थिक एकीकरण प्रक्रिया में नीदरलैंड्स की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताया गया।

New Zealand दौरे की तैयारीः टेस्ट सीरीज से पहले इंडिया ए मैच में उतरेंगे जसप्रीत बुमराह और पंत



जसप्रीत बुमराह और ऋषभ पंत को न्यूजीलैंड ए के खिलाफ तीसरे अनौपचारिक टेस्ट के लिए इंडिया ए टीम में चुना गया है। हालांकि, पंत का मैदान पर उतरना बीसीसीआई मेडिकल टीम की फिटनेस रिपोर्ट पर निर्भर रहेगा। दोनों खिलाड़ी आगामी टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ट्रेनिंग ले रहे हैं।भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, इंडिया ए और न्यूजीलैंड ए के बीच होने वाले तीसरे अनौपचारिक टेस्ट मैच में हिस्सा लेंगे। यह मैच 7 से 10 नवंबर तक लिंकन में खेला जाएगा। विकेटकीपर–बल्लेबाज ऋषभ पंत को भी टीम में शामिल किया गया है, लेकिन उनका खेलना ठब्ब्की मेडिकल टीम से फिटनेस क्लीयरेंस मिलने पर निर्भर करेगा। क्रिकइन्फो की रिपोर्ट के अनुसार, बुमराह और पंत दोनों को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली आगामी दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। इस सीरीज के मैच 19 से 23 नवंबर तक वेलिंगटन में और 27 नवंबर से 1 दिसंबर तक क्राइस्टचर्च में खेले जाएंगे।फिलहाल, बुमराह और पंत न्यूजीलैंड दौरे की तैयारी के लिए बेंगलुरु में ठब्ब्के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (ब्यम) में ट्रेनिंग कर रहे हैं। पंत शुक्रवार को वहां पहुंचे, जबकि बुमराह सोमवार को शामिल हुए। ब्यम में बुमराह का समय, राष्ट्रीय टीम में शामिल होने से पहले जरूरी श्रिटर्न–टू–प्लेश प्रोटोकॉल का हिस्सा है। उनके 1 नवंबर को न्यूजीलैंड के लिए रवाना होने की उम्मीद है। इस तेज गेंदबाज ने आखिरी बार अक्टूबर की शुरुआत में जापान में एशियाई खेलों के दौरान भारत के लिए खेला था, जहां टीम ने स्वर्ण पदक जीता था। उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू व्हाइट–बॉल सीरीज और न्यूजीलैंड दौरे पर चल रहे ज्20ष् और व्क्ष् मैचों के लिए आराम दिया गया था।पंत अक्टूबर की शुरुआत में ईशनी कप के दौरान लगी श्साइड स्ट्रेनश (पसलियों के पास की चोट) से उबर रहे हैं। उस टूर्नामेंट में उन्होंने श्रेस्ट ऑफ इंडियाश टीम की कप्तानी की थी और जम्मू–कश्मीर के खिलाफ जीत दिलाई थी। इस चोट के कारण वह दिल्ली के लिए रणजी ट्रॉफी का पहला मैच और न्यूजीलैंड श्एश के घ्घखिलाफ शुरुआती दो अनौपचारिक टेस्ट नहीं खेल पाए। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने ब्यम (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) में हल्की ट्रेनिंग शुरू कर दी है, जिसमें बैटिंग ड्रिल शामिल हैं लेकिन उन्होंने अभी तक विकेटकीपिंग शुरू नहीं की है। तीसरे अनौपचारिक टेस्ट में उनका खेलना मेडिकल स्टाफ की मंजूरी पर निर्भर करेगा।न्यूजीलैंड श्एश के घ्घखिलाफ शुरुआती दो चार–दिवसीय मैचों में झारखंड के विकेटकीपर–बल्लेबाज कुमार कुशाग्र को पंत की जगह टीम में शामिल किया गया था। हाल ही में, ईशान किशन को दाहिने पैर में श्एडक्टर स्ट्रेनश (जांघ की मांसपेशियों में खिंचाव) होने के बाद, कुशाग्र को चल रही ज्20ष् सीरीज में किशन के बैकअप के तौर पर भी टीम में जोड़ा गया था।

न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारत तेज गेंदबाजी कवर की योजना बना रहा है, ऐसे में अर्शदीप सिंह को टेस्ट टीम में शामिल किए जाने की संभावना है

भारतीय गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने पुष्टि की है कि व्यस्त शेड्यूल और वर्कलोड मैनेजमेंट को देखते हुए अर्शदीप सिंह को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में कवर के तौर पर शामिल किया जा सकता है। हाल ही में अपना 100वां ज्20ष् खेलने वाले बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज का घरेलू रेड बॉल क्रिकेट में भी शानदार रिकॉर्ड रहा है।भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने पुष्टि की है कि न्यूजीलैंड के मौजूदा दौरे पर तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को रेड–बॉल क्रिकेट (टेस्ट) के लिए भी शामिल करने पर विचार किया जा रहा है। इस बाएं हाथ के गेंदबाज ने राष्ट्रीय टीम के लिए सबसे छोटे फॉर्मेट (ज्20) में अपनी काबिलियत साबित की है, लेकिन अभी तक उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू नहीं किया है। टीम मैनेजमेंट न्यूजीलैंड की परिस्थितियों में उनके प्रदर्शन से खुश है। वे पांच ज्20ष्, पांच वनडे और दो टेस्ट मैचों के दौरान खिलाड़ियों के वर्कलोड को मैनेज करने की योजना बना रहे हैं, और साथ ही लंबे फॉर्मेट के लिए विकल्पों पर भी विचार कर रहे हैं।तीसरे ज्20ष् से पहले, मोर्कल ने संकेत दिया कि भारत ऐसे गेंदबाजों की पहचान कर रहा है जो जरूरत पड़ने पर कवर के तौर पर उपलब्ध रह सकें। टेस्ट सीरीज के समय वहां की परिस्थितियों को देखते हुए ही अंतिम टीम संयोजन (कॉम्बिनेशन) तय किया जाएगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मोर्कल ने कहा कि हम कुछ गेंदबाजों को श्कवरश के तौर पर (टेस्ट मैचों के लिए) अपने साथ रोकने की योजना बना रहे हैं, क्योंकि हमारा शेड्यूल काफी व्यस्त है। मुझे लगता है कि जैसे–जैसे समय करीब आएगा और हमें साल के इस समय की परिस्थितियों (कंडीशंस) की बेहतर समझ हो जाएगी, तब हमें अपनी बॉलिंग यूनिट के स्वरूप के बारे में और भी स्पष्ट तस्वीर मिल जाएगी।कोच ने अर्शदीप की परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने की क्षमता पर भी भरोसा जताया। उन्होंने इस तेज गेंदबाज की कड़ी मेहनत और इस चुनौती के लिए उनकी उपयुक्तता का जिक्र किया। उन्होंने आगे कहा कि फिलहाल, हमारे पास गेंदबाजों का एक ऐसा समूह है जो हर तरह की परिस्थितियों में फिट

हिन्दी दैनिक

जन विचार प्रवाह

मनोरंजन

जौनपुर,मंगलवार 27 अक्टूबर, 2026

टाइगर की मां ने कहा हनुमान जी ने की रक्षा

टाइगर श्रॉफ की मां आयशा श्रॉफ ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक तस्वीर साझा की। इस तस्वीर में टाइगर की कार के डैशबोर्ड पर हनुमान चालीसा रखी हुई दिखाई दे रही है। आयशा ने इस तस्वीर के साथ भगवान हनुमान की शक्ति और कृपा का जिक्र करते हुए अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। उनके पोस्ट का संदेश था कि हनुमान जी ने उनके बेटे की रक्षा की है और हनुमान चालीसा में अपार शक्ति है। फायरिंग की घटना के बाद सामने आई इस तस्वीर ने लोगों का ध्यान खींचा है। कई सोशल मीडिया यूजर्स इसे अभिनेता की धार्मिक आस्था से जोड़कर देख रहे हैं।



आयशा की पोस्ट उनके व्यक्तिगत विश्वास और आस्था को दर्शाती है।आयशा श्रॉफ की पोस्ट में एक दूसरी तस्वीर भी चर्चा में है। इसमें टाइगर श्रॉफ कथावाचक धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के साथ दिखाई दे रहे हैं। इस तस्वीर के साथ साझा किए गए संदेश में धर्म और आस्था का उल्लेख किया गया है। पोस्ट में यह बात भी सामने आई कि लोगों के बीच इस घटना को लेकर अलग–अलग तरह की चर्चाएं हो रही हैं। टाइगर की कार पर फायरिंग की घटना के बाद हनुमान चालीसा और धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के साथ उनकी तस्वीर का एक साथ सामने आना सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। प्रशंसक अभिनेता के जल्द सुरक्षित और सामान्य दिनचर्या में लौटने की कामना कर रहे हैं। वहीं, कुछ लोग इस घटना के संदर्भ में धार्मिक आस्था को महत्वपूर्ण मान रहे हैं।टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग का मामला अब जांच के दायरे में है।

'उड़ता तीर' में सारा अली खान का किरदार रहा सीमित, आयुष्मान खुराना की एक्टिंग ने जीता दिल



फिल्म

उड़ता तीर

स्टारकास्ट– आयुष्मान खुराना, सारा अली खान, राहुल बोस, राम कपूर, गुलशन ग्रोवर, मुकुल देव, बृजेंद्र काला

डायरेक्टर – आकाश ए कौशिक

रेटिंग– 3.5'

965

आकाश ए. कौशिक के निर्देशन में बनी फिल्म 'उड़ता तीर' आखिरकार सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म में आयुष्मान खुराना और सारा अली खान मुख्य भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। कॉमेडी से भरपूर यह फिल्म दर्शकों को हंसाने की कोशिश करती है। ऐसे में आइए जानते है कि कैसी है फिल्म की कहानी और क्या यह दर्शकों का मनोरंजन करने में कामयाब होती है।

कहानी

फिल्म 'उड़ता तीर' की कहानी विक्रम से शुरू होती है जो एक पाकिस्तानी आईएसआई एजेंट है और भारत में रहकर अपने मिशन को अंजाम देता है। हालांकि, एक घटना के दौरान उसकी याददाश्त चली जाती है लेकिन देशभक्ति का जज्बा उसके दिल में बरकरार रहता है। परेशानी यह है कि उसे याद नहीं रहता कि आखिर उसे किस देश के लिए काम करना है। ऐसे में वह भारत के पक्ष में खड़ा हो जाता है और पाकिस्तान के खिलाफ काम करने लगता है। कहानी आगे बढ़ने के साथ विक्रम उन आतंकियों को पकड़ने में जुट जाता है जिनकी तलाश भारतीय अधिकारी कर रहे होते हैं। अब सवाल यह है कि क्या विक्रम की याददाश्त वापस आएगी? अगर ऐसा होता है, तो विक्रम यानी बिलाल की जिंदगी में आगे क्या मोड़ आएगा? इन सभी सवालों के जवाब जानने के लिए आपको फिल्म 'उड़ता तीर' देखनी होगी।

एक्टिंग

फिल्म 'उड़ता तीर' में आयुष्मान खुराना ने अपने किरदार को बेहद सहज और रियलिस्टिक अंदाज में निभाया है। उनकी एक्टिंग में स्वाभाविकता नजर आती है और वह अपने एक्सप्रेशंस, बॉडी लैंग्वेज और कॉमिक टाइमिंग से किरदार को प्रभावशाली बनाते हैं। फिल्म में उनका अंदाज दर्शकों को हंसाने के साथ–साथ कहानी से जोड़ने का काम भी करता है। वहीं, सारा अली खान ने भी अपने किरदार को अच्छे तरीके से निभाया लेकिन उनका रोल ज्यादा लंबा नहीं था। राहुल बोस और राम कपूर ने अपने अनुभव के अनुसार अभिनय किया है। गुलशन ग्रोवर अपने खास अंदाज में नजर आते है जबकि मुकुल देव और बृजेंद्र काला ने भी अपनी भूमिकाओं को सहजता से निभाया है।

डायरेक्शन

फिल्म 'उड़ता तीर' का निर्देशन आकाश ए. कौशिक ने काफी अच्छे तरीके से किया है। फिल्म के हर सीन को बेहतर ढंग से पर्दे पर उतारने की कोशिश की गई है। कॉमेडी के साथ–साथ एक्शन का भी अच्छा मेल देखने को मिलता है और निर्देशक ने इन दोनों के बीच संतुलन बनाए रखा है। फिल्म की कहानी दर्शकों को बांधे रखने में काफी हद तक कामयाब होती है और इसमें मनोरंजन के भरपूर तत्व मौजूद है। हालांकि, फिल्म की एंडिंग थोड़ी कमजोर लगती है। जिस तरह से कहानी को समाप्त किया गया है वह कुछ हद तक अनएक्सपेक्टेड है और दर्शकों को पूरी तरह संतुष्ट नहीं कर पाती। मेकर्स चाहते तो क्लाइमैक्स को थोड़ा और बेहतर और स्पष्ट बना सकते थे। इसके बावजूद, फिल्म का ओवरऑल निर्देशन अच्छा है और इसकी मनोरंजक कहानी दर्शकों को अंत तक जोड़े रखने में कामयाब रहती है।

अनीता कंवल ने आर्थिक तंगी की अफवाहों पर जताई नाराजगी



अनीता कंवल मनोरंजन जगत की जानी–मानी हस्ती हैं। टीवी के साथ–साथ उन्होंने कई फिल्मों में भी अभिनय किया है। पिछले कुछ दिनों से अनीता कंवल आर्थिक तंगी की अफवाहों को लेकर चर्चा में थीं। इस बीच अभिनेत्री ने एक वीडियो शेयर किया है और आर्थिक तंगी से जुड़ी अफवाहों पर नाराजगी जाहिर की है। अनीता कंवल ने कहा कि करीब छह महीने पहले उन्होंने एक इंटरव्यू दिया था, जिसके बाद उनकी बातों को तोड़–मरोड़कर पेश किया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने कभी किसी से आर्थिक मदद नहीं मांगी, लेकिन उनकी बातों को इस तरह पेश किया गया जैसे उन्होंने किसी से आर्थिक मदद मांगी हो, लेकिन ऐसा नहीं है।

अनीता कंवल ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने कहा कि आर्थिक तंगी वाली खबरों ने उन्हें परेशान कर दिया है। उन्होंने बताया कि इन खबरों ने उन्हें इतना परेशान कर दिया है कि वह ठीक से सो तक नहीं पा रही हैं। अनीता कंवल कहती हैं– सुबह के 4 बजे हैं और मैं ठीक से सो तक नहीं पा रही हूं, क्योंकि कुछ न्यूज वाले मेरे बारे में ऐसी बातें लिख रहे हैं, जिसके चलते मुझे तकलीफ हो रही है। छह महीने पहले मैंने एक इंटरव्यू दिया था, जिसमें मुझसे पूछा गया कि अगर मुझे काम नहीं मिला तो मैं खुद को आर्थिक तौर पर कितने देर तक संभाल पाऊंगी, तो मैंने कहा था डेढ़ साल तक। अनीता कंवल कहती हैं– मेरी इन बातों को इस तरह पेश किया गया, जैसे मैं आर्थिक मदद मांग रही हूं। लेकिन, ऐसा नहीं है। जब अमिताभ बच्चन, यश चोपड़ा के पास काम मांगने गए थे और कहा कि मेरे पास काम नहीं है और आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, तब तो किसी ने कुछ नहीं कहा था लेकिन, आज हर कोई कह रहा है कि अभिनेत्रियां ऐसी ही होती हैं। मैं एक बहुत ही संपन्न और सम्मानित परिवार से आती हूं। हां, कुछ गलत इन्वेस्टमेंट हुए थे, जो किसी के भी साथ हो सकता है। मगर आज भी मुझमें कमाने की ताकत है। इतनी हिम्मत है कि खुद को 10 साल तक संभाल सकती हूं। अनीता कंवल ने बताया कि वह इन दिनों सोशल मीडिया से अच्छी–खासी कमाई कर रही हैं। ¼fgQ½

कच्चा बादाम फेम अंजली को लीगल नोटिस

सोशल मीडिया पर 'कच्चा बादाम' गाने से पहचान बनाने वाली इन्फ्लुएंसर अंजली अरोड़ा एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार वजह उनका कोई वीडियो या सोशल मीडिया पोस्ट नहीं, बल्कि कानपुर में हुआ एक कार्यक्रम है। आरोप है कि अंजली अरोड़ा तय समय तक मंच पर नहीं रुकीं और जितनी देर की प्रस्तुति का वादा किया गया था, उससे काफी कम समय में कार्यक्रम छोड़कर चली गईं। अब इस मामले ने कानूनी रूप ले लिया है। कार्यक्रम के आयोजक ने अंजली और उनकी मैनेजर को 1 करोड़ 20 लाख रुपये का लीगल नोटिस भेजा है। साथ ही 15 दिन के अंदर जवाब देने, हर्जाना चुकाने और सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की गई है।

इस पूरे मामले में अंजली अरोड़ा भी अपना पक्ष रख चुकी हैं। ऐसे में सवाल है कि आखिर कानपुर के इस कार्यक्रम में ऐसा क्या हुआ कि मामला लाखों के कथित नुकसान से बढ़कर करोड़ों रुपये के नोटिस तक पहुंच गया?

यह मामला 15 अक्टूबर 2026 को कानपुर के लाजपत भवन लॉन में आयोजित 'नगाड़ा नाइट' कार्यक्रम से जुड़ा है। आयोजक आशीष कुमार के मुताबिक, इस कार्यक्रम में अंजली अरोड़ा को प्रस्तुति देने के लिए बुलाया गया था। उनकी मैनेजर प्रीति दुबे के साथ बातचीत के बाद 30 मिनट की प्रस्तुति के लिए तीन लाख रुपये तय किए गए थे। आयोजकों का दावा है कि बाद में प्रस्तुति का समय बढ़ाकर 45 मिनट करने पर भी सहमति बनी थी। आयोजक के मुताबिक, अंजली को रात 9 बजे से 9.45 बजे तक प्रस्तुति देनी थी, लेकिन वह करीब 9.45 बजे कार्यक्रम स्थल पहुंचीं। इसके बाद उन्होंने मंच पर लगभग 12 मिनट तक प्रस्तुति दी और वहां से चली गईं। आयोजकों का कहना है कि इससे कार्यक्रम की योजना प्रभावित हुई और दर्शकों के साथ–साथ आयोजन से जुड़े लोगों को भी परेशानी हुई। (हिफी)



सैफ अली ने 4 करोड़ की बेच दी प्रापर्टी



अरबों की संपत्ति के मालिक बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान ने हाल ही में मुंबई में अपनी एक प्रॉपर्टी को लेकर बड़ी डील की थी। उन्होंने एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को अपने दो ऑफिस स्पेस किराए पर दिए थे, जबकि अब खबरें हैं कि अभिनेता ने अपनी एक लग्जरी प्रॉपर्टी को बेच दिया है। 19 साल पुरानी ये प्रॉपर्टी 4 करोड़ रुपये से ज्यादा की कीमत में बेची गई है।मिली जानकारी के मुताबिक सैफ अली खान ने मुंबई के बांद्रा वेस्ट में स्थित अपना एक फ्लैट दो पार्किंग स्पेस के साथ 4.11 करोड़ में बेचा है। इसका कारपेट एरिया 797 वर्ग फुट है। ये डील 19 अक्टूबर 2026 को हुई थी, जबकि एग्रीमेंट टू सेल 7 मार्च, 2024 का था। खरीदार को इस फ्लैट पर 7 मार्च, 2024 को कब्जा मिल गया था। इस डील में 24.66 लाख रुपये की स्टांप ड्यूटी चुकाई गई है। सैफ अली खान की ये प्रॉपर्टी बांद्रा वेस्ट में हाई–कॉन्स रेजीडेंसी में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सैफ ने साल 2007 में हाई–कॉन्स रेजीडेंसी के ऊपरी फ्लोर पर एक यूनिट को 9.7 करोड़ रुपये में खरीदा था, जिसका कारपेट एरिया 6,000 वर्ग फुट था। बाद में इसे एक्टर ने तीन हिस्सों में बांटकर तीन फ्लैट बना दिए। इनमें से अब 797 वर्ग फुट का ऊपरी फ्लोर वाला फ्लैट सेल कर दिया गया है। दो अन्य फ्लैट 2,205 वर्ग फुट और 2,997 वर्ग फुट के हैं।

कुछ दिनों पहले ही सैफ अली खान ने 22.76 लाख रुपये के मंथली किराये पर अपनी दो कमर्शियल यूनिट को दुर्वा फिनटेक प्राइवेट लिमिटेड को किराये पर दिया था। ये प्रॉपर्टी मुंबई के अंधेरी कुर्ला रोड पर स्थित है, जिसका कुल कारपेट एरिया 5,692 वर्ग फुट है। सैफ अली खान को पिछले महीने रिलीज हुई फिल्म हैवान में अक्षय कुमार के साथ देखा गया था। हालांकि ये मूवी बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिटी थी।

रणबीर की रामायण ने एडवांस में कमाए करोड़ों रुपये

रणबीर कपूर की बहुप्रतीक्षित फिल्म रामायण : द राइज ऑफ ए लेजेंड रिलीज से पहले ही चर्चा में आ गई है। फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू होते ही दर्शकों के बीच इसे लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। हालांकि, इस बार चर्चा सिर्फ फिल्म की भव्यता और स्टारकास्ट की नहीं, बल्कि टिकटों की आसमान छूती कीमतों की भी हो रही है। मुंबई में फिल्म के प्रीमियम रिक्लाइनर टिकट की कीमत 3,170 रुपये तक पहुंच गई है।



मुंबई के चर्चगेट स्थित इरोस इनॉक्स आईमैक्स सिनेमा में फिल्म के आईएमएक्स 3डी शो के टिकट 530 रुपये से 680 रुपये के बीच मिले। हालांकि प्रीमियम रिक्लाइनर सीट चुनने वाले दर्शकों को एक टिकट के लिए 3170 रुपये तक खर्च करने पड़ सकते हैं। दिल्ली में भी फिल्म की टिकट कीमतें चर्चा का विषय बनी हुई हैं। पीवीआर ईसीएक्स चाणक्यपुरी में सुबह 9 बजे के शो के टिकट 338.98 रुपये से 406.78 रुपये के बीच उपलब्ध थे। ये कीमतें जीएसटी से पहले की हैं। शो के समय और सीट के अनुसार टिकटों के दाम 600 रुपये से लेकर 2400 रुपये तक पहुंच रहे हैं। ऐसे में दर्शकों के पास अपनी सुविधा और बजट के हिसाब से विकल्प तो हैं, लेकिन प्रीमियम अनुभव के लिए उन्हें अच्छी–खासी रकम खर्च करनी पड़ सकती है।

हिन्दी दैनिक

जन विचार प्रवाह

जौनपुर

जौनपुर,मंगलवार 27 अक्टूबर, 2026

पति को पतन से बचा ले वही धर्मपत्नी : आचार्य शांतनु महाराज

मां का बेटे पर है पिता से 10 गुना अधिक अधिकार
श्रीरामकथा के छठवें दिन अयोध्याकांड, वनगमन और केवट संवाद का भावपूर्ण वर्णन
निषाद समाज के लालजी निषाद को वरिष्ठ भाजपा नेता ज्ञान प्रकाश सिंह ने किया सम्मानित
वरिष्ठ भाजपा नेता ज्ञान प्रकाश सिंह ने श्रीराम कथा कराकर जनपद को कर दिया राममय



जौनपुर। नगर के बीआरपी इंटर कॉलेज मैदान में भाजपा के वरिष्ठ नेता ज्ञान प्रकाश सिंह द्वारा आयोजित नौ दिवसीय श्रीरामकथा के छठवें दिन कथाव्यास आचार्य शांतनु जी महाराज ने अयोध्याकांड, श्रीराम वनगमन, केवट संवाद और उर्मिला के त्याग सहित कई प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा के दौरान भगवान श्रीराम के वनगमन और केवट संवाद के प्रसंगों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। इस अवसर पर मुख्य आयोजक ज्ञान प्रकाश सिंह ने निषाद समाज के लालजी निषाद को मंच पर सम्मानित किया।आचार्य शांतनु महाराज ने कहा कि थोड़ा सा सत्संग मिल जाए तो जीवन धन्य हो जाता है, जबकि एक क्षण का कुसंग जीवन को नरक की ओर ले जा सकता है। सत्संग मनुष्य को अच्छे मार्ग पर ले जाता है, वहीं कुसंग उसे पतन की ओर धकेलता है। उन्होंने मंथरा और कैकेयी के प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि मंथरा पर कुसंग का प्रभाव था। उसने कैकेयी की बुद्धि को प्रभावित कर उनके मन में कौशल्या के प्रति संदेह पैदा किया। मंथरा ने कैकेयी से कहा कि भरत ननिहाल गए हैं और उनके साथ षड्यंत्र किया जा रहा है, जबकि भरत ही अयोध्या पर राज करेंगे। महाराज ने कहा कि कुसंग के प्रभाव में आकर व्यक्ति सही और गलत के बीच अंतर करना भूल जाता है।

वनगमन के प्रसंग का वर्णन करते हुए आचार्य शांतनु महाराज ने कहा कि भगवान श्रीराम ने पिता दशरथ की आज्ञा का पालन करते हुए वन जाना स्वीकार किया। श्रीराम ने वनवास को अपने लिए श्रेष्ठ बताते हुए कहा कि इससे रघुवंश कलंकित होने से बच जाएगा। वन में उन्हें महान साधु-संतों के दर्शन का अवसर मिलेगा और छोटे भाई भरत अयोध्या का राज्य संभालेंगे। जब माता कौशल्या को वनवास की जानकारी हुई तो उन्होंने कहा कि यदि पिता ने आज्ञा दी है तो राम वन न जाएं लेकिन यदि माता कैकेयी ने कहा है तो उन्हें अवश्य वन जाना चाहिए।

महाराज ने कहा कि माता कौशल्या का त्याग अनुकरणीय है। माताओं के त्याग और संस्कारों के कारण ही परिवार और समाज मजबूत बनते हैं। उन्होंने कहा कि माता का अपने पुत्र पर पिता से दस गुना अधिक अधिकार माना गया है। माताओं के त्याग से प्रेरणा लेकर समाज को अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए।

लक्ष्मण के वनगमन से पहले पत्नी उर्मिला से मिलने के प्रसंग का वर्णन करते हुए महाराज ने कहा कि उर्मिला ने लक्ष्मण के कुछ कहने से पहले ही उनकी परिस्थिति और मन की बात समझ ली थी। जो पत्नी अपने पति को पतन से बचाकर सही मार्ग पर चलने में सहयोग करे, वही सच्ची अर्धांगिनी है। उन्होंने उर्मिला के त्याग का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने 14 वर्षों तक श्रृंगार नहीं किया, जबकि लक्ष्मण ने भगवान श्रीराम और माता सीता की सेवा के लिए 14 वर्षों तक निद्रा का त्याग किया। इस प्रसंग ने श्रद्धालुओं को भावुक कर दिया।

महाराज ने बताया कि पिता दशरथ की आज्ञा का पालन करने के लिए जब भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण अयोध्या से वन के लिए निकले तो पूरी अयोध्या उनके पीछे चल पड़ी। अयोध्यावासियों के साथ भगवान श्रीराम तमसा नदी के किनारे पहुंचे। नाव ही उसकी जीविका का साधन है इसलिए वह पहले भगवान के चरण पखारेगा। केवट की भक्ति और प्रेम से प्रसन्न होकर भगवान श्रीराम ने उसकी बात स्वीकार की। इसके बाद केवट ने भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण को गंगा पार उतारा। जब माता सीता ने उतराई के रूप में केवट को अपनी अंगूठी देनी चाही तो उसने उसे लेने से इनकार कर दिया। केवट ने कहा कि प्रभु मैंने आपको नदी पार उतारा है आप मुझे भवसागर से पार उतार दीजिए। केवट की इस निश्छल भक्ति और समर्पण का वर्णन सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे।कथा के दौरान आचार्य शांतनु महाराज ने मुख्य आयोजक ज्ञान प्रकाश सिंह के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने भव्य श्रीरामकथा का आयोजन कर पूरे जनपद को राममय कर दिया है। कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और भक्तिमय वातावरण में श्रीराम के आदर्शों, त्याग, सेवा और समर्पण के प्रसंगों का श्रवण किया। इस अवसर पर महाराज अधिकारी, श्री राम वल्लभा कुंज एवं श्री राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र धार्मिक समिति के सदस्य, अयोध्या पूज्य राज कुमार दास महाराज, श्री चित्रकूट बालाजी ट्रस्ट के परम पूज्य महंत आलोक दास, चित्रकूट धाम के परम पूज्य महंत अरुण दास, नानक शाही उदासीन संगत, डालीगंज, लखनऊ के परम पूज्य महंत वीरेंद्र मुनि, कैबिनेट मंत्री एवं सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर, राज्य मंत्री रविन्द्र जायसवाल, सैयदराजा, चंदौली के विधायक सुशील सिंह, उत्तर भारतीय सेवा समिति के अध्यक्ष डॉ. राधेश्याम तिवारी, भाजपा नेता वेद प्रकाश सिंह 'राजू भैया', वानर सेना के संस्थापक अजीत प्रताप सिंह, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह, भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री सुशील मिश्रा, डीसीएफ के चेयरमैन धनंजय सिंह, करंजाकला के ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि सुनील यादव 'मम्मन', पूर्व विधायक सुषमा पटेल, जफराबाद के पूर्व विधायक डॉ. हरेंद्र सिंह, भाजपा महिला मोर्चा मछलीशहर की अध्यक्ष अनुपमा राय,, पूर्वांचल विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ के महामंत्री राधेश्याम सिंह 'मुन्ना' और पूर्व सभासद मिंटू पाठक समेत सैकड़ों गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सपा कार्यालय में मनाई गई महर्षि वाल्मीकि और संत नामदेव महाराज की जयंती



जौनपुर । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर सोमवार को पार्टी के जिला कार्यालय, सदर चुंगी, अल्फस्टीनगंज में आदिकवि महर्षि वाल्मीकि और संत शिरोमणि नामदेव महाराज की जयंती मनाई गई। इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने दोनों महापुरुषों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा उनके जीवन दर्शन और समाज सुधार में योगदान पर विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष श्याम बहादुर पाल ने की, जबकि संचालन जिला महासचिव आरिफ हबीब ने किया।श्याम बहादुर पाल ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि और संत शिरोमणि नामदेव महाराज का जीवन दर्शन समाज को सदाचार, भक्ति, समता और मानवता का संदेश देता है। महर्षि वाल्मीकि की रामायण भारतीय साहित्य और संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। वहीं, संत नामदेव महाराज ने अपनी वाणी और भक्ति के माध्यम से प्रेम, सामाजिक समानता तथा जाति-पाति के भेदभाव से ऊपर उठकर मानवता अपनाने की प्रेरणा दी।उन्होंने कहा कि दोनों महापुरुषों के विचार आज भी सामाजिक समरसता, आपसी सम्मान और न्यायपूर्ण समाज की स्थापना के लिए प्रासंगिक हैं। समाजवादी विचारधारा भी सामाजिक न्याय, समान अवसर, भाईचारे और वंचित वर्गों के सम्मान की पक्षधर है। जयंती मनाने का वास्तविक उद्देश्य महापुरुषों के विचारों को अपने आचरण में उतारना और समाज में समानता एवं सद्भाव को मजबूत करना है।गोष्ठी को वरिष्ठ नेता रुखसार अहमद, समाजवादी बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव हरिश्चंद्र प्रभाकर और महिला सभा की प्रदेश सचिव ऊषा जायसवाल ने भी संबोधित किया।इस अवसर पर पूनम मौर्य, जिला सचिव अजय मौर्य, दीपक आर. विश्वकर्मा, अल्पसंख्यक सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनवर उल हक गुड्डू, पूर्व जिला उपाध्यक्ष अरशद कुरैशी, नगर अध्यक्ष कमालुद्दीन अंसारी, सोनी यादव, कार्यवाहक नगर अध्यक्ष अशफाक मंसूरी, रवि यादव, पूनम यादव, सोनी सेठ, वंदना यादव, वंदना श्रीवास्तव, पिंकी गुप्ता, अकरम मंसूरी, राजा नवाब, ईशान यादव, मोहम्मद आसिफ, कोमल यादव और धर्मेंद्र सोनकर सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भ्रष्टाचार व राष्ट्रीय राजमार्ग घोटाले के विरुद्ध 1904वें दिन भी जारी रहा सत्याग्रह



जौनपुर । कलेक्ट्रेट परिसर में राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण घोटाले, भ्रष्टाचार और पत्रकार उत्पीड़न के खिलाफ यशवन्त कुमार गुप्त के नेतृत्व में चल रहा सत्याग्रह आन्दोलन 1904वें दिन भी अनवरत जारी रहा। 9 अगस्त 2021 से चल रहे इस धरने के माध्यम से भूमि अधिग्रहण की अनियमितताओं और जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायतों के फर्जी निस्तारण का मुद्दा उठाया जा रहा है। इस दौरान सिरकोनी बाजार (इजरी) में हुई डकैती के अभियुक्तों पर कड़ी कार्रवाई की भी मांग की गई। इस अवसर पर उदय प्रताप सिंह, डा.ज्ञान प्रकाश सिंह, विजय प्रकाश मिश्र, नरेन्द्र गिरी, विजय प्रताप सिंह, बसन्त लाल मौर्य, सजन यादव, रामनगीना यादव सहित दर्जनों समर्थकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर समर्थन दिया।

जनपद की तहसीलों, विकास खंडों एवं ग्राम पंचायतों में धूमधाम से मनाई गई महर्षि वाल्मीकि जयंती



जौनपुर । महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर जनपद जौनपुर की तहसीलों, विकास खंडों एवं ग्राम पंचायतों में श्रद्धा, भक्ति एवं हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। शासन के निर्देशों के क्रम में जनपद के विभिन्न मंदिरों में दीप प्रज्ज्वलन, दीपदान एवं महर्षि वाल्मीकि रामायण पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों के माध्यम से महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों, उनकी रचनाओं तथा सामाजिक समरसता और सद्भाव के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया गया। जिलाधिकारी श्री सैमुअल पाल एन. के निर्देशानुसार जनपद के विभिन्न मंदिरों में स्थानीय कलाकारों द्वारा वाल्मीकि रामायण पाठ एवं भक्ति कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। मुख्य विकास अधिकारी नरेन्द्र बहादुर सिंह ने भी मंदिर पहुंचकर कार्यक्रम में सहभागिता की। इसके साथ ही संबंधित उप जिलाधिकारियों, खंड विकास अधिकारियों एवं अधिशासी अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में आयोजित कार्यक्रमों में प्रतिभाग कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा आयोजन को सफल बनाने में सहयोग किया। जनपद में शीतला चौकिया परिसर स्थित हनुमान मंदिर, छोटी काशी, शकरमंडी चुंगी के पास हनुमान मंदिर, रामजानकी मंदिर अहियापुर, मैहर देवी स्थित राम मंदिर एवं हनुमान मंदिर, रामजानकी मंदिर कस्बा मड़ियाहूं, ग्राम तिलौरा, मुबारकपुर, सरोखनपुर तथा ठाकुर द्वारा सहित विभिन्न मंदिरों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन स्थलों पर निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार स्थानीय कलाकारों ने वाल्मीकि रामायण पाठ एवं भक्ति प्रस्तुतियों के माध्यम से वातावरण को भक्तिमय बनाया। नामित कलाकारों में राहुल पाठक, विजय बहादुर यादव, अजय यादव, आशुतोष यादव एवं अभिषेक निषाद (मयंक) ने सदर तहसील क्षेत्र के निर्धारित मंदिरों में कार्यक्रम प्रस्तुत किए। वहीं जगदीश यादव ने मड़ियाहूं, अशोक कुमार यादव ने तिलौरा, राम अभिलाख ने मुबारकपुर, चन्दन निषाद एंड पार्टी ने सरोखनपुर तथा योगेन्द्र नाथ चौबे ने ठाकुर द्वारा में आयोजित कार्यक्रमों में सहभागिता की। इसके अतिरिक्त नगर पालिका परिषदों, नगर पंचायतों, विकास खंडों एवं ग्राम पंचायतों में संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग से मंदिर परिसरों की साफ-सफाई कराई गई तथा कार्यक्रमों के सफल आयोजन के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर आयोजित इन कार्यक्रमों के माध्यम से जनपद में धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को बढ़ावा देने के साथ-साथ भगवान श्रीराम के आदर्शों, सामाजिक सद्भाव एवं नैतिक मूल्यों के प्रति जनसामान्य को जागरूक करने का संदेश दिया गया।

सीसी रोड निर्माण की गुणवत्ता पर उठे सवाल, तैयार होने से पहले उखड़ने लगीं सड़क की ईंटें

जौनपुर। नगर पंचायत कजगांव के वार्ड संख्या तीन स्थित माधोपट्टी में सीसी रोड निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। निर्माण कार्य से जुड़ी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सड़क निर्माण में निर्धारित मानकों की अनदेखी की जा रही है। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।स्थानीय नागरिकों के अनुसार, सीसी रोड का निर्माण कार्य पूरा होने से पहले ही सड़क के किनारे लगाई गई ईंटें उखड़ने लगी हैं। इसे लेकर वार्डवासियों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किए हैं। उनका कहना है कि यदि निर्माण कार्य मानकों के अनुरूप कराया जा रहा है, तो तैयार होने से पहले ही किनारे की ईंटों का उखड़ना गंभीर चिंता का विषय है।

जिम्मेदारों की भूमिका पर उठ रहे सवाल

वार्डवासियों ने नगर पंचायत अध्यक्ष, अधिशासी अधिकारी और संबंधित ठेकेदार की भूमिका पर सवाल उठाते हुए निर्माण कार्य की जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि विकास कार्यों में सरकारी धन खर्च होने के बावजूद यदि निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठते हैं, तो इसकी जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

सरकार की ओर से नगर निकायों में विकास कार्यों के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। ऐसे में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की जिम्मेदारी है। माधोपट्टी में सीसी रोड निर्माण से जुड़ा मामला सामने आने के बाद अब लोगों की निगाहें जिम्मेदार अधिकारियों की कार्रवाई पर टिकी हैं।जांच के बाद स्पष्ट होगी स्थिति

फिलहाल, सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरों और वीडियो के आधार पर निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठ रहे हैं। मामले में संबंधित अधिकारियों का पक्ष सामने नहीं आया है। निर्माण कार्य की तकनीकी जांच होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि सड़क निर्माण में निर्धारित मानकों का पालन किया गया है या नहीं। अब देखना होगा कि नगर पंचायत प्रशासन इस मामले में जांच कराकर आवश्यक कार्रवाई करता है या नहीं।

जांच मे गंदगी पर सीडीओ का सख्त रुख निलंबन, और लापरवाही पर नोटिस जारी करने के निर्देश



जौनपुर। मुख्य विकास अधिकारी ने सोमवार को मुफ्तीगंज विकास खंड की ग्राम पंचायत परौवा का निरीक्षण कर विकास कार्यों, स्वच्छता व्यवस्था और जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान कार्यों में लापरवाही और साफ-सफाई में कमी मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान जल जीवन मिशन के तहत निर्माणाधीन पानी की टंकी का कार्य धीमी गति से होता मिला। इस पर सीडीओ ने अधिशासी अभियंता को निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कराने तथा देरी के संबंध में संबंधित के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।इसके बाद उन्होंने कंपोजिट विद्यालय परौवा का निरीक्षण किया। विद्यालय परिसर में गंदगी और शौचालय की खराब स्थिति मिलने पर उन्होंने संबंधित सफाईकर्मी को निलंबित करने तथा ग्राम पंचायत सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। विद्यालय की टूटी बाउंड्री वॉल का निर्माण एक सप्ताह के भीतर पूरा कराने को भी कहा, ताकि विद्यार्थियों को सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण मिल सके।सीडीओ ने ग्राम पंचायत में निर्मित अमृत सरोवर का भी निरीक्षण किया। परिसर में उगी घास की सफाई कराने और सरोवर को स्वच्छ एवं व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। वहीं, ग्राम चौपाल में उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं से वंचित पात्र लाभार्थियों को चिह्नित कर शौचालय, पेंशन, आवास, आयुष्मान भारत और राशन सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त श्रम रोजगार, अधिशासी अभियंता जल निगम, खंड विकास अधिकारी मुफ्तीगंज, ग्राम पंचायत सचिव और ग्राम प्रधान उपस्थित रहे।

मुख्य विकास अधिकारी ने की विशेष स्वच्छता अभियान की शुरुआत

जौनपुर। मुख्य विकास अधिकारी जौनपुर की पहल पर स्वच्छ जौनपुर स्वस्थ जौनपुर के दृष्टिगत विशेष स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत विकास खण्ड के ग्राम पंचायत ६ राजस्व ग्रामों के सार्वजनिक स्थलों की सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उददेश्य से प्रत्येक विकास खण्ड मे 50-50 सफाई कर्मियों की संख्या में 21 विकास खण्ड में 50 क्लीनिग टास्क फोर्स (ब्ब्थ्) का गठन करते हुये सहायक विकास अधिकारी (पं०) को सम्बन्धित विकास खण्ड का नोडल अधिकारी नामित किया गया है, जिसका शुभारम्भ आज दिनांक 26.10.2026 को त्रिलोचन महादेव परिसर, विकास खण्ड जलालपुर में मुख्य विकास अधिकारी, जौनपुर द्वारा शुभारम्भ के अवसर पर 05 सफाई कर्मियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान सहायक विकास अधिकारी (पं०) ६ नोडल अधिकारी, क्लीनिंग टास्क फोर्स (ब्ब्थ्) को निर्देशित किया गया कि ब्ब्थ् प्रत्येक शनिवार को अपने-अपने विकास खण्ड के चिन्हित सार्वजनिक स्थल की सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करे. साथ ही यह भी निर्देश दिया गया

जनशिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने दिए निर्देश



जौनपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह ने सोमवार को पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याएं और शिकायतें गंभीरतापूर्वक सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और थाना प्रभारियों को शिकायतों का निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।एसएसपी ने स्पष्ट किया कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक शिकायत पर गंभीरता से कार्रवाई की जाए। शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और पीड़ितों को प्राथमिकता के आधार पर न्यायोचित सहायता उपलब्ध कराई जाए।

सम्मन

सम्मन वास्ते करारदाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) जौनपुर।

वाद सं0-64/2025

सियाराम गुप्ता-बनाम-छोटेलाल

1.छोटेलाल 2.साहबलाल 3. सूर्यमणि 4.स्वामीनाथ पुत्रगण मालिकराम 5.जयकिशन 6.रविशंकर पुत्रगण प्रेमचन्द्र 7.शांति देवी पत्नी प्रेमचन्द्र 8.ओमप्रकाश 9.जयप्रकाश 10.रामप्रकाश 11.शिवप्रकाश पुत्रगण होरीलाल 12.वंशराज 13.राजबली पुत्रगण बद्रीनारायण 14.प्रेमचन्द्र 15. राजमणि पुत्रगण लक्ष्मीनारायण 16. लालचन्द्र पुत्र लक्ष्मीनारायण 17. अजय कुमार पुत्र सूर्यमणि 18.रन्नो पत्नी सूर्यमणि 19.रामजीत 20. शिवबाबू पुत्रगण कामता 21.मुन्नालाल पुत्र रामशिरोमन 22.इन्द्रजीत पुत्र बनवासी 23. त्रिभुवन पुत्र गरजार 24.बिन्द्रा पुत्र चनिका सा0मौ0 सेहरा पो0 भिउरा रामपुर पर0 व तह0 मड़ियाहूँ जिला जौनपुर उत्तर प्रदेश। 25.अमृतलाल पुत्र नरसिंह 26.धनपत्ति पत्नी नरसिंह सा0मौ0 सेहरा पो0 रामपुर पर0 व तह0 मड़ियाहूँ जिला जौनपुर 27.प्यारी देवी पत्नी फूलचनद्र 28.प्रेमजी गुप्ता 29.मंगेश गुप्ता 30. रमेश गुप्ता 31.रामजी गुप्ता 32. लालजी गुप्ता 33.श्यामजी गुप्ता पुत्रगण फूलचन्द्र सा0मौ0 भिउरा पो0 भिउरा रामपुर पर0 व तह0 मड़ियाहूँ जिला जौनपुर मो0 9936754053 पिन कोड 222203।

ता0पे श-06.11.2026 जवाबदेही व तनकीह

हरगाह ने आपके नाम एक नालिश बावतके दायरकी है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 06.11.2026 जवाबदेही व तनकीह बवक्त बजे अदालत या मारफत अपने वकील के जो मुकदमा के हालात से करार वाकई वाकिब हो और कुल उमूरात अहम मुतलिका मुकदमा का जवाब दे सके या जिसके साथ कोई शक्स जवाब ऐसे सवालात का देने को हाजिर हो और जवाबदेही दावा को करे और दरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिए मुकर्रर है के बावत इनफिसाल कतई मुकदमा तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि आप उसी रोज जुमला दस्तावेज की जिनकी आप अपनी जवाबदेही के साथ इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मुकर्रर आप और हाजिरी आपके मजयून और फैसला,बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज दिनांक माह सन 2026ई0 को जारी किया गया।

आज्ञा से

सिविल जज (सी0डि0) जौनपुर।

सम्मन

सम्मन वास्ते करारदाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय सिविल जज जू0डि0 शाहगंज जौनपुर।

वाद सं0-534/2026

धनपल्ली-बनाम-दिनेश

1.दिनेश कुमार पुत्र तिलकधारी सा0मौ0 लोनियापट्टी पर0 अंगुली तह0 शाहगंज जिला जौनपुर 2. राममिलन पुत्र रामकुमार सा0मौ0 अक्खीपुर पर0 अंगुली तह0 शाहगंज जिला जौनपुर।

ता0पे श-26.11.2026 जवाबदेही व तनकीह

हरगाह ने आपके नाम एक नालिश बावतके दायरकी है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 26.11.2026 जवाबदेही व तनकीह बवक्त बजे अदालत या मारफत अपने वकील के जो मुकदमा के हालात से करार वाकई वाकिब हो और कुल उमूरात अहम मुतलिका मुकदमा का जवाब दे सके या जिसके साथ कोई शक्स जवाब ऐसे सवालात का देने को हाजिर हो और जवाबदेही दावा को करे और दरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिए मुकर्रर है के बावत इनफिसाल कतई मुकदमा तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि आप उसी रोज जुमला दस्तावेज की जिनकी आप अपनी जवाबदेही के साथ इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मुकर्रर आप और हाजिरी आपके मजयून और फैसला,बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज दिनांक माह सन 2026ई0 को जारी किया गया।

आज्ञा से

सिविल जज जू0डि0 शाहगंज जौनपुर।

सम्मन

सम्मन वास्ते करारदाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) जौनपुर।

वाद सं0-971/2025

शिवप्रसाद मौर्य-बनाम-राजेश कुमार मौर्य

1.राजेश कुमार मौर्य पुत्र रामनरायन मौर्य सा0मौ0 कशियापुर पो0 समोधपुर थाना करौदीकलां तह0 कादीपुर जिला सुल्तानपुर।

ता0पे श-07.11.2026 जवाबदेही व तनकीह

हरगाह ने आपके नाम एक नालिश बावतके दायरकी है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 07.11.2026 जवाबदेही व तनकीह बवक्त बजे अदालत या मारफत अपने वकील के जो मुकदमा के हालात से करार वाकई वाकिब हो और कुल उमूरात अहम मुतलिका मुकदमा का जवाब दे सके या जिसके साथ कोई शक्स जवाब ऐसे सवालात का देने को हाजिर हो और जवाबदेही दावा को करे और दरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिए मुकर्रर है के बावत इनफिसाल कतई मुकदमा तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि आप उसी रोज जुमला दस्तावेज की जिनकी आप अपनी जवाबदेही के साथ इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मुकर्रर आप और हाजिरी आपके मजयून और फैसला,बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज दिनांक माह सन 2026ई0 को जारी किया गया।

आज्ञा से

सिविल जज (सी0डि0) जौनपुर।

जय मां शारदा।

शुक्ला मैरिज हाल

मिर्जापुर रोड मरियाहू रोड जौनपुर

वृंदावन पैलेस एवं मैरिज हाल शादी विवाह इंगेजमेंट बर्थडे पार्टी मीटिंग एवं अन्य शुभ अवसरों के लिए संपर्क करें एक बार सेवा का अवसर दीजिए

जयेंद्र कुमार शुक्ला मुन्ना शुक्ला

(प्रोपराइटर)

मो.न. 9838998491,

स्वामी मुद्रक ,संपादक विजय प्रकाश मिश्र,प्रकाशक कुसुम देवी द्वारा नारायण आफसेट प्रेस14/511मुराद अली लेन नई बस्ती हुसेनगंज लखनऊ उ0प्र0 से छपवाकर राजा सिंगरामऊ कोठी ओलन्दगंज

जौनपुर, उ0प्र0 से प्रकाशित । मो 7376885230 EMAIL: janvicharjnp@gmail.com RNI No. UPHIN/2009/27689